जबलपुर

रविवार, 29 मार्च 2026

चैत्र मास शुक्ल पक्ष -11

वर्ष : 20, अंक : 327

पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम

अधि. 36

न्यून. 25

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मप्र में भी मनाया गया अर्थ आवर 2026

इस बार की थीम रही 'पृथ्वी के लिए एक घंटा दें'

भोपाल। शनिवार रात 8:30 बजे से 9:30 बजे के बीच मप्र की कई प्रमुख इमारतें अंधेरे में डूबी रहीं। यह अर्थ आवर 2026 का हिस्सा है। यह हमारे पर्यावरण के लिए शुरू की गई एक पहल है। इसके तहत जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण स्थिरता के बारे में लोगों और संस्थाओं की जागरूकता बढ़ाने के लिए एक घंटे तक गैरजरूरी लाइटें बंद कर दी जाती हैं।

वाराणसी में 31 मार्च को एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन

सम्मेलन से निवेश, निर्यात, ओडीओपी शिल्प और पर्यटन को मिलेगी नई गति

अंतर्राज्यीय सहयोग का नया मॉडल गढ़ेगा एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र सरकार 31 मार्च को वाराणसी में आयोजित होने वाले एमपी-यूपी सहयोग सम्मेलन 2026 के जरिए अंतरराज्यीय सहयोग को एक ठोस, परिणामोन्मुख और वैश्विक दृष्टि से जोड़ने की दिशा में निर्णायक पहल करेगी।

यह सम्मेलन महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत संवाद के साथ ही ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद), जीआई टैग, पारंपरिक शिल्प, निर्यात योग्य उत्पादों, निवेश और पर्यटन को एकीकृत करते हुए एक व्यापक आर्थिक ईकोसिस्टम तैयार करने की दिशा में कार्य करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सक्रिय उपस्थिति इस आयोजन को नीति-निर्माण से आगे बढ़ाकर क्रियान्वयन आधारित सहयोग की दिशा में परिवर्तित करेगी, जिससे दोनों राज्यों के बीच विकास का एक सशक्त और दीर्घकालिक मॉडल विकसित होगा। शुरुआत मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के अध्ययन भ्रमण से होगी, जहां क्राउड फ्लो डिजाइन, अधोसंरचना लेआउट और तीर्थयात्री प्रबंधन प्रणालियों का गहन अवलोकन किया जाएगा। यह भ्रमण केवल एक निरीक्षण नहीं होगा, बल्कि आधुनिक शहरी नियोजन और तीर्थस्थल प्रबंधन के सफल मॉडल को समझने का अवसर प्रदान करेगा। इस अनुभव के आधार पर मप्र में धार्मिक स्थलों के विकास, सुविधाओं के विस्तार और व्यवस्थागत सुधार के लिए व्यवहारिक दृष्टिकोण विकसित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

एमओयू से सुदृढ़ होगी व्यापार, निवेश और कौशल विकास की साझेदारी

सम्मेलन में मप्र और उत्तरप्रदेश के बीच एमओयू हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिनके माध्यम से व्यापारिक सहयोग, औद्योगिक निवेश, कौशल विकास, हस्तशिल्प संवर्धन और पर्यटन क्षेत्र में साझेदारी को औपचारिक रूप दिया जाएगा। ओडीओपी उत्पादों के आदान-प्रदान से स्थानीय उत्पादों को नए बाजारों तक पहुंचाने और उनकी ब्रांड वैल्यू बढ़ाने की दिशा में ठोस पहल की जाएगी। यह सम्मेलन उद्योग जगत, निवेशकों, शिल्पकारों, कृषि एवं फूड उत्पादकों और नीति-निर्माताओं को एक व्यापक और समावेशी मंच प्रदान करेगा, जहां वे नीतिगत प्रोत्साहनों, अधोसंरचना विकास, लॉजिस्टिक सपोर्ट और निवेश अवसरों पर गहन चर्चा करेंगे। वस्त्र एवं परिधान, हस्तशिल्प, एमएसएमई, खाद्य प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन जैसे विविध क्षेत्रों की सहभागिता इस आयोजन को बहु-आयामी बनाएगी।

शिल्पकारों के लिए गंगा-नर्मदा क्राफ्ट कॉरिडोर जैसी अभिनव पहल को मिलेगा बल

ज्वॉइंट आर्टिजन वर्कशॉप में चंदेरी और महेश्वरी शिल्पकार बनारसी सिल्क कारीगरों के साथ मिलकर साझा ब्रांडिंग, बाजार विस्तार और गंगा-नर्मदा क्राफ्ट कॉरिडोर की अवधारणा को आगे बढ़ाएंगे। टूरिज्म राउंड टेबल में काशी-उज्जैन-चित्रकूट धार्मिक पर्यटन सर्किट को संयुक्त पर्यटन उत्पाद के रूप में विकसित करने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा। इस पहल में टूर ऑपरेटर्स और आईआरसीटीसी जैसे प्रमुख हितधारकों की सहभागिता से एक संरचित समन्वित पर्यटन मॉडल विकसित करने पर जोर रहेगा।

Dinh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
एमआई vs केकेआर
शाम 7.30 बजे से

खबर संक्षेप

विमान हादसा टला इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर शनिवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया,

जब अधिकारियों ने पूर्ण इमरजेंसी लागू कर दी। विशाखापट्टनम से दिल्ली आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई-579 के एक इंजन में खराबी आने के बाद यह इमरजेंसी प्रोटोकॉल लागू किया गया।

खड़ी गाड़ी में लगी आग, जिंदा जला मासूम

महू। सिमरोल थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर करीब 12 बजे स्विफ्ट कार में आग लग गई।

इससे कार में बैठा बच्चा जिंदा जल गया और उसकी मौत हो गई। 4 साल का चिराग अपने पिता संजय बढ़िया के साथ घूमने निकला था। संजय मैकेनिक हैं। वह डीजे वाली गाड़ी का काम कर रहे थे।

अचानक बस पलट गई 1 की मौत, 15 घायल

आगर मालवा। जिले में एक निजी यात्री बस अनियंत्रित होकर

पलट गई। हादसा बड़ागांव के पास हुआ है, जिसमें एक यात्री की मौत हो गई। वहीं 15 से ज्यादा यात्री घायल बताए जा रहे हैं। जिनमे से तीन गम्भीर घायलों को जिला अस्पताल रैफर किया गया है।

पश्चिम एशिया में संकट : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में मंत्रि-समूह की बैठक

तेल-गैस की सप्लाई टूटेगी नहीं, खाड़ी में फंसे हर भारतीय की हरसंभव 'मदद'

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कच्चे तेल की आपूर्ति में आई रुकावट की भरपाई रूस, पश्चिम अफ्रीका, अमेरिका और लातिनी अमेरिका जैसे वैकल्पिक स्रोतों से आंशिक रूप से की गई है

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले के बाद पश्चिम एशिया में बिगड़े हालात और उसके भारत पर पड़ने वाले संभावित असर के मद्देनजर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को मंत्रियों के अनौपचारिक समूह की बैठक बुलाई। इसमें तेल व गैस की निगरानी और उसकी उपलब्धता पर बात हुई। साथ ही, तय किया गया कि देश में तेल व गैस की सप्लाई को अबाध रखा जाएगा। इसके अलावा खाड़ी देशों में करीब एक करोड़ भारतीयों की हरसंभव मदद की जाएगी।

बैठक में होर्मुज के रास्ते से आ रहे तेल व गैस टैंकरों की आवाजाही और ईरान सरकार से समनव्य को लेकर भी मंथन हुआ। एलपीजी का लगभग 85-95 प्रतिशत और गैस का 30 प्रतिशत होर्मुज स्ट्रेट से आता है। हालांकि, कच्चे तेल की आपूर्ति में आई रुकावट की भरपाई रूस, पश्चिम अफ्रीका, अमेरिका और लातिनी अमेरिका जैसे वैकल्पिक स्रोतों से आंशिक रूप से की गई है, लेकिन औद्योगिक और वाणिज्यिक उपयोगकर्ताओं को गैस और एलपीजी की आपूर्ति में कटौती बरकरार है।

इससे पहले पीएम मोदी ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों से की थी बात

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

अगले दो महीनों के लिए तेल व गैस की सप्लाई पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है

रिफाइनरियां अपनी पूरी या उससे भी अधिक क्षमता पर काम कर रही

सरकार का दावा...

घरेलू एलपीजी उत्पादन में लगभग 20 फीसदी की बढ़ोतरी

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने भरोसा दिया कि मिडिल ईस्ट संघर्ष के कारण आई बाधाओं के बावजूद देश के पास कच्चे तेल, पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि शनिवार की तारीख में हमारे पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है। अगले दो महीनों के लिए सप्लाई पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। शर्मा ने बताया है कि रिफाइनरियां अपनी पूरी या उससे भी अधिक क्षमता पर काम कर रही हैं।

रूस ने 1 अप्रैल से गैसोलीन के निर्यात पर रोक लगाई भारत पर असर नहीं

पुतिन

उधर, पुतिन सरकार ने घोषणा की है कि वह 1 अप्रैल से गैसोलीन (पेट्रोल) के निर्यात पर रोक लगा देगी। इसका मकसद घरेलू सप्लाई को प्राथमिकता देना है। साथ ही ईंधन की कीमतों को स्थिर करना है। रूस का यह फैसला चीन और तुर्की जैसे देशों के लिए बड़ा झटका है। हालांकि, भारत पर इसका खास असर नहीं होगा। ऐतिहासिक रूप से रूस हर रोज लगभग 1,20,000 से 1,70,000 बैरल गैसोलीन का निर्यात करता रहा है।

फारस की खाड़ी में फंसा जग वसंत जहाज पहुंचा भारत

रसोई गैस (एलपीजी) लेकर एक और जहाज गुजरात के जामनगर में डीपीए कांडला के वडीनार बंदरगाह पहुंचा है। कांडला बंदरगाह पहुंचने के बाद एमटी जग वसंत जहाज की तस्वीर पहली बार सामने आई है जिस पर 47,000 मीट्रिक टन लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लदी हुई है। वडीनार बंदरगाह पर लंगर डालकर खड़े जग वसंत जहाज पर से गैस को दूसरी जहाजों को जरिए उतारा गया है। जग वसंत उन दो जहाजों में से एक है जो सोमवार सुबह फारस की खाड़ी से रवाना हुआ था।

मप्र, छग और राजस्थान के विधायक रहेंगे

भोपाल में होगा 3 राज्यों के युवा विधायकों का सम्मेलन

30 और 31 मार्च को विधानसभा के विधान परिषद हाल में आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र विधानसभा में युवा विधायकों का दो दिनी सम्मेलन 30 और 31 मार्च को विधानसभा के विधान परिषद हाल में आयोजित होने जा रहा है। सम्मेलन में राष्ट्रकुल संसदीय संघ (भारत क्षेत्र 6) के तीन राज्यों मप्र के 18, छत्तीसगढ़ के 15 तथा राजस्थान के 22 युवा विधायक शामिल होंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह 30 मार्च को उद्घाटन कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे।

दो दिन पहले ही काम की तलाश में आए थे

नर्मदा नदी में रेत से भरी नाव पलटी, बिहार के 2 युवक लापता, रेस्क्यू जारी

अचानक मौसम बदला व नाव का संतुलन बिगड़ गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

भैरूंदा क्षेत्र में बड़ा हादसा हो गया। यहां सीलकंठ नाव घाट पर नर्मदा नदी की बीच धारा में रेत से लदी एक नाव अचानक पलट गई। इस हादसे में नाव पर सवार चार युवकों में से दो ने तो तैरकर अपनी जान बचा ली, लेकिन दो अन्य युवक गहरे पानी में समा गए। प्रशासन ने एसडीआरएफ और गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया, लेकिन घंटों की मशक्कत के बाद भी लापता युवकों का सुराग नहीं लग पाया है।

आज से 5 दिन बदला रहेगा मिजाज

ज्यादातर जिलों में तापमान 36 से 39 डिग्री के बीच

भोपाल सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में होगी बारिश

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

डीआईजी बंगला चौराहे का दृश्य

राजधानी सहित प्रदेशभर में रविवार से 5 दिन मौसम का मिजाज बदला रहेगा। शनिवार से तापमान में मामूली गिरावट शुरू हुई है, जो दो दिन बाद और तेजी से होगी। शनिवार को औसत तापमान में डेढ़ डिग्री तक कमी के साथ औसत अधिकतम तापमान 36 डिग्री रहा। भोपाल में दशमलव 8 डिग्री की कमी के साथ पारा 36.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से दशमलव 3 डिग्री कम है।

धार भोजशाला में मंदिर या मस्जिद?

हाई कोर्ट के जजों ने खुद किया परिसर का मुआयना

2 अप्रैल को अगली सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ धार

निरीक्षण के लिए पहुंचे अधिकारी

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के दो जजों ने शनिवार को धार जिले में स्थित ऐतिहासिक भोजशाला मंदिर, कमाल मौला मस्जिद परिसर का मुआयना किया।

मामले की अगली सुनवाई की तारीख 2 अप्रैल है। मामले की सुनवाई कर रहे जजों ने बीते सोमवार को सुनवाई के दौरान कहा था कि वे खुद परिसर का मुआयना करेंगे।

पीएम मोदी ने नोएडा में देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट का उद्घाटन किया

युद्ध के संकट से देश को एकजुट होकर लड़ना है

नोएडा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यूपी के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के फेज-1 का उद्घाटन किया। यह अभी देश का सबसे बड़ा और एशिया का दूसरा सबसे बड़ा एयरपोर्ट है। 4 फेज पूरे होने पर एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट हो जाएगा। पीएम ने जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों से इजराइल-अमेरिका और ईरान की जंग से उपजे संकट से एकजुट होकर लड़ने की अपील की।

पेंशन की नई व्यवस्था लागू होगी

प्रदेश में अब राज्य केंद्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल का गठन

1 अप्रैल से होगा पेंशन केसों का निराकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

फाइल फोटो

प्रदेश के पेंशनर्स के लिए नई व्यवस्था लागू की जा रही है। इसके तहत मप्र में राज्य केंद्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल, भोपाल का गठन किया गया है। यह सेल 1 अप्रेल से प्रदेश के सभी जिलों में पेंशन प्रकरणों का निराकरण करेगा।

इसके लिए कार्य आवंटन भी कर दिया गया है। संचालनालय पेंशन, भविष्य निधि एवं बीमा मप्र (भोपाल) के संचालक के हस्ताक्षर से जारी आदेश में कहा गया कि सभी शासकीय सेवक वर्तमान पदस्थापना स्थल से ही कार्य संपादित करेंगे। किसी भी समस्या के निराकरण के लिए अपने संभाग प्रभारी से समन्वय स्थापित करेंगे।

सार्वजनिक अवकाश घोषित करना सरकार का नीतिगत निर्णय

गुरु गोविंद सिंह प्रकाश पर्व अवकाश याचिका खारिज

कोर्ट ने कहा-धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार में सार्वजनिक अवकाश की मांग शामिल नहीं

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

फाइल फोटो

सुप्रीम कोर्ट ने धार्मिक अवसर पर सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की मांग पर महत्वपूर्ण फैसला दिया है। कोर्ट ने कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत मिले धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार में किसी धार्मिक अवसर पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग करने का अधिकार शामिल नहीं है। सार्वजनिक अवकाश घोषित करना सरकार का नीतिगत निर्णय है। कोर्ट ने इस बात पर भी जोर दिया कि विकासशील राष्ट्र के तौर पर भारत को उत्पादकता और काम की निरंतरता को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसके साथ ही कोर्ट ने गुरु गोविंद सिंह की जयंती (प्रकाश पर्व) को पूरे देश में सार्वजनिक अवकाश (राजपत्रित अवकाश) घोषित करने की मांग खारिज कर दी। इतना ही नहीं शीर्ष अदालत ने कहा कि सिख धर्म के सिद्धांत स्मरण, ईमानदार श्रम और निःस्वार्थ सेवा पर विशेष बल देते हैं। गुरु गोविंद सिंह जी का जीवन साहस, अनुशासन और कर्तव्य के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का उदाहरण है। गुरु गोविंद सिंह जी के प्रति अगाध सम्मान और श्रद्धा व्यक्त करते हुए कोर्ट ने कहा कि उनका जीवन न्याय और सांसारिक कर्तव्यों के निर्वहन के लिए एक अथक संघर्ष था। इस परिप्रेक्ष्य में, उनकी विरासत का सम्मान करने का सबसे उत्तम तरीका शायद यह है कि समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से पालन किया जाए, न कि केवल श्रद्धा की मांग करके सम्मान का कोई प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया जाए।

महावीर जयंती पर कब रहेगी छुट्टी? विधायक ने लिखा पत्र

भोपाल। मध्यप्रदेश में महावीर जंयती के शासकीय अवकाश की तारीख को लेकर ऊहापोह की स्थिति बनी हुई है। जैन समाज की धार्मिक मान्यताओं और पंचांग का हवाला देते हुए अब सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों ओर के विधायकों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर अवकाश की तिथि में संशोधन की मांग की है। विधायकों का कहना है कि सरकारी कैलेंडर में दर्ज 31 मार्च के बजाए भगवान महावीर का जन्म कल्याणक 30 मार्च को मनाया जाएगा, इसलिए सार्वजनिक छुट्टी सोमवार, 30 मार्च को ही घोषित की जानी चाहिए। फिलहाल, मुख्य सचिव कार्यालय इस मामले में अलग-अलग सुझावों पर विचार कर रहा है। पृथ्वीपुर से कांग्रेस विधायक नितेंद्र बृजेंद्र सिंह राठौर ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में आग्रह किया है कि जनभावनाओं और जैन धर्म की परंपराओं को देखते हुए रातपत्र में आंशिक संशोधन किया जाए।

बंगाल में ममता सरकार के खिलाफ शाह ने चार्जशीट पेश की

15 साल के शासन का 'अराजकता और भ्रष्टाचार का युग' होगा खत्म, यह चुनाव भय से मुक्ति दिलाएगा, घुसपैठिए बाहर होंगे

भाजपा ने ममता सरकार के खिलाफ विधानसभा चुनाव से पहले मोर्चा खोल दिया है। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि बंगाल की आत्मा को बचाने और इसे भयमुक्त बनाने का चुनाव है।

एजेंसी ▶▶ कोलगकाता

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ती जा रही है। भाजपा ने ममता सरकार के खिलाफ विधानसभा चुनाव से पहले मोर्चा खोल दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को एक आरोप पत्र 'चार्जशीट' जारी की है। इसके जरिए शाह ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 15 साल के शासन को 'अराजकता और भ्रष्टाचार का युग' बताया है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि बंगाल की आत्मा को बचाने और इसे भयमुक्त बनाने का चुनाव है। शाह ने बंगाल में घुसपैठ के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया है। उन्होंने कहा कि पूरे देश की सुरक्षा बंगाल के चुनावी नतीजों से अटूट रूप से जुड़ी हुई है।अगर बंगाल को घुसपैठ से मुक्त करना है, तो यहां सत्ता परिवर्तन अनिवार्य है। शाह ने आरोप लगाया कि ममता सरकार ने वोट बैंक की राजनीति के लिए सीमावर्ती इलाकों में डेमोग्राफी के साथ खिलवाड़ होने दिया।

यह 15 वर्षों के काले कारनामों का संकलन

शाह ने कहा कि यह चार्जशीट, टीएमसी सरकार के 15 वर्षों के काले कारनामों का संकलन है। सोनार बांग्ला का स्वप्न दिखाकर सिंडिकेट राज स्थापित कर बंगाल की जनता का शोषण करने वाले शासन की कहानी है। टीएमसी के कुशासन में बंगाल भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला बन चुका है। ऊपर से नीचे तक आपराधिक सिंडिकेट जनता को परेशान कर रहे हैं।

कभी सिर पर पट्टी तो कभी फ्रैक्चर... 'विक्टिम कार्ड' की पॉलिटिक्स जनता समझ चुकी

ममता सरकार के खिलाफ चार्जशीट पेश करते गृहमंत्री शाह

तंज कसते हुए शाह ने कहा कि ममता ने हमेशा विक्टिम कार्ड की पॉलिटिक्स खेली हैं। कभी उनका पैर टूट जाता है, कभी उनके सिर पर पट्टी बंध जाती है, कभी वह बीमार पड़ जाती हैं और कभी वह चुनाव आयोग के सामने खड़ी होकर बेबसी का नाटक करती हैं। चुनाव आयोग को गालियां देती हैं। लेकिन मैं उन्हें यह बताने आया हूं कि बंगाल के लोग अब विक्टिम कार्ड की इस पॉलिटिक्स को अच्छी तरह समझ चुके हैं।

'सोनार बांग्ला' का विफल वादा

शाह ने टीएमसी पर 'सोनार बांग्ला' का सपना दिखाकर जनता का शोषण करने का आरोप लगाया। यह उद्योगों के लिए कब्रिस्तान' बन गया है।

बंगाल से घुसपैठिए भारत में प्रवेश कर रहे

शाह ने कहा कि बंगाल एकमात्र ऐसा राज्य है जहां से घुसपैठिए भारत में प्रवेश कर रहे हैं और पूरे देश में अशांति पैदा कर रहे हैं। घुसपैठ ट्रष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चिंता की बात है। 15 वर्षों से बंगाल में डर, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति जारी है। 'आरोपपत्र' में टीएमसी के कुशासन, सिंडिकेट राज और इस पर प्रकाश डाला गया है। यहां भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला में बदल दिया है।

सुवेंदु की भूमिका की सराहना की

शाह ने विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी की भी जमकर तारीफ की। चुनावों से पहले अधिकारी ने पूरे बंगाल का सघन दौरा किया है।

बंगाल चुनाव

ईसीआई ने पुलिस को 10 दिन में सभी वारंट लागू करने का दिया निर्देश

चुनाव आयोग ने बंगाल और कोलकाता पुलिस को निर्देश दिया है कि वे राज्य में सभी लंबित गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंटों को 10 दिन के भीतर लागू करें। इस अवधि के अंदर जिन व्यक्तियों के खिलाफ ऐसे वारंट जारी किए गए हैं।

स्टालिन का ऐलान

234 में 164 सीटों पर लड़ेगी पार्टी

मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने गठबंधन सहयोगियों के बीच सीटों के बंटवारे का एलान कर दिया है।234 विधानसभा सीटों में से डीएमके खुद 164 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस को 28 , डीएमडीके को 10, अन्य सहयोगियों में वीसीके को 8, सीपीआई और सीपीआई-एम को 5-5 सीटें हैं।

सीटों के चयन में पारदर्शिता नहीं: ज्योतिमणि

कांग्रेस सांसद एस. ज्योतिमणि (करूर) ने तमिलनाडु में अप्रैल 23 को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए डीएमके गठबंधन में सीट चयन प्रक्रिया पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इस प्रक्रिया में

असम में भाजपा का रोड शो

90 सीटें जीतकर बनाएंगे सरकार

शाह ने शनिवार को असम चुनाव के मद्देनजर गुवाहाटी में रोड शो किया। असम में भाजपा ने कई बड़े चेहरों के साथ पूरी ताकत झोंक दी है। अमित शाह के साथ भाजपा के प्रचार वाहन पर पार्टी के नेता प्रद्युत बोरदोलोई भी साथ दिखे। उन्होंने कहा कि हम तीसरी बार भारी बहुमत से असम में सरकार बनाने जा रहे हैं। असम की जनता भाजपा और एनडीए की सरकार बनाने के लिए उत्सुक है। हम 90 से अधिक सीटों के साथ सरकार बनाएंगे।

केरल कांग्रेस का दावा

विजयन का आत्मविश्वास फर्जी राज्य में एंटी-इंकंबेंसी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला ने केरल की लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सीएम पिनाराई विजय के सत्ता में वापसी के दावे को फर्जी आत्मविश्वास करार देते हुए कहा कि राज्य में मजबूत एंटी-इंकंबेंसी है।

आचार संहिता के उल्लंघन में कन्नूर के सूचना अधिकारी निलंबित

केरल के कन्नूर जिले में शनिवार को एक सूचना अधिकारी को निलंबित कर दिया गया। यह कार्रवाई आचार संहिता लागू होने के दौरान लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट की एक शिकायत से जुड़ी विवादास्पद प्रेस विज्ञप्ति जारी करने के मामले में हुई है। जिला सूचना कार्यालय के एक अधिकारी ने इसे जारी किया था। इस मामले ने केरल में सियासी सरगर्मी को और बढ़ा दिया है।

कांग्रेस नेता सतीशन पर आरएसएस से मदद लेने का आरोप

केरल की राजनीति में विवाद खड़ा हो गया है। संघ परिवार से जुड़े नेता आरवी बाबू ने यूडीएफ चेयरमैन वीडी सतीशन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सतीशन ने 2001 और 2006 के विधानसभा चुनाव जीतने के लिए आरएसएस से समर्थन मांगा था।

बीरभूम के लावपुर में अभिषेक की सभा के बाद पंडाल में लगी आग

टीएमसी महासचिव अभिषेक बेनर्जी ने शनिवार को बीरभूम के लवपुर में पार्टी उम्मीदवार अभिजीत सिन्हा के समर्थन में एक जनसभा आयोजित की। सभा समाप्त होने के कुछ ही समय बाद मंच पर आग लग गई।

चार्जशीट पर टीएमसी का आरोप-पत्र से पलटवार

'आरोप-पत्र' पर टीएमसी ने पलटवार करते हुए भाजपा के खिलाफ 'चार्जशीट' जारी की है। टीएणसी ने न केवल भाजपा-शासित राज्यों में महिला सुरक्षा पर सवाल उठाए, बल्कि मणिपुर में जातीय हिंसा, बंगाल में डिटेंशन कैंप मॉडल लागू करने की बात कही है।

खबर संक्षेप

तत्कालीन डीआईजी पर हमला, 16 को उम्रकैद

मुरादाबाद। यहां के बहुचर्चित 15 साल पुराने मैनाठेर कांड में

अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए तत्कालीन डीआईजी पर जानलेवा हमले में दोषी करार दिए गए 16 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। शनिवार को एडीजे-दो कृष्ण कुमार की अदालत ने यह आदेश दिया। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

आरजीआईटी यूनिवर्सिटी फर्जी, डिग्री अमान्य

नई दिल्ली। यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन ने शनिवार को देशभर में

चल रही फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची में एक यूनिवर्सिटी का नाम और जोड़ दिया। यूजीसी ने राजस्थान के राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट संस्थान को नकली यूनिवर्सिटी की लिस्ट में डाल दिया है। यह अलवर में है। यूजीसी ने नोटिफिकेशन दिया है।

राम मंदिर में 2 अप्रैल को ध्वजारोहण करेंगे 'बजरंगी'

अयोध्या। यूपी के अयोध्या में राम मंदिर के परकोटा स्थित हनुमान

मंदिर में 2 अप्रैल को हनुमान जयंती के अवसर पर विशेष धार्मिक आयोजन होने जा रहा है। मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया जाएगा। इसकी अगुवाई 'बजरंगी' के नाम से विख्यात विनय कटियार करेंगे। सभी पूर्व संयोजक, 50 साधु-संत व 200 मेहमान होंगे।

नबीन व नीतीश 10 को लेंगे राज्यसभा की शपथ

नई दिल्ली। बिहार के सीएम नीतीश कुमार और भाजपा अध्यक्ष

नितिन नबीन 10 अप्रैल को राज्यसभा सांसद की शपथ लेंगे। शिवेश राम, रामनाथ ठाकुर और उपेंद्र कुशवाहा भी शपथ लेंगे। चर्चा है कि मुख्यमंत्री नीतीश और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को 30 मार्च तक बिहार विधानमंडल की सदस्यता छोड़नी होगी।

पीएम मोदी ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का लोकार्पण किया

यूपी अब सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट वाला राज्य बना, हर 2 मिनट में उड़ेंगे विमान

दिल्ली-एनसीआर वालों के लिए शनिवार बेहद खास रहा, क्योंकि उन्हें जेवर में बने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सौगात मिल गई है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस एयरपोर्ट के पहले चरण का उद्घाटन कर दिया है। ये हवाई अड्डा चार चरणों में पूरा होगा और इसे पूरा होने में लगभग 2050 तक का समय लग सकता है।

एजेंसी ▶▶ नोएडा

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का लोकार्पण किया। इस एयरपोर्ट की नींव 25 नवंबर 2021 को प्रधानमंत्री ने ही रखी थी। लोकार्पण के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि युवाओं को पता है कि यह जो काम हो रहा है, यह नौजवानों के भविष्य को नई उड़ान देने वाला काम है। आज हम विकसित यूपी, विकसित भारत अभियान का एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि देश का सबसे बड़ा प्रदेश आज सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट(5) वाले राज्यों में से एक है। आज मेरे लिए गर्व और प्रसन्नता के दो कारण हैं। जिसमें पहला, इस एयरपोर्ट का शिलान्यास करने का सौभाग्य भी मुझे मिला था और इसका उद्घाटन करने का सौभाग्य भी मुझे मिला है। दूसरा, जिस उत्तर प्रदेश ने मुझे प्रतिनिधि बनाया, सांसद बनाया, उस उत्तर प्रदेश की पहचान के साथ इस भव्य एयरपोर्ट का नाम भी जुड़ गया है।

देशवासियों के सहयोग की सराहना की

यह एशिया का सबसे बड़ा, दुनिया का चौथा बड़ा एयरपोर्ट

मैंने ही किया था शिलान्यास और अब यह सौभाग्य भी मुझे मिला

रिमोट से एयरपोर्ट का उद्घाटन करते प्रधानमंत्री मोदी

संकट के समय में भी भारत ने तेज विकास निरंतर जारी रखा

पीएम मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया में एक महीने से युद्ध चल रहा है। युद्ध की वजह से कई देशों में खाने-पीने का सामान, पेट्रोल, डीजल, गैस, खाद जैसी कई जरूरी चीजों का चारों तरफ संकट पैदा हो गया है। हर देश इस संकट का सामना करने की कोशिश कर रहा है, और हमारा भारत भी पूरी शक्ति से इसका मुकाबला कर रहा है। देशवासियों की ताकत के भरोसे कर रहा है।

सपा और कांग्रेस पर बोला हमला

10 वर्ष फाइलों में दबा रहा अड्डा

पीएम मोदी ने कांग्रेस और सपा पर हमला बोलते हुए कहा, 2004 से 2014 तक, यह हवाई अड्डा फाइलों में दबा रहा। फिर सपा सरकार ने काम को आगे नहीं बढ़ने दिया। आज यह आपके सामने हैं।

पहले सत्ताधारी यहां आने से डरते थे

पीएम ने कह कि नोएडा को पहले अंधविश्वास के कारण छोड़ दिया गया था, कुर्सी जाने के डर से पहले के सत्ताधारी यहां आने से डरते थे। जब यहां सपा सरकार थी, मैंने नोएडा आने का कार्यक्रम बनाया, तो मुख्यमंत्री इतने डरे हुए थे कि वे उस कार्यक्रम में नहीं आए। मुझे भी डराने की कोशिश की गई।

पश्चिम एशिया संकट के बीच लोगों से की अपील

पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया संकट को लेकर कहा, 140 करोड़ देशवासी कड़े से कड़ा परिश्रम करें और वैश्विक संकट का एकजुट होकर सामना करें। हमें शांत मन से, धैर्य और एकजुटता के साथ मिल-जुलकर इस संकट का सामना करना है। यह पूरे विश्व में परेशानी पैदा करने वाला संकट है, हमें अपने देश की सबसे ज्यादा चिंता करनी है, और यही हम भारतीयों की सबसे बड़ी ताकत है।

सेमीकंडक्टर फैक्टरी भारत को तकनीकी में आगे बढ़ा रही

पीएम मोदी ने कहा कि सेमीकंडक्टर फैक्टरी भारत को तकनीकी में आगे बढ़ा रही है। मेरठ मेट्रो और नमो भारत रेल तेज और स्मार्ट कनेक्टिविटी दे रही है और यह हमारा जेवर एयरपोर्ट, पूरे उत्तर भारत को दुनिया से जोड़ रहा है।

अयोध्या के राजघाट में महायज्ञ

अज्ञात कारणों से लगी भीषण आग से मची अफरा-तफरी

आग ने सब कुछ खाक कर दिया

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

यहां के राजघाट में हो रहे श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ, स्वामी जी महाराज के द्वारा कराया जा रहा है। महायज्ञ परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह की अध्यक्षता में कराया जा रहा है। फायर ब्रिगेड की रेस्क्यू टीम मौके पर मौजूद हैं और रेस्क्यू में जुटी हैं। मौके पर दमकल की 4 गाड़ियों ने आग पर काबू पाने की मशक्कत की। लक्ष्मी नारायण महायज्ञ राजघाट बाटी वाले बाबा घाट के निकट चल रहा था तभी आग लग गई। प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के साथ गोसाईगंज के विधायक अभय सिंह भी मौजूद थे।

अंतिम आहुति से पहले ही लग गई आग

उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह द्वारा आयोजित इस महायज्ञ का आज सातवां और आखिरी दिन था। शाम 6:00 बजे पूर्णाहुति और अंतिम आहुति का कार्यक्रम निर्धारित था, लेकिन दोपहर में अचानक उठी चिंगारी ने देखते ही देखते पूरी यज्ञशाला को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे और एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

मंत्री बोले- किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई

मंत्री दयाशंकर ने कहा कि सबसे बड़ी संतोष की बात यह है कि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। आग लगने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। प्रशासन की ओर से टेक्निकल टीम को जांच के लिए लगाया जाएगा ताकि वास्तविक कारणों का खुलासा हो सके।

अखिलेश ने कहा- यह प्रशासन की कमी

सपा सुप्रीमो अकिलेश यादव ने कहा कि आग सही प्रबंधन-प्रशासन की कमी को दर्शाती है। आशा है सब सुरक्षित होंगे। इस बात की जांच हो कि इस यज्ञ की व्यवस्था के पीछे जो आर्थिक और मानवीय स्त्रोत लगे थे, उनके पीछे कौन था। यज्ञ के नाम पर मंत्री जी से संबंधित विभाग से विभागीय स्तर पर बड़ी वसूली हुई और विशेषज्ञों की देखरेख के बिना ही ये आयोजन हुआ।

ओडिशा में दर्दनाक हादसा

नयागढ़ में टूरिस्ट बस पलटी 5 यात्रियों की मौत, 10 जख्मी

एजेंसी ▶▶ नयागढ़

ओडिशा में शनिवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे और तेज तूफान ने मिलकर तबाही मचा दी। नयागढ़ जिले में एक टूरिस्ट बस के पलटने से 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से अधिक यात्री घायल हो गए। मयूरभंज और पुरी जिलों में आए तेज आंधी-तूफान के कारण तीन लोगों की जान चली गई।

तेज रफ्तार बनी वजह

यह हादसा रात करीब 2 बजे हनुमान घाटी रोड पर दासपल्ला इलाके में हुआ, जब 55 यात्रियों से भरी बस मोड़ लेते समय पलट गई। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है। मृतकों की पहचान हरी पात्रा, लक्ष्मी पात्रा, सुप्रभा साहू, सुमति और चालक प्रवीण कुमार साहू के रूप में हुई है, जो सभी बरहामपुर के निवासी थे। घायलों को तुरंत बचाव दल ने बाहर निकालकर दासपल्ला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

दुष्कर्म में मदद के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने दिया अहम फैसला

मददगार महिला को 10 साल का सश्रम कारावास

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दुष्कर्म में सहायता करने के आरोप में एक महिला को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने सजा में नरमी न बरतने का मुख्य कारण आपराधिक गतिविधियों में उसकी निरंतर संलिप्तता को बताया है। महिला के बरी के ट्रायल कोर्ट के निर्णय के खिलाफ पुलिस की अपील याचिका पर कोर्ट ने माना कि दोषी ने अपराध में सक्रिय भूमिका निभाई थी। अदालत ने पाया कि उसने पीड़िता को बहला-फुसलाकर बुलाया और दुष्कर्म के दौरान वहां मौजूद रही।

पीड़िता को बहला-फुसलाकर बुलाया और मौजूद रही

70,000 का जुर्माना भी लगाया

अदालत ने महिला को 10 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई और 70,000 का जुर्माना भी लगाया। निर्देश दिया कि पीड़िता को जुर्माना राशि में से 50,000 हजार मुआवजा के रूप में दिया जाए।

कोर्ट ने यह भी कहा

दोषी ने इस आधार पर नरमी बरतने की अपील की कि उसे लंबे समय तक चले मुकदमे का सामना करना पड़ा और वह लगभग नौ महीने तक हिरासत में रही। उसका एक 5वर्षीय बच्चा है जिसकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है। अदालत ने कहा कि अपराध के बाद भी दोषी का रवैये में सुधरा हुआ नहीं दिखा है। महिला इसके बाद भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रही है। महिला के खिलाफ हत्या के मामले में भी प्राथमिकी हुई थी और वह न्यायिक हिरासत में है।इससे पता चलता है कि एक घटना के बाद भी महिला आपराधिक वारदातों में शामिल रही।

सुप्रीम कोर्ट का सभी हाईकोर्ट को कड़े निर्देश जारी

दुष्कर्म मामलों में पीड़िता की पहचान उजागर न हो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दुष्कर्म मामलों में पीड़िता की पहचान उजागर किए जाने पर कड़ा रुख अपनाते हुए इसे सबसे कड़े शब्दों में निंदनीय बताया है। शीर्ष अदालत ने सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि कोर्ट के आदेशों में पीड़िता या उसके परिवार की पहचान किसी भी रूप में सामने न आए।

ईरानी राष्ट्रपति ने पहले दी खाड़ी देशों को चेतावनी

कहा, अमेरिका को अपनी जमीन का इस्तेमाल करने से रोकें, फिर दनादन बरसा दी मिसाइलें

ईरान के राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान अपने पड़ोसी देशों पर पूर्वनियोजित हमले नहीं करता है, लेकिन अगर हमारे बुनियादी ढांचे या आर्थिक केंद्रों को निशाना बनाया जाता है तो हम कड़ा जवाब देंगे। ईरान का आग्रह है कि यदि वे विकास और सुरक्षा चाहते हैं, तो हमारे शत्रुओं को अपनी भूमि से युद्ध चलाने की अनुमति न दें

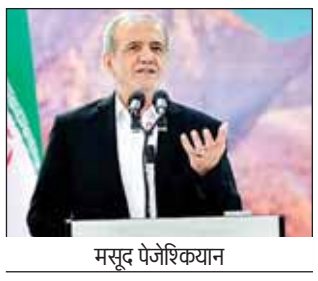

मसूद पेजेश्कियान

ईरान की धमकी- हम पर हुए हर हमले का कड़ा जवाब देंगे, पड़ोसी देश तैयार रहें

ट्रंप का दावा, ईरान इस समय भारी दबाव में और समझौता करने के लिए तैयार है

ईरान की जवाबी कार्रवाई से खाड़ी देशों के लोगों में दहशत का माहौल

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

ईरान-इजराइल युद्ध के शनिवार को 29 दिन पूरे हो गए। ईरान जवाबी कार्रवाई में अमेरिका और इजराइल के मित्र खाड़ी देशों को भी निशाना बना रहा है। इसको लेकर ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने अपने पड़ोसी देशों को संदेश देते हुए कहा कि यदि वे विकास और शांति चाहते हैं तो अमेरिका को अपनी जमीन इस्तेमाल करने से रोकना चाहिए।

बुनियादी ढांचे या आर्थिक केंद्रों को निशाना न बनाएं

ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा कि मैंने कई बार कहा है कि ईरान अपने पड़ोसी देशों पर पूर्वनियोजित हमले नहीं करता है, लेकिन अगर हमारे बुनियादी ढांचे या आर्थिक केंद्रों को निशाना बनाया जाता है तो हम कड़ा जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के देशों से ईरान का आग्रह है कि यदि वे विकास और सुरक्षा चाहते हैं, तो हमारे शत्रुओं को अपनी भूमि से युद्ध चलाने की अनुमति न दें। बता दें कि संयुक्त राज्य अमेरिका खाड़ी देशों सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान, कुवैत, कतर व अन्य देशों में स्थित अपने सैन्य ठिकानों का उपयोग ईरान पर हमले करने के लिए कर रहा है, इसलिए तेहरान भी जवाबी कार्रवाई में इन देशों पर हमले कर रहा है, जिससे उन देशों में भी लोगों में दहशत का माहौल है।

ईरान का अबू धाबी में मिसाइल से हमला

अबू धाबी के खलीफ़ा इकोनॉमिक ज़ोन पर ईरान का मिसाइल हमला

अबू धाबी में इंटरसेप्ट होने के बावजूद 5 भारतीय घायल

शनिवार को अबू धाबी के खलीफ़ा इकोनॉमिक ज़ोन (केईजेडएडी) के पास ईरान की ओर से एक बैलिस्टिक मिसाइल हमला हुआ। अबू धाबी ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि एक बैलिस्टिक मिसाइल हमारी तरफ दागी हुई थी, जिसे हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने सफलतापूर्वक रोक लिया। इसके कारण मिसाइल में आग लग गई, मिसाइल के गिरे मलबे की चपेट में आने से पांच भारतीय मामूली रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि जनता को सलाह दी जाती है कि वे केवल आधिकारिक स्रोतों से ही जानकारी प्राप्त करें और अफवाहें या बिना पुष्टि वाली जानकारी फैलाने से बचें।

अबू धाबी में मिसाइल का मलबा

अगला नंबर क्यूबा का: ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि सैन्य अभियान शानदार ढंग से चल रहे हैं और ईरान को होर्मुज खोलना ही होगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगला नंबर क्यूबा का होगा। वहीं, फ्लोरिडा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि 'उन्हें स्ट्रेट ऑफ ट्रंप खोलना होगा', मेरा मतलब होर्मुज है। उनका यह बयान तुरंत सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में वायरल हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संबोधन में ईरान को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि ईरान इस समय भारी दबाव में है और समझौता करने के लिए तैयार है। ट्रंप के अनुसार, ईरान ने तेल के कई शिपमेंट भेजे हैं और दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है। उन्होंने कहा कि 'वे समझौते के लिए बेताब हैं', जिससे यह संकेत मिलता है कि कूटनीतिक स्तर पर हल निकालने की कोशिशें तेज हो गई हैं।

पाक पीएम ने की ईरानी राष्ट्रपति से बात

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से फोन पर चर्चा की। शहबाज शरीफ ने ईरान के नागरिक ठिकानों पर हो रहे इजराइली हमलों की कड़ी निंदा करते हुए ईरानी जनता के साथ एकजुटता जताई। उन्होंने हमलों में हुई जनहानि पर दुख व्यक्त किया और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। शरीफ ने बताया कि पाकिस्तान तनाव कम करने के लिए अमेरिका और खाड़ी देशों के साथ लगातार राजनयिक प्रयास कर रहा है।

थाईलैंड ने ईरान से किया समझौता

दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश थाईलैंड के पीएम ने कहा कि थाईलैंड ने ईरान के साथ एक समझौता किया है जिसके तहत थाई तेल जहाजों को होर्मुज से सुरक्षित रूप से गुजरने की अनुमति दी जाएगी।

बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र को हमले से नहीं हुआ नुकसान

ईरान पर इजराइल के हमलों के बाद अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने कहा कि शुक्रवार देर रात बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास हुए हमले से कोई विकिरण रिसाव या रिएक्टर को नुकसान नहीं हुआ। संयंत्र सामान्य रूप से काम कर रहा था और उसे कोई तकनीकी या संरचनात्मक क्षति नहीं हुई थी।

विदेश मंत्रालय बोला- ट्रंप-मोदी की बातचीत में तीसरा नहीं

विदेश मंत्रालय ने एलन मस्क से जुड़ी खबरों को खारिज करते हुए कहा कि 24 मार्च को हुई टेलीफोन बातचीत केवल पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच ही हुई थी। कॉल में कोई तीसरा शामिल नहीं था। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि इस बातचीत के दौरान पश्चिम एशिया की स्थिति पर दोनों नेताओं के बीच विचारों का आदान-प्रदान हुआ। दरअसल यह खबरें चल रही थी कि इस बातचीत में दिग्गज उद्यमी एलन मस्क भी जुड़े थे।

ईरान ने जारी रखे हमले

कुवैत एयरपोर्ट पर ड्रोन से हमला

कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कई ड्रोन हमले किए गए हैं। कुवैत की सरकारी समाचार एजेंसी ने सिविल एविएशन के हवाले से यह जानकारी दी है। हमलों में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन एयरपोर्ट के रडार सिस्टम को भारी नुकसान पहुंचा है। ओमान की खाड़ी के पास ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने एक अमेरिकी जहाज पर हमला किया है।

ओमान के सलालाह बंदरगाह पर ड्रोन हमला

ओमान के दक्षिणी प्रांत की राजधानी सलालाह के बंदरगाह पर ड्रोन हमला हुआ है, जिसमें एक विदेशी कर्मचारी घायल हो गया। दो ड्रोन ने पोर्ट को निशाना बनाया। इस हमले में एक व्यक्ति को मध्यम चोटें आईं, जबकि बंदरगाह पर मौजूद एक क्रेन को भी मामूली नुकसान पहुंचा है। सुरक्षा एजेंसियों ने घटना के बाद इलाके को घेर लिया और जांच शुरू कर दी है।

सऊदी में 10 अमेरिकी सैनिक घायल

सऊदी अरब में स्थित प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमले में कम से कम 10 अमेरिकी सैनिक घायल हो गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, इनमें से दो सैनिक गंभीर रूप से घायल हैं। हमले में कई अमेरिकी ईंधन भरने वाले विमान भी क्षतिग्रस्त हुए। सैटेलाइट तस्वीरों में विमान को हुए नुकसान के निशान दिखाई दिए हैं। ईरान के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से घायल अमेरिकी सैनिकों की कुल संख्या 300 से अधिक हो गई है। शुक्रवार को अमेरिकी सेना ने कहा था कि लगभग 300 घायल कर्मियों में से 273 पहले ही ड्यूटी पर लौट चुके हैं। इस संघर्ष में अब तक 13 अमेरिकी सैनिक मारे जा चुके हैं।

दुबई पर हमला

ईरान ने शनिवार को दावा किया कि उसने दुबई में अमेरिकी सेना के दो छुपने के ठिकानों पर हमला किया है। हजरत खातम अल-अनबिया के केंद्रीय मुख्यालय के एक प्रवक्ता ने दावा किया कि इन छुपने के ठिकानों में 500 से अधिक अमेरिकी सेना के जवान थे, जिनमें से लगभग 400 पहले ठिकाने में और 100 दूसरे ठिकाने में थे। आईआरजीसी ने इन स्थानों की पहचान की और सटीक मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिससे भारी नुकसान हुआ।

इजराइल पर दागी मिसाइल, एक की मौत

इजराइल के मध्य हिस्से पर शुक्रवार देर रात ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। यह दिनभर में ईरान का छठा हमला था। मिसाइल में क्लस्टर बम वारहेड था। इससे कई छोटे बम बड़े इलाके में फैल गए। पुलिस के अनुसार, 60 वर्षीय व्यक्ति की मौत तब हुई जब वह बम शेल्टर में नहीं था। वहीं, एक रिहायशी इमारत पर गिरे सबम्यूनिशन से दो लोग घायल हुए। फायर सर्विस ने छह जगहों पर असर की पुष्टि की। दक्षिणी इजराइल के कुसैफा इलाके में भी मिसाइल के टुकड़ों से दो लोग घायल हुए।

इजराइल दे रहा जवाब

तेहरान की यूनिवर्सिटी पर हमला

ईरान की राजधानी तेहरान में स्थित ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर अमेरिका और इजराइल की संयुक्त कार्रवाई में शनिवार तड़के हमला किया। हालांकि अब तक नुकसान या हताहतों को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

लेबनान में इजराइली हमले में 2 की मौत, 21 घायल

दक्षिणी लेबनान के कफर तबनित इलाके में इजराइल के हमले में एक नर्स की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। यह हमला सिविल डिफेंस की एंबुलेंस को निशाना बनाकर किया गया। इस घटना को युद्ध के नियमों के उल्लंघन के तौर पर देखा जा रहा है। एक अन्य घटना में इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के सराफंद शहर पर हमला किया जो सिडोन जिले में स्थित है। हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है और 17 लोग घायल हो गए हैं।

3 फिलिस्तीनी की मौत

पश्चिमी तट में इजराइली सेना के हमले में 3 फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई है। इनमें 15 साल के अदहम दहमान की मौत हो गई। वह हमले में घायल हो गया था।

खबर संक्षेप

रूस का यूक्रेन पर ड्रोन हमला, 5 की मौत

कीव। रूस ने बीती रात यूक्रेन के रिहायशी इलाकों को निशाना बनाते हुए एक साथ 273 ड्रोन दागे। इस हमले में 5 लोगों की मौत हुई है। यह रूस की ओर से किया गया इस साल का सबसे बड़ा हमला था। हमले का सबसे ज्यादा असर ओडेसा में देखने को मिला। रूसी ड्रोन ने एक मैटरनिटी हॉस्पिटल और निजी घरों को निशाना बनाया। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दुख जताते हुए कहा कि इन हमलों का कोई सैन्य उद्देश्य नहीं था।

शोपियां में सीआरपीएफ जवान की मृत्यु

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में शनिवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान की संदिग्ध रूप से दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। अधिकारियों ने बताया कि सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन के हेड कांस्टेबल ज्ञान चंद शनिवार सुबह शोपियां स्थित जिला पुलिस लाइन्स (डीपीएल) शिविर में बेहोश पाए गए। उन्होंने बताया कि जवान को तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

मिसिसिपी में ट्रेन और वैन की टक्कर, 5 की मौत

मिसिसिपी। अमेरिका के मिसिसिपी राज्य के एक ग्रामीण इलाके में रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन और वैन की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। स्टोन काउंटी के कोरोनर वेन फ्लरी के अनुसार, हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग वैन में सवार थे। वैन में मौजूद एकमात्र जीवित बची महिला को एयरलिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया गया।

जी7 समिट में वैश्विक नेताओं से विदेश मंत्री जयशंकर की मुलाकात

फ्रांस के साथ हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा और भविष्य के रोडमैप पर किया मंथन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विश्व की सबसे ताकतवर अर्थव्यवस्थाओं वाले देश के समूह 'जी7' की विदेश मंत्रियों की बैठक इन दिनों चर्चा का केंद्र बनी हुई है। फ्रांस में हुई इस बैठक के बीच विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात हुई है। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच कई अहम मुद्दों पर बातचीत हुई है। भारतीय विदेश मंत्री की विशेष मुलाकात ने दोनों देशों के बीच भविष्य के सामरिक रोडमैप की झलक भी पेश की है। बैठक की शुरुआत में जयशंकर ने राष्ट्रपति मैक्रों को पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं और मित्रता का संदेश दिया।

राष्ट्रपति मैक्रों को पीएम मोदी का शुभकामना संदेश दिया

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के संग बैठक करते जयशंकर

जी7 में भारत विशेष भागीदार के रूप में आमंत्रित

हालांकि, भारत जी7 का पूर्ण सदस्य नहीं है, लेकिन फ्रांस की ओर से विशेष भागीदार के रूप में भारत को आमंत्रित किया जाना यह बताता है कि आज के दौर में भारत के बिना वैश्विक समाधान संभव नहीं हैं। इस सम्मेलन के दौरान लाल सागर और 'होर्मुज जलडमरूमध्य' में समुद्री सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं जताई गईं। रक्षा क्षेत्र से लेकर अंतरिक्ष और संस्कृति तक, भारत और फ्रांस एक-दूसरे के पूरक बन रहे हैं। जयशंकर ने फ्रांस में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र का दौरा किया। जयशंकर ने अपनी इस यात्रा को भारत के 'विश्व बंधु' वाले दृष्टिकोण को मजबूती देने वाला बताया है।

वैश्विक मुद्दों पर चर्चा

एस. जयशंकर ने मुलाकात के बाद कहा कि मैक्रों के साथ विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर हुई चर्चा से जो 'इनसाइट्स' यानी अंतर्दृष्टि मिली है, वह काफी मूल्यवान है। जानकारों का मानना है कि इस बातचीत में न केवल हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा, बल्कि पश्चिम एशिया और यूरोप के बदलते समीकरणों पर भी विस्तार से मंथन हुआ है।

कनाडा की विदेश मंत्री से मिले

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के साथ अहम बैठक की। दोनों नेताओं की यह बैठक जी7 की बैठक से अलग हुई। कनाडा की विदेश मंत्री ने 'एक्स' पर साझा एक पोस्ट में बताया कि दोनों नेताओं ने इस वर्ष की शुरुआत में पीएम कार्नी के भारत दौरे पर आगे बढ़ाई गई साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की।

खनिज, कृषि और शिक्षा पर चर्चा

आनंद ने कहा कि बैठक में व्यापार, पश्चिम एशिया की स्थिति और दोनों देशों के सहयोग को और मजबूत करने पर बात हुई। साथ ही प्रमुख क्षेत्रों जैसे महत्वपूर्ण खनिज, कृषि और शिक्षा पर भी चर्चा हुई। दो दिवसीय जी-7 बैठक में जयशंकर पश्चिम एशिया संकट पर विशेष ध्यान देते हुए इस बात पर विचार-विमर्श कर रहे हैं कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार के लिए हॉर्मुज जलडमरूमध्य खुला रहे।

अमेरिकी-यूक्रेनी नागरिकों पर कसा शिकंजा

एनआईए हेडक्वार्टर में होगी सुनवाई पटियाला हाउस कोर्ट ने दी 'इजाजत'

मामला संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गहरे प्रभाव हो सकता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पूर्वोत्तर के राज्यों में अमेरिकी-यूक्रेनी नागरिकों के खिलाफ चल रही जांच में बड़ा मोड़ आया है। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की याचिका को मंजूरी दे दी। दरअसल, एनआईए ने इस मामले को एनआईए मुख्यालय में स्थानांतरित करने की मांग की थी। एनआईए ने इसके पीछे सुरक्षा कारणों का हवाला दिया। एनआईए ने कोर्ट में दलील दी थी कि यह मामला संवेदनशील है। इसके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गहरे प्रभाव हो सकते हैं। एजेंसी ने सुरक्षा का हवाला देते हुए अनुरोध किया था कि आरोपियों को सार्वजनिक अदालत में पेश करने के बजाए, जज खुद एनआईए मुख्यालय में सुनवाई करें। कोर्ट ने परिस्थितियों को समझते हुए आदेश दिया कि भविष्य की सभी सुनवाई अब वहीं होंगी।

पटियाला हाउस कोर्ट

7 विदेशी नागरिक गिरफ्तार

इस मामले में कुल 7 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैनडाइक और पेट्रो हुबरा, तारास स्लीव्याक, इवान सुकमानोव्स्की, मारियन स्टेफनकिव, मक्सिम होंचारुक और विक्टर कामिंस्की सहित छह यूक्रेनी नागरिक शामिल हैं। वैनडाइक को कोलकाता से पकड़ा गया था, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी दिल्ली और लखनऊ से हुई थी। ये सभी आरोपी टूरिस्ट वीजा पर भारत आए थे। ये लोग अवैध रूप से मिजोरम के रास्ते म्यांमार की सीमा में घुसे और वहां के उग्रवादियों के संपर्क में आए। इन्होंने वहां उग्रवादियों को अत्याधुनिक हथियार चलाने और घातक ड्रोन ऑपरेशन्स की ट्रेनिंग दी। इन पर यूरोप से ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग मशीन मंगाकर उग्रवादियों तक पहुंचाने का भी संगीन आरोप है।

डब्ल्यूटीओ में पीयूष गोयल की दो टूक

उत्पादक क्षमता और रोजगार बढ़ाने के समान रूप से सबको मिलें अवसर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जोर देकर कहा कि विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में चल रही चर्चाओं में उरुग्वे राउंड से उत्पन्न असंतुलन को दूर करना आवश्यक है। पीयूष गोयल कैमरून के याउंदे में 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी 14) में भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी सदस्यों को उत्पादक क्षमता बढ़ाने, रोजगार सृजित करने और वैश्विक व्यापार में सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करने का समान अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली सुनिश्चित करे कि नवाचार, विकास और अवसर सभी डब्ल्यूटीओ सदस्यों के बीच समान रूप से साझा हों। उन्होंने कहा कि भारत रचनात्मक ढंग से जुड़ने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि डब्ल्यूटीओ वैश्विक व्यापार में केंद्रीय भूमिका निभाता रहे। इस सम्मेलन के इतर उन्होंने यूएस ट्रेड के प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर, कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू और न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्कले से मुलाकात की।

सिंधु जल संधि के निलंबन बाद सरकार ने उठाए बड़े कदम

जम्मू-कश्मीर में 46% बढ़ेगी हाईड्रो पावर क्षमता, परियोजनाओं में आई तेजी

केंद्र शासित प्रदेश की कुल हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पावर क्षमता अभी 3540.15 मेगावाट

साल के अंत तक बढ़कर 5164.15 मेगावाट हो जाने की उम्मीद

एजेंसी ▶▶ जम्मू

सिंधु जल संधि के निलंबित होने से जम्मू-कश्मीर में हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट्स का निर्माण तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में, इस केंद्र शासित प्रदेश में मौजूदा साल के आखिर तक हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पावर की कुल क्षमता में कम से कम 46% की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा विधानसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में बताया गया कि इस साल के अंत तक दो हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट्स 1000 मेगावाट का पाकलदुल और 624 मेगावाट का किरू चालू हो जाएंगे। इन दोनों प्रोजेक्ट्स पर 78% काम पूरा हो चुका है। 12 मेगावाट के करनाह हाइड्रो-इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट पर भी जून के आखिर तक काम पूरा होने की उम्मीद है।

सिंधु नदी पर बना बांध

18000 मेगावाट तक पहुंच सकती है क्षमता

सरकार के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर में हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर की अनुमानित क्षमता लगभग 18000 मेगावाट है, जिसमें से लगभग 15000 मेगावाट की पहचान की जा चुकी है। इसमें से अब तक 3540.15 मेगावाट क्षमता का इस्तेमाल किया जा चुका है। क्षमता के इन अनुमानों में 13 प्रोजेक्ट्स शामिल हैं जिनकी कुल क्षमता 1197.4 मेगावाट है।

'श्री बाबा नीब करौरी ...' का पोस्टर जारी, रिलीज तारीख भी आई

मुंबई। भारतीय सिनेमा में पौराणिक कथाओं पर अब तक कई फिल्में बन चुकी हैं। आने वाले दिनों में रणबीर कपूर की 'रामायण' और ऋषभ शेट्टी की 'जय हनुमान' भी दर्शकों का मनोरंजन करेगी। इन्हीं परियोजनाओं के बीच फिल्म 'श्री बाबा नीब करौरी महाराज' को लेकर भी काफी चर्चा है जिसका पहला आधिकारिक पोस्टर अब जारी कर दिया गया है। फिल्म में मुख्य किरदार सुबोध भावे निभाएंगे जो मराठी सिनेमा के जाने-माने कलाकार हैं। इसका निर्देशन शरद सिंह ठाकुर ने किया है। अनीशा फिल्म्स इंटरनेशनल द्वारा निर्मित, यह नीम करोली बाबा की बायोपिक है, जिसमें उनके जन्म से लेकर 1973 में महासमाधि तक की यात्रा दिखाई जाएगी।

लाइफ Style

सारा

'धुरंधर 2' के बाद हाथ लगी नई फिल्म

एजेंसी ⏭ मुंबई

रणवीर सिंह की 'धुरंधर' फ्रैंचाइजी में नजर आईं अभिनेत्री सारा अर्जुन खूब चर्चा बटोर रही हैं। फिलहाल 19 मार्च को 'धुरंधर 2' सिनेमाघरों में रिलीज हुई है जिसे दर्शकों की शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है।

एक रिपोर्ट में पता चला है कि 'धुरंधर 2' के बाद, सारा के हाथ एक नई परियोजना लगी है। इस खबर ने फैंस के बीच उत्साह पैदा कर दिया है। बताया जाता है कि इसमें उन्हें ईशान खट्टर के अपोजिट देखा जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, टाइगर बेबी द्वारा समर्थित आगामी परियोजना में ईशान और सारा साथ काम कर रहे हैं।

हाल ही में, परियोजना की शूटिंग की कुछ झलकियां सोशल मीडिया पर लीक हो गईं जिसके बाद से परियोजना की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया। दिलचस्प बात यह है कि निर्माता जोया अख्तर ने इसी दौरान एक रहस्यमयी पोस्ट साझा किया। लोगों का मानना है कि यह पोस्ट इसी परियोजना से जुड़ा होगा। हालांकि अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, परियोजना का निर्देशन अर्जुन वरैन सिंह कर रहे हैं जो पहले फिल्म 'खो गए हम कहां' बना चुके हैं। फिलहाल, परियोजना से जुड़ी ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है। यह फिल्म होगी, सीरीज होगी या कुछ और, यह भी फिलहाल स्पष्ट नहीं हुआ है। दोनों कलाकारों के काम पर नजर डालें, तो ईशान को आखिरी बार फिल्म 'होमबाउंड' में देखा गया था।

हॉलीवुड मसाला

हैरी पॉटर सीरीज का ट्रेलर जारी

लॉस एंजिल्स। 'हैरी पॉटर' सिर्फ एक फिल्म नहीं थी, बल्कि लगभग हर बच्चे के बचपन की यादगार साथी थी। एचबीओ इसी जादुई दुनिया को वेब सीरीज के माध्यम से वापस ला रहा है, जिसका ट्रेलर अब जारी हो चुका है। सीरीज मूल रूप से जे.के. रोलिंग की 7 किताबों पर आधारित है, जिसमें पूरी तरह से नए किरदारों को पेश किया गया है। इसके निर्देशन की कमान मार्क मायलोड ने संभाली है। सीरीज के नए 'हैरी पॉटर' के रूप में, डोमिनिक मैकलॉघलिन नजर आए हैं।

'आईजॉम्बी' की अभिनेत्री कैरी ऐन फ्लेमिंग का निधन

लॉस एंजिल्स। अमेरिकन सीरीज 'आईजॉम्बी' और 'सुपरनैचुरल' जैसे शो से लोकप्रियता हासिल करने वालीं अभिनेत्री कैरी ऐन फ्लेमिंग का निधन हो गया है। उनके प्रतिनिधि के मुताबिक, 51 वर्षीय फ्लेमिंग ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित थीं। 26 फरवरी को कनाडा के एक अस्पताल में अभिनेत्री को इस बीमारी के बारे में पता चला था। उनके निधन की खबर आने से हॉलीवुड इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। फैंस सोशल मीडिया के जरिए अभिनेत्री के प्रति शोक संवेदना जाहिर कर रहे हैं। फ्लेमिंग के प्रतिनिधि ने उनके आखिरी पलों की जानकारी देते हुए कहा, अपने प्रियजनों की मौजूदगी में उन्होंने शांतिपूर्वक अपनी आखिरी सांस ली। कैरी को जानना हमारे लिए सौभाग्य की बात थी। वह एक खूबसूरत आत्मा, प्रेरणादायक और सबसे बढ़कर दयालु थीं। उनकी बहुत याद आएगी। अभिनेत्री ने निधन पर उनके सह-कलाकारों ने भी दुख व्यक्त किया है।

नागबंधम की रिलीज डेट का हुआ ऐलान

मुंबई। पैन-इंडिया पौराणिक ड्रामा फिल्म 'नागबंधम' लंबे समय से लोगों का ध्यान खींच रही है। अभिनेता महेश बाबू ने 'महाशिवरात्रि' के शुभ अवसर पर इसका टीजर जारी किया था, जिसे काफी पसंद किया गया। अब 'राम नवमी' 2026 के खास मौके पर फिल्म की रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया गया है। 'नागबंधम' का निर्माण अभिषेक पिक्चर्स और निक स्टूडियोज के बैनर तले किया गया है, जबकि लेखन और निर्देशन अभिषेक नामा द्वारा किया गया है। निर्माताओं ने 'नागबंधम' का नया पोस्टर जारी करते हुए इसकी रिलीज तारीख जारी की है। यह 3 जुलाई, 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दर्शकों का मनोरंजन करने को उतरेगी। मुख्य अभिनेता विराट कर्ण हैं, जिन्होंने 'महादेव' का किरदार निभाया है।

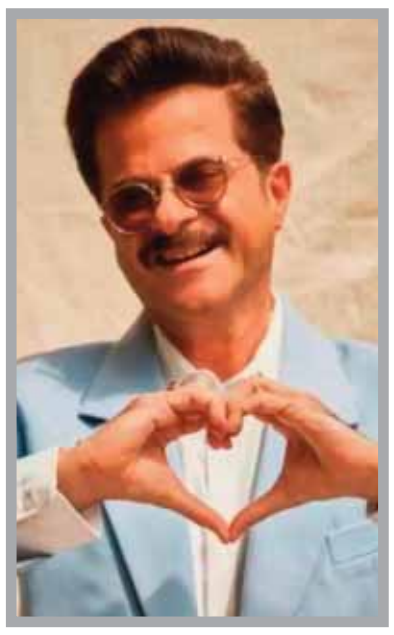

सल्लू की फिल्म में अनिल की एंट्री

मुंबई। सलमान खान निर्माता दिल राजू और निर्देशक वामशी पेडिपल्ली की फिल्म को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह उच्च स्तर की एक्शन-थ्रिलर फिल्म होगी जिसमें अभिनेता के साथ, नयनतारा की जोड़ी बनेगी। फिल्म का शीर्षक तया होना बाकी है। इन खबरों ने पहले से फैंस का उत्साह बढ़ाकर रखा है और अब एक नया अपडेट सामने आ गया है। बताया जाता है कि अभिनेता अनिल कपूर भी इस आगामी परियोजना का हिस्सा बन रहे हैं। खबर के मुताबिक, दिल राजू और पेडिपल्ली की आगामी फिल्म में पहले से 2 दमदार सितारे सलमान और नयनतारा मुख्य भूमिकाओं में हैं। अब इस परियोजना में अनिल की मौजूदगी भी शामिल हो गई है। वैसे तो निर्माताओं की ओर से अब तक किसी भी तरह की कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

टीवी मसाला

मल्लिका की धमाकेदार वापसी 'द ट्रेटर्स इंडिया सीजन 2' में एंट्री

मुंबई। 'द ट्रेटर्स इंडिया सीजन 2' अब और भी ग्लैमरस होने वाला है। खबर है कि इस बार शो में बॉलीवुड की बोल्ड अभिनेत्री मल्लिका शेरावत भी अपनी चालें चलती नजर आएंगी। जैसलमेर के रेतीले धोरों के बीच शुरू हुई इस शो की शूटिंग और मल्लिका की एंट्री ने दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। मल्लिका पहले भी रियलिटी शोज में धमाल मचा चुकी हैं और अब एक बार फिर वो दर्शकों का दिल जीतने आ रही हैं।

शो में मल्लिका की मौजूदगी पक्की

'द ट्रेटर्स इंडिया 2' की शूटिंग जैसलमेर में शुरू हो गई है। वेराइटी के मुताबिक, मल्लिका शो से जुड़ गई हैं और शूटिंग का हिस्सा बन चुकी हैं। पिछले महीने से मीडिया में मल्लिका के शो में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही थीं। अब साफ हो गया है कि वो इस 'धोखे और सस्पेंस' से भरे गेम का हिस्सा होंगी। पिछले दिनों खबर आई थी कि शो के होस्ट करण जौहर शूटिंग के लिए जैसलमेर पहुंच चुके हैं।

पिछली बार इस फिल्म में नजर आई थीं मल्लिका

लंबे समय से विदेश में रह रहीं मल्लिका एक बार फिर भारतीय स्क्रीन पर छाने के लिए तैयार हैं। पिछली बार उन्हें साल 2024 में आई फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' में देखा गया था। मल्लिका, जिन्होंने फिल्म 'मर्डर' में अपने बोल्ड अवतार से रातों-रात शोहरत हासिल की थी, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक बड़ा नाम हैं। वो मशहूर पॉप आइकन ब्रूनो मार्स के साथ म्यूजिक वीडियो 'वॉट अ मैन' में भी नजर आ चुकी हैं। मल्लिका साल 2013 में अपने रियलिटी शो 'द बैचलरेट इंडियाः मेरे खयालों की मल्लिका' में नजर आई थीं, जहां उन्होंने अपना जीवनसाथी तलाशने की कोशिश की थी। वो 'नच बलिये' और 'बिग बॉस' जैसे शोज में भी बतौर मेहमान अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुकी हैं।

'मटका किंग' रिलीज के बीच विजय वर्मा बड़ी तैयारी में, इस खान दिन करेंगे धमाका

मुंबई। विजय वर्मा ऐसे अभिनेता हैं जो लीक से हटकर हर बार कुछ नया करने में विश्वास रखते हैं। पिछली बार उन्हें मनीष मल्होत्रा की फिल्म 'गुस्ताख इश्क' में देखा गया, जिसमें उनके शायर वाले किरदार को खूब लोकप्रियता मिली थी। जल्द उन्हें फिल्म 'मटका किंग' में देखा जाएगा जो अप्रैल, 2026 में डिजिटल प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। हालिया अपडेट में पता चला है कि विजय एक और बड़ा धमाका करने वाले हैं जिसके लिए खास दिन चुना गया है।

जन्मदिन पर परियोजना का करेंगे ऐलान

बॉलीवुड सूत्र ने बताया, विजय की आगामी परियोजना के निर्माता उनके 40वें जन्मदिन आज 29 मार्च, 2026 पर सबसे बड़ी घोषणा करने के लिए तरह तैयार हैं। 'गुस्ताख इश्क' में प्रेमी के किरदार के बाद उनकी अगली भूमिका देखना रोमांचक होगा। इससे पहले, अभिनेता ने एक आगामी परियोजना को लेकर संकेत दिया था। उन्होंने फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी से मिले एक कार्ड की तस्वीर साझा करते हुए लिखा था इस प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित हूं।'

निर्माताओं ने गुप्त रखी है परियोजना

रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल इस परियोजना से जुड़ी हर चीज को अभी गुप्त रखा जा रहा है। इसके अलावा यह वही परियोजना है जिसकी घोषणा विजय के जन्मदिन पर होगी इसके बारे में भी स्पष्टता नहीं है। ऐसे में आने वाला वक्त ही बताएगा कि अभिनेता अपने जन्मदन पर फैंस को क्या तोहफा देते हैं। फिलहाल विजय आगामी फिल्म 'मटका किंग' में व्यस्त चल रहे हैं, जिसकी कहानी 1960 के दशक के मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

नेहा ने कहा नहीं शामिल हो रही 'द ट्रेटर्स इंडिया' में

मुंबई। करण जौहर के रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स इंडिया' का प्रीमियर 2025 में हुआ था जिसे खूब लोकप्रियता मिली। इस सफलता से खुश होकर निर्माताओं ने उसी वक्त दूसरे सीजन का ऐलान कर दिया था जो इस साल अमेजन प्राइम वीडियो पर लौटेगा। शूटिंग शुरू हो चुकी है और इसी के साथ आने वाले प्रतियोगियों के अनुमानित नाम भी लोगों का ध्यान खींचने लगे हैं। एक नाम नेहा धूपिया का चर्चा में है, जिसपर अब खुद अभिनेत्री ने प्रतिक्रिया दी है। नेहा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि वह 'द ट्रेटर्स इंडिया सीजन 2' का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 'न तो मैं गद्दार' हूं और न ही 'निर्दोष' मैं बस अपने काम पर व्यस्त हूं। इस पोस्ट से अभिनेत्री की किसी नई आगामी परियोजना को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। 'द ट्रेटर्स इंडिया सीजन 2' में नेहा के अलावा, बिपाशा बसु का

नाम भी चर्चा में था। टीओआई के मुताबिक, एक सूत्र ने बताया है कि अभिनेत्री किसी रियलिटी शो का हिस्सा नहीं बनना चाहतीं। उन्होंने साफ मना कर दिया है। हालांकि, प्रतियोगियों में शालिनी पासी, श्वेता तिवारी, मुनव्वर फारूकी, पारुल गुलाटी और अभिषेक मल्हान के नामों की पुष्टि हो चुकी है।

आवारापन 2' के बाद 10 अप्रैल को अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' होगी रिलीज़

अप्रैल में दर्शकों के लिए आ रहीं डकैत से लेकर भूतबंगला जैसी कई फिल्में

मार्च का महीना धुरंधर 2 और टॉक्सिक जैसी बड़ी फिल्मों की वजह से खास बन गया है। मगर अप्रैल भी सूना नहीं रहेगा। अप्रैल के महीने में अक्षय कुमार से लेकर सलमान खान और राम चरण तक पर्दे पर वापस आने वाले हैं। इन दिग्गज सितारों की मोस्ट अवेटेड फिल्म अप्रैल में रिलीज हो रही हैं। चलिए आपको अप्रैल के फिल्मी कैलेंडर से रू-ब-रू करवा देते हैं। इसमें उन तमाम फिल्मों की जानकारी हम दे रहे हैं, जिनकी रिलीज की तारीख को मेकर्स ने खुद कंफर्म किया है।

इमरान हाशमी की आवारापन 2

अप्रैल महीने की शुरुआत दर्शकों के लिए बेहद खास होने वाली है। पूरा नोस्टैल्जिया फील जो मिलने वाला है। इमरान हाशमी की सबसे ज्यादा पसंद की गई फिल्मों में से एक 'आवारापन' का सीक्वल आ रहा है। पिछले साल मार्च में ही इमरान हाशमी ने एक पोस्ट के जरिए ऐलान कर दिया था कि 'आवारापन' का सीक्वल 'आवारापन 2' 3 अप्रैल 2026 को बड़े पर्दे पर आएगी। विशेष भट्ट फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं और इसका निर्देशन नितिन ककड़ कर रहे हैं। 29 सितंबर 2025 को इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो गई थी।

अक्षय कुमार की भूत बंगला

'आवारापन 2' के बाद 10 अप्रैल को अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन कॉमेडी फिल्मों के बादशाह माने जाने वाले प्रियदर्शन कर रहे हैं। अक्षय के साथ साथ इस फिल्म में आपको वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू, मिथिला पालकर और राजपाल यादव जैसे कलाकार अहम रोल में देखने मिलेंगे। दिवंगत एक्टर असरानी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

सलमान खान की 'बैटल ऑफ गलवान'

अप्रैल में रिलीज होने वाली सबसे बड़ी फिल्म सलमान खान की 'बैटल ऑफ गलवान' है। इसका निर्देशन अपूर्वा लाखिया ने किया है और ये चीन और भारतीय सैनिकों की गलवान में हुई झड़प पर आधारित है। फिल्म का हिस्सा चित्रांगदा सिंह भी हैं। हालांकि पिछले कुछ दिनों से कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि इस फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ सकती है और इसे स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज करने पर सोचा जा रहा है। हालांकि फिलहाल कोई आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है।

डकैतः एक प्रेम कथा

अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की फिल्म 'डकैतः एक प्रेम कथा' भी 10 अप्रैल को ही रिलीज होगी। इस फिल्म की पहले दो बार रिलीज की तारीख बदली जा चुकी है। पहले ये 2025 में रिलीज होनी थी, पर अदिवि शेष को चोट लगने की वजह से इसे 19 मार्च 2026 के लिए खिसका दिया गया था। हालांकि बाद में 'धुरंधर 2' और 'टॉक्सिक' की टक्कर को देखते हुए मेकर्स ने रिलीज डेट आगे बढ़ाकर 10 अप्रैल कर दी है। फिल्म में प्रकाश राज और अनुराग कश्यप भी दिखाई देंगे। इस फिल्म का निर्देशन शेनिल डेओ ने किया है और ये हिंदी और तेलुगू में आएगी।

'गिन्नी वेड्स सनी 2'

अविनाश तिवारी और मेधा शंकर स्टारर फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' 24 अप्रैल को रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म का निर्देशन प्रशांत झा ने किया है और लेखन भी उनका ही है। फिल्म का अभी कोई टीजर या ट्रेलर नहीं आया है। 12 फरवरी को मेकर्स ने इसका फर्स्ट पोस्टर जारी किया था। हालांकि ये छोटे बजट की फिल्म है, ऐसे में ये कोई बड़ा कारनामा करेगी, ऐसी उम्मीद कम ही है।

राम चरण की 'पेद्दी'

अप्रैल महीने का अंत एक बड़ी फिल्म के साथ होगा। इसका नाम 'पेद्दी' है। ये 30 अप्रैल को रिलीज होगी। फिल्म में 'आरआरआर' फेम राम चरण मुख्य भूमिका में हैं। इसका हिस्सा बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर भी हैं। पेद्दी एक तेलुगू फिल्म है जो जो हिंदी समेत कई भाषाओं में देशभर में रिलीज होगी। बुची बाबू सना इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। साथ ही एआर रहमान जैसे दिग्गज ने फिल्म में संगीत दिया है।

दो दिवसीय संगीताचार्य पं. सदाशिव भगवंत देशपांडे स्मृति समारोह का हुआ शुभारंभ

गायन एवं वादन में घरानों की परम्पराओं का राग नृत्य में श्रीकृष्ण से अनंत प्रेम की सुंदर अनुभूतियां

हरिभूमि जबलपुर।

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग के अंतर्गत उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी द्वारा जिला प्रशासन जबलपुर के सहयोग से दो दिवसीय संगीताचार्य पंडित सदाशिव भगवंत देशपांडे स्मृति समारोह का मंगलारंभ शनिवार की शाम संस्कृति थियेटर, भंवरताल गार्डन, जबलपुर में हुआ। गायन, वादन एवं नृत्य के इस प्रतिष्ठापूर्ण आयोजन का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन कर किया गया। इस अवसर पर कलाकारों का स्वागत उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी के निदेशक प्रकाश सिंह ठाकुर एवं उप निदेशक शेखर करहाडकर ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया।

पंडित सदाशिव भगवंत देशपांडे ने संगीत के प्रचार-प्रसार एवं शिक्षा के लिए जीवन पर्यन्त कार्य किया। उनके प्रयासों से अनेक युवाओं को संगीत की शिक्षा प्राप्त हुई। ऐसे महान संगीताचार्य की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए संस्कृति विभाग द्वारा इस वर्ष से उनके नाम पर प्रतिवर्ष संगीत समारोह आयोजित किया जायेगा। यह कार्य संस्कृति मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी एवं अकादमी के निदेशक प्रकाश सिंह ठाकुर के अथक प्रयासों से संभव हो सका है।

समारोह के प्रथम दिवस तीन सभाएं सर्जी, जिसमें वादन, गायन एवं नृत्य की प्रस्तुतियां शामिल थीं। पहली सभा वादन की रही, जिसमें ताल तरंग समूह, भोपाल के द्वारा वाद्यवृंद की प्रस्तुति हुई। समूह में शअंशुल प्रताप सिंह- तबला, सत्येंद्र सिंह सोलंकी- संतूर, सौनक बेनर्जी- घटम, विमर्श मालवीय- पखावज, हनीफ हुसैन- सारंगी पर थे। प्रस्तुति का आरंभ शिव तांडव परन से हुआ। कलाकारों द्वारा अपने-अपने वाद्ययंत्रों के साथ परिचय वादन के द्वारा तबला, घटम, पखावज सवाल जबाव, तबला वादन, शिव परन, हिरनी परन बादल गर्जना, बारिश एवं अनेक घरानेदार बंदिशों का वादन अंशुल प्रताप सिंह द्वारा किया गया। संतूर पर मध्य लय, द्रुत लय में विभिन्न लयकारियों के साथ सत्येन्द्र सिंह द्वारा किया गया। सभी वाद्ययंत्रों का समागम विभिन्न लयकारियों एवं ताल स्वर का अद्भुत संगम सुनने का अवसर श्रोताओं को मिला। प्रस्तुति के अंत में सभी कलाकारों द्वारा अपने-अपने वाद्ययंत्र के साथ जुगलबंदी ने समां बांध दिया।

कार्यक्रम की दूसरी सभा शास्त्रीय गायन के नाम रही। मंच पर नमूदार हुईं डॉ. पारुल दीक्षित, ग्वालियर, जिन्होंने अपने गुरु की परम्परानुसार सुमधुर गायिकी से संगीत का आनंद सभागार में बिखेर दिया। उन्होंने अपनी प्रस्तुति के आरंभ के लिए राग जोग का चयन किया। अत्यंत मधुर इस राग में विलंबित खयाल की बंदिश के बाद मध्यलय तीन ताल की बंदिश "ना माने थी जिया" प्रस्तुत की। इसके बाद द्रुत एक ताल में पंडित बलवंत राय भट्ट की बंदिश "आज रंग राग छाए" से अपनी गहन साधना का परिचय दिया। इसके बाद द्रुत तीन में तराना एवं अंत में चैती "चैत मास बोल ले कोयलिया" की प्रस्तुति के साथ समापन किया। उनके साथ हारमोनियम पर रवीन्द्र किल्लेदार एवं तबला पर पांडुरंग तैलंग ने संगत दी।

कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति नृत्यनाटिका सुश्री प्रियंका जोशी एवं साथी, भोपाल के कलाकारों द्वारा कथक समूह नृत्य की रही। उन्होंने "षड्ऋतु कृष्णम" नृत्यनाटिका प्रस्तुत की, जिसकी नृत्य परिकल्पना सुश्री प्रियंका जोशी द्वारा की गई, संगीत रचना सोपान अंबासेलकर द्वारा की गई है। इस नृत्यनाटिका के माध्यम से सौंदर्यपूर्ण ढंग से दिखाया कि कृष्ण हर ऋतु में है, वे वसंत की मधुरता में प्रेम बनकर, ग्रीष्म की तपन में विरह बनकर, वर्षा की फुहारों में मिलन बनकर, शरद की शीतलता में रास बनकर, हेमंत की नरमी में स्नेह बनकर और शिशिर की निस्तब्धता में भक्ति बनकर प्रकट होते हैं। वे हर रंग, हर अहसास में झलकते हैं, क्योंकि कृष्ण केवल एक नाम नहीं, बल्कि अनंत प्रेम की अनुभूति हैं। इस प्रस्तुति में सुश्री अक्षिमा जोशी, सुश्री अणिमा पांडे, सुश्री अनुष्का चंदसौरिया, सुश्री मनस्वी तोलानी, सुश्री जागृति यादव, सुश्री खुशी यादव, सुश्री शिल्पी सेन एवं सुश्री जाह्नवी चंद ने नृत्य किया।

बिना पंजीयन के विज्ञापन लगाने पर एसआर मॉल पर दो लाख 40 हजार की पैनाल्टी

जबलपुर। शहर में अवैध रूप से संचालित हो रहे विज्ञापनों और होर्डिंग्स के खिलाफ नगर निगम की होर्डिंग शाखा ने शनिवार को कड़ा रुख अपनाया। विजय नगर स्थित एस.आर. मॉल द्वारा बिना पंजीकरण के विज्ञापन प्रदर्शित करने पर निगम ने 2, लाख 40 हजार रुपये की भारी पेनाल्टी लगायी।

नगर निगम को सूचना मिली थी कि एस.आर. मॉल प्रबंधन द्वारा अपने परिसर में विज्ञापनों का प्रदर्शन बिना किसी वैधानिक पंजीकरण के किया जा रहा है। यह कृत्य एम.पी. आउटडोर मीडिया रूल्स 2017 के प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन है। इसी के तहत निगम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जुर्माना अधिरोपित किया। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने न केवल पेनाल्टी लगाई, बल्कि मॉल परिसर में नोटिस चस्पा कर सख्त चेतावनी भी दी। कार्रवाई के दौरान अपर आयुक्त श्रीमती अंजू सिंह ठाकुर, होर्डिंग शाखा उपयंत्री अंकित चौधरी, बाजार विभाग से शक्ति रजक आदि उपस्थित रहे।

गौरीघाट में प्लास्टिक कोटेड दोने बेचने वाले 22 दुकानदारों पर नगर निगम ने लगाया जुर्माना

जबलपुर। शहर में सिंगल यूज प्लास्टिक एवं प्रतिबंधात्मक पॉलीथिन का उपयोग क्रय-विक्रय भण्डारण आदि पर प्रतिबंध है। इस कड़ी में नगर निगम द्वारा नर्मदा के पवित्र तट गौरीघाट को प्रदूषण मुक्त रखने के लिए नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को एक बड़ी कार्रवाई की। माँ नर्मदा की शुद्धता को प्रभावित करने वाले प्लास्टिक कोटेड दोनों के उपयोग और बिक्री को रोकने के लिए विभाग ने विशेष अभियान चलाया।

निगमायुक्त श्री अहिरवार ने बताया कि नर्मदा पूजन और दीपदान के लिए प्लास्टिक कोटेड दोनों का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित है। इसके बावजूद, कई दुकानदार नियमों की अनदेखी कर रहे थे। कार्रवाई के दौरान ऐसे 22 दुकानदारों को चिन्हित किया गया जो दीपदान के लिए प्लास्टिक कोटेड दोने बेच रहे थे। नगर निगम ने स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए सख्त रुख अपनाते हुए इन दुकानदारों के चालान काटे और मौके पर ही 4800/- रुपये का स्पॉट फाइन वसूला। कार्यवाही के समय सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अनिल बारी, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक वैभव तिवारी, स्वास्थ्य निरीक्षक अमन चौरसिया और सुपरवाइजर सुरेश, राजेश, राज अर्खेल एवं अमर उपस्थित रहे।

केंद्रीय जेल की महिला प्रहरी को दी राहत

समान आरोप पर अलग-अलग सजा भेदभावपूर्ण : हाई कोर्ट

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने समान आरोपों के बावजूद अलग-अलग सजा देने को भेदभावपूर्ण माना है। जस्टिस मनिंदर सिंह भट्टी की सिंगल बेंच ने इसी के साथ महिला प्रहरी को राहत प्रदान कर दी।

मामला केंद्रीय जेल जबलपुर से जुड़ा है, जहां वर्ष 2006 में एक महिला बंदी ने आत्महत्या कर ली थी। इस घटना के बाद ड्यूटी पर तैनात महिला प्रहरी पुष्पा नायडू और मैट्रन देवकुमारी पारोचे के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की गई थी।

याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि विभाग ने पुष्पा नायडू पर तीन वेतनवृद्धियां रोकने की कठोर सजा दी, जबकि समान आरोपों के बावजूद मैट्रन को केवल एक वेतनवृद्धि रोकने की हल्की सजा दी। हाई कोर्ट ने पाया कि दोनों कर्मचारियों के विरुद्ध आरोप लगभग समान थे और घटना भी एक ही थी। ऐसे में अलग-अलग सजा देना न्यायसंगत नहीं है और यह समानता के सिद्धांत का उल्लंघन है। कोर्ट ने आदेश में कहा कि जब आरोप और परिस्थितियां समान हों, तो सजा भी समान होनी चाहिए। कोर्ट ने पुष्पा नायडू की सजा में संशोधन करते हुए तीन वेतनवृद्धि रोकने की सजा को घटाकर एक वेतनवृद्धि (बिना संचयी प्रभाव) कर दिया। साथ ही कोर्ट ने राज्य सरकार को 60 दिनों के भीतर संशोधित आदेश लागू कर संबंधित लाभ देने के निर्देश दिए हैं।

टिकट जांच में मादक पदार्थ बरामद

जबलपुर। गाड़ी संख्या 12296 में टिकट जांच के दौरान एस/7 कोच में एक बिना टिकट यात्री पाया गया। टिकट जांच के दौरान सीटीआई पिपरिया श्री मनोज नागोत्रा एवं डीसीटीआई पिपरिया रीतेश गोस्वामी सहित टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा पूछताछ की गई, जिसमें उक्त यात्री के पास जुर्माना राशि जमा करने हेतु पर्याप्त धनराशि उपलब्ध नहीं थी। जांच के दौरान यात्री के पास मौजूद एक बैग की तलाशी ली गई, जिसमें पॉलिथीन में लिपटा हुआ संदिग्ध पदार्थ पाया गया। संदेह होने पर उक्त यात्री को पिपरिया स्टेशन पर जीआरपी को सुपुर्द किया गया। जीआरपी द्वारा विस्तृत जांच करने पर यात्री के पास लगभग 2 किलोग्राम मादक पदार्थ (गांजा) बरामद हुआ। इस संबंध में अपराध क्रमांक 21359004260121/2026 के तहत धारा एनएआर 20 एवं एनएआर 8 के अंतर्गत प्रकरण पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

- महाकोशल एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट की मांग
- मरीजों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट के नियमों का पालन जरूरी

पैथोलॉजी सेवाओं में गुणवत्ता : केवल योग्य विशेषज्ञ ही दे सकते हैं सही रिपोर्ट

हरिभूमि जबलपुर।

मध्यप्रदेश में बिना योग्य विशेषज्ञों के संचालित हो रही पैथोलॉजी लैब को लेकर महाकोशल एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट ने चिंता व्यक्त की है। राज्य के कई जिलों में केवल टेक्नीशियनों के भरोसे चल रही लैबों से जारी रिपोर्ट जनस्वास्थ्य के लिए जोखिम पैदा कर रही हैं। एसोसिएशन ने बताया कि प्रदेश में लैब लाइसेंसिंग मानक विभिन्न जिलों में अलग-अलग हैं। कुछ जगहों पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन हो रहा है, जबकि कहीं केवल एमबीबीएस डिग्रीधारकों को लैब रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने की अनुमति दी जा रही है। ऐसे दोहरे मापदंड गैरमानक केंद्रों को संरक्षण दे रहे हैं और मरीजों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं।

अक्टूबर 2024 में जारी अधिसूचना के अनुसार एक योग्य पैथोलॉजिस्ट को अधिकतम दो लैब तक सीमित करने का नियम विवादास्पद है। उच्च न्यायालय ने इस मामले में सभी पक्षों और विशेषज्ञों से दो सप्ताह में सुझाव मांगे हैं, ताकि पैथोलॉजी सेवाओं में स्नातकोत्तर योग्यता प्राप्त विशेषज्ञों की प्रत्यक्ष देखरेख सुनिश्चित की जा सके। महाकोशल एसोसिएशन ने आम नागरिकों से केवल अधिकृत केंद्रों से ही जांच कराने की अपील की। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2017 में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि कोई टेक्नीशियन स्वतंत्र रूप से लैब नहीं चला सकता और रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने का पात्र नहीं है। पत्रकार वार्ता में डॉ. राजेश महोबिया, डॉ. नीरज सचदेवा, डॉ. नीता भाटिया, डॉ. रितु भनोत वढेरा, डॉ. कुलदीप बजाज, डॉ. दीपाली अडगाँवकर, डॉ. शिशिर चनपुरिया और डॉ. मपरस गुप्ता उपस्थित थे। जबलपुर के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय मिश्रा की भी उपस्थिति रही।

नवरात्रि पर्व के समापन पर कन्या भोज संपन्न

जबलपुर। चैत्र नवरात्रि की सप्तमी के पावन अवसर पर गोरखपुर स्थित कॉम्प्लेक्स में भक्ति और सेवा का संगम देखने को मिला। इस अवसर पर समाजसेवी हेमंत बड़गैया एवं उनकी धर्मपत्नी नीलम बड़गैया द्वारा विशाल कन्या भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ देवी स्वरूपा कन्याओं के पूजन और आरती के साथ हुआ। इसके पश्चात उपस्थित सभी कन्याओं को अत्यंत श्रद्धा भाव से भोजन कराया और उन्हें उपहार भेंट कर आशीर्वाद लिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में नीलम बड़गैया का अहम योगदान रहा, इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेवनया, मुनिन्द्र शुक्ला, नंदनी, पूर्वी, अराध्या राजभर, नूरी, दुर्गा सेन, कनक, शिवानी, नीतू, पायल, नेहा चक्रवर्ती, कमाक्षी सोनकर सहित कन्याओं और क्षेत्रीय नागरिक रूद्र प्रताप सोनकर, बलविंदर सिंह बाजवा की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन के दौरान पूरा वातावरण 'जय माता दी' के जयकारों से गुंजायमान रहा। हेमंत बड़गैया ने इस अवसर पर कहा कि कन्या पूजन और सेवा ही मां की सच्ची भक्ति है, जिससे समाज में सकारात्मक ऊर्जा और समरसता का संचार होता है।

वैष्णव परिवार ने कराया कन्या भोज

जबलपुर। न्यू आदर्श कलोनी आधारताल में वैष्णव परिवार द्वारा चैत्र रामनवमी की नवमी तिथि पर कन्या भोज कराया गया। वैष्णव परिवार के सदस्यों ने माता स्वरूप छोटी-छोटी कन्याओं का विधि विधान से पूजन अर्चन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा बैठक

जन भागीदारी से बनेगा जल संरक्षण जनआंदोलन

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण कार्यों को लेकर जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एमपीआरडीसी के जीएम अनिल राठौर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक गहलोत, सभी जनपद सीईओ, सीडीपीओ एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च से प्रारंभ हो चुका है, जो 30 जून तक संचालित रहेगा। उन्होंने निर्देश दिए कि पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी जल संरक्षण के कार्य प्रभावी और सुनियोजित ढंग से किए जाएं। राज्य शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत नई जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण, भूजल संवर्धन, पुरानी जल संरचनाओं की साफ-सफाई एवं मरम्मत, जल स्रोतों में प्रदूषण कम करने के प्रयास, जल वितरण प्रणालियों की सफाई तथा मानसून पूर्व पौधारोपण की तैयारी जैसे कार्य प्राथमिकता से किए जाएं। समाज की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जन-जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, ताकि यह अभियान शासन और समाज की साझेदारी से एक जनआंदोलन का रूप ले सके।

बैठक में बताया गया कि राज्य स्तर पर जिलों की रैंकिंग की समीक्षा की जाएगी। इसलिए अभियान से जुड़े सभी कार्यों को 'माय भारत पोर्टल' पर समय पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। विशेष रूप से निर्देश दिए गए कि पिछले वर्ष के अधूरे कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण कराया जाए। प्राचीन जल स्रोतों का पुनर्जीवन, नदियों में मिलने वाले नालों में जल शोधन प्रणाली लागू करना तथा डीसिल्टिंग कार्य जनसहयोग से कराने पर भी जोर दिया गया। कलेक्टर ने सभी विभागों को अपने-अपने भवनों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने के निर्देश दिए। जनपद सीईओ को 15 दिवस के भीतर वर्षा जल संचयन के कार्य पूर्ण करने को कहा गया। साथ ही बोरी बंधान के कार्यों में तेजी लाने और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों को जल संरक्षण गतिविधियों में सहभागी बनाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जल गंगा संवर्धन अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जल संरक्षण के लिए सामूहिक जिम्मेदारी का अभियान है, जिसमें हर नागरिक की भागीदारी आवश्यक है।

रानीताल तालाब और भंवरताल के संस्कृति भवन का कलेक्टर-निगमायुक्त ने किया निरीक्षण

जबलपुर। सिविल लाइन स्थित प्रतिष्ठित महाकौशल कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने संयुक्त रूप से प्रशिक्षण केंद्र का औचक निरीक्षण किया और चल रही तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने प्रशिक्षण ले रहे विभिन्न पदाधिकारियों और प्रगणकों से सीधा संवाद किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना एक राष्ट्रव्यापी महत्वपूर्ण कार्य है, जिसमें सटीकता और संवेदनशीलता अनिवार्य है। कलेक्टर ने प्रशिक्षुओं से उनके सीखने के अनुभव पर चर्चा की और सुनिश्चित किया कि उन्हें तकनीकी और व्यावहारिक स्तर पर कोई समस्या न आए। प्रशिक्षण स्थल पर नगर निगम द्वारा की गई चाक-चौबंद व्यवस्थाओं की प्रशिक्षुओं ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने स्वयं पेयजल, बैठक व्यवस्था और तकनीकी संसाधनों का अवलोकन किया।

घरेलू सिलेंडर और ऑटो दोनों प्रभावित, शहर में व्यापक असर

घर की रसोई से सड़क तक का संकट

जबलपुर। शहर में एलपीजी की किल्लत अब केवल रसोई तक सीमित नहीं रही। इसका असर सड़क पर दौड़ने वाले ऑटो तक पहुंच गया है। एक ओर जहां घरेलू गैस सिलेंडर के लिए उपभोक्ताओं को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर एलपीजी से चलने वाले ऑटो चालकों को पंपों पर गैस नहीं मिल पा रही। नतीजतन, घर की रसोई से लेकर शहर की सवारी व्यवस्था तक संकट गहराता जा रहा है।

शहर के कई इलाकों में घरेलू गैस की बुकिंग के बाद सिलेंडर मिलने में देरी हो रही है। उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले जहां दो-तीन दिन में डिलीवरी हो जाती थी, अब कई बार पांच से सात दिन तक इंतजार करना पड़ रहा है। इससे मध्यमवर्गीय और रोज कमाकर खाने वाले परिवारों की परेशानी बढ़ गई है। कई घरों में अस्थायी रूप से लकड़ी या वैकल्पिक साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है।

बेरोजगार हुये आटो चालक

इसी बीच एलपीजी से चलने वाले ऑटो चालकों की स्थिति भी गंभीर हो गई है। पंपों पर सुबह से लंबी कतारें लग रही हैं, लेकिन दोपहर तक गैस खत्म होने की सूचना दे दी जाती है। कई चालक घंटों लाइन में लगने के बाद भी खाली हाथ लौट रहे हैं। मजबूरी में अनेक ऑटो सड़कों से गायब हो गए हैं। ऑटो चालकों का कहना है कि उनकी आय पूरी तरह दैनिक कमाई पर निर्भर है। एक दिन भी वाहन नहीं चला तो घर का खर्च प्रभावित होता है। बच्चों की फीस, राशन, किराया और ऑटो की मासिक किस्त जैसी जिम्मेदारियां लगातार चिंता बढ़ा रही हैं। पेट्रोल या डीजल से ऑटो चलाना महंगा पड़ता है, इसलिए वे एलपीजी पर ही निर्भर रहते हैं। गैस की कमी से उनका रोजगार ठप होने की कगार पर है। इस संकट का असर शहर की आम जनता पर भी दिखने लगा है। कई रूटों पर ऑटो की संख्या कम हो गई है, जिससे यात्रियों को अधिक इंतजार करना पड़ रहा है। बाजारों में ग्राहकी पर भी असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है, क्योंकि सस्ती और सुलभ सवारी कम होती जा रही है।

प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग

नागरिकों और ऑटो चालकों ने प्रशासन से मांग की है कि एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त किया जाए। पंपों पर नियमित सप्लाई और घरेलू सिलेंडरों की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित की जाए, ताकि शहर को इस दोहरे संकट से राहत मिल सके। यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो हालात और गंभीर हो सकते हैं। फिलहाल शहर में एक ही सवाल गूंज रहा है कब तक रसोई और सड़क दोनों पर गैस का संकट बना रहेगा?

शारदा मंदिर बरेला में श्रद्धा और उत्साह के साथ हुआ जवारा विसर्जन

बरेला। चैत्र नवरात्रि पर्व पर शारदा मंदिर बरेला में नौ दिनों तक भक्तिमय वातावरण बना रहा। दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने माता की पूजा-अर्चना कर अपनी मनोकामनाओं के लिए प्रार्थना की। नवमी के दिन मंदिर में स्थापित जवारों का विसर्जन हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में धूमधाम से किया गया। पूरे नवरात्रि पर्व के दौरान मंदिर परिसर में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा। मंदिर की व्यवस्थाओं का संचालन पंडित आशीष शुक्ला, अभय शुक्ला (रिंकू महाराज), श्रीमती बिल्किस दुबे, अरविंद तिवारी, प्रसन्न उपाध्याय, श्रीमती सोनू तिवारी, श्रीमती लक्ष्मी उपाध्याय, श्रीमती प्रिया शुक्ला, श्रीमती सुष्मिता शुक्ला, आयुष तिवारी, अनुष्का शुक्ला, अंश शुक्ला, पलक उपाध्याय एवं आरव उपाध्याय सहित पूरे परिवार द्वारा किया गया। नवरात्रि पर्व के दौरान पुलिस प्रशासन, डीएसपी आकांक्षा उपाध्याय, थाना प्रभारी, विद्युत मंडल के जूनियर इंजीनियर सहित समस्त सहयोगियों का सराहनीय योगदान रहा।

कलश शोभायात्रा से श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का हुआ शुभारंभ

जबलपुर। ईश्वर की असीम अनुकम्पा एवं सद्गुरूदेव भगवान के आशीर्वाद से श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान का आयोजन पटेल परिवार महाकाल कालोनी ग्राम सहजपुर जबलपुर में 28 मार्च से 03 अप्रैल 2026 तक किया जा रहा है। कथाव्यास जगद्गुरू नृसिंह पीठाधीश्वर पूज्य डॉ. स्वामी नृसिंहदेवाचार्य महाराज होंगे। कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 6 बजे तक होगी। कथा के मुख्य यजमान आनंदीलाल पटेल एवं मोमबाई पटेल हैं।

कथा के प्रारंभ में शनिवार 28 मार्च 2026 को कलश यात्रा खेरमाई मंदिर से रवाना हुई, इसके बाद कलश यात्रा, देव आराधना, व्यास पूजन और भागवत कथा महात्म्य, रविवार 29 मार्च 2026 मंगलाचरण, रौनक प्रश्न, कुंती स्तुति, परीक्षित जन्म, काली निग्रह, शुकदेव आगमन, सोमवार 30 मार्च सृष्टि रचना, कपिल गीता, वराह अवतार, सती चरित्र, ध्रुव चरित, मंगलवार 31 मार्च भरत चरित्र, अजामिल उपाख्यान, नृसिंह अवतार, वामन अवतार, श्री कृष्ण जन्मोत्सव, बुधवार 01 अप्रैल नंदोत्सव, पूतना वध, श्रीकृष्ण बाललीला, गोवर्धन पूजा, गुरुवार 2 अप्रैल महारास, कृष्ण बलराम मथुरागमन, कंस वध, श्री कृष्ण-रुक्मणी विवाह कथा के अंतिम दिन, 03 अप्रैल, शुक्रवार सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष, कथा विश्राम एवं पूर्णाहुति हवन होगा। 04 अप्रैल शनिवार को दोपहर 12 बजे से विशाल भंडारा होगा। इस अवसर पर संयोजक रोहित पटेल, क्षेत्रीय विधायक नीरज सिंह ठाकुर, शिव पटेल आदि ने सभी धर्मप्रेमी, श्रद्धालुओं से धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की है।

खितौला में जल मंदिर का शुभारंभ

सिहोरा। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के द्वारा सरकार के प्रदेशव्यापी जलगंगा संवर्धन अभियान जल शक्ति से नव भक्ति की थीम पर चल रहे इस अभियान के प्रथम चरण में आयोजित होने वाली गतिविधियों में जल मंदिर का शुभारंभ ढेलाराम मंदिर लखराम मोहल्ला खितौला में भगवान श्रीराम के विग्रह का पूजन अर्चन हवन के बाद नगर विकास प्रस्फुटन समिति क्रमांक 1 के मंदिर परिसर में संचालित संस्कारशाला के बालक एवं बालिकाओं के द्वारा हनुमान चालीसा का पाठ कर किया गया। इस अवसर पर मंदिर के संरक्षक मदन उरमालिया, ओ पी तिवारी, नवांकुर संस्था के अध्यक्ष सुषमा सिंह कर्चुली, आकांक्षा गर्ग, अंजना मिश्रा, रंजना ठाकुर, अनीता तिवारी, गीता दुबे, रुचि दुबे, मनीषा दुबे, विनीता चौरसिया, लवली, निशा, सुनीता उपस्थित थे।

संत अलॉयसिस विद्यालय में विद्यार्थियों का दीक्षांत समारोह आयोजित

जबलपुर। संत अलॉयसिस उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोलीपाथर में केजी कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए शनिवार को दीक्षांत समारोह का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। "नए कदम बड़े सपने—आज शुरू हुआ नए सफर अपने" थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा की पहली सीढ़ी पार की। कार्यक्रम का शुभारंभ शाला प्रबंधक फादर एम. स्टेलिन, प्राचार्या श्रीमती जेसी अनिल, उपप्राचार्य डेनिश पैट्रिक एवं कार्यक्रम प्रभारी प्रिया डेविड व मोनिका वर्मा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रार्थना नृत्य के बाद राघवेंद्र चंदेल एवं अद्विका अक्षांश ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत ने सभी का मन मोह लिया।

इस अवसर पर यूकेजी-ए के विद्यार्थियों को प्राचार्या एवं यूकेजी-बी के विद्यार्थियों को उपप्राचार्य द्वारा डिग्रियां प्रदान की गईं। दर्श सिंह, भूविका अवस्थी एवं शिवाय तिवारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए शिक्षकों एवं अभिभावकों के प्रति आभार जताया। अभिभावकों की ओर से श्रीमती मधु एन्थोनी एवं श्री गौरव शर्मा ने शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अथर्व डहरिया, रिद्धिमा रजक, शौर्य सिंह, दर्श सिंह, अनाया गुर्जर एवं अभिसिक्त पटेल को शैक्षणिक उपाधि प्रदान की गई। कार्यक्रम में शाला प्रबंधक ने अपने उद्बोधन में बच्चों के सर्वांगीण विकास में शिक्षकों और अभिभावकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। अंत में बच्चों द्वारा गीत प्रस्तुति एवं पीहू आहूजा व पीहू जयसिंघानी द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

चैत्र नवरात्रि पर श्रद्धा के साथ निकले जवारे, धूमधाम से हुआ विसर्जन

पाटन। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर नगर के विभिन्न स्थानों एवं प्रत्येक वार्ड में श्रद्धापूर्वक जवारे बोए गए। राम नवमी एवं दशमी तिथि को इन जवारों का विसर्जन बड़े ही हर्षोल्लास और ढोल-नगाड़ों के साथ किया गया। नगर विकास प्रस्फुटन समिति पाटन के अध्यक्ष श्री पवन बर्मन के निवास पर स्थापित पारंपरिक जवारों की नौ दिनों तक विधि-विधान से माता जी की आराधना की गई। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से जवारे निकालकर माता भगवती के दर्शन किए। दशमी तिथि पर सिविल लाइन स्थित महाकाली माता मंदिर में भक्तों द्वारा जवारे निकालकर स्वच्छ सरोवर में विसर्जित किए गए। पूरे आयोजन के दौरान नगर में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा।

श्रद्धा के साथ हुआ जवारा विसर्जन, खेरमाई मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब

मझौली। चैत्र नवरात्रि के समापन अवसर पर नगर में जवारा विसर्जन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। नगर के विभिन्न वार्डों और मोहल्लों में स्थित खेरमाता मंदिरों में रखे गए जवारों का विधि-विधान से पूजन करने के बाद शोभायात्रा के रूप में विसर्जन के लिए ले जाया गया। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर जवारे रखकर भजन-कीर्तन करते हुए निकलीं। ढोल-नगाड़ों और "जय माता दी" के जयघोष से पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में डूबा नजर आया। नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए जुलूस निर्धारित विसर्जन स्थलों तक पहुंचा, जहां विधि-विधान के साथ जवारों का विसर्जन किया गया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था और यातायात नियंत्रण के लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक इंतजाम किए गए थे।

5वीं और 8वीं के सभी छात्र प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण

सिहोरा। मेरीडियन स्कूल ने शैक्षणिक उत्कृष्टता की नई मिसाल पेश करते हुए इस वर्ष एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। विद्यालय की कक्षा 5 वीं और 8 वीं का परीक्षा परिणाम न केवल शत-प्रतिशत रहा, बल्कि प्रत्येक छात्र ने प्रथम श्रेणी प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस वर्ष छात्रों के अंकों के प्रतिशत में आए जबरदस्त उछाल ने पिछले सभी वर्षों के कीर्तिमानों को पीछे छोड़ दिया है। विद्यालय प्रांगण में एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसके विद्यालय के संरक्षक प्रताप सिंह बघेल, जिला पंचायत सदस्य मोनू पुष्पराज बघेल और प्राचार्य श्रीमती अंकिता अग्रवाल ने कक्षा 5 वीं के सभी 50 और 8 वीं के सभी 34 होनहार छात्रों को सम्मानित किया गया। बच्चों की इस सफलता के पीछे शिक्षकों का निस्वार्थ परिश्रम और कुशल प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

सिद्ध श्री माँ दरबार में धूमधाम से मनाया गया भगवान श्रीराम का प्राकट्योत्सव

जबलपुर। चैत्र शुक्ल नवमी के पावन अवसर पर सिद्ध श्री माँ दरबार में भगवान श्रीराम का प्राकट्योत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। ढोल-मृदंग और शंखनाद के बीच भगवान श्रीराम के जयघोष के साथ स्तुति व आरती कर जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर सिद्ध श्री माँ दरबार के पूज्य दैवज्ञ पंडित अरुण शर्मा ने अपने आशीर्वचन में कहा कि भगवान श्रीराम हमारे भाव, प्रभाव और स्वभाव हैं तथा वे सत्य, नीति, प्रेम और संस्कृति के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि प्रभु राम अविनाशी परमात्मा हैं, जो समस्त सृष्टि के सृजनहार और पालनहार हैं। उन्होंने धर्मग्रंथों का उल्लेख करते हुए बताया कि भगवान श्रीराम का जन्म त्रेतायुग में चैत्र शुक्ल नवमी को पुनर्वसु नक्षत्र एवं कर्क लग्न में अयोध्या में राजा दशरथ और रानी कौशल्या के यहां हुआ था। भगवान विष्णु ने रावण के अत्याचारों का अंत कर धर्म की पुनः स्थापना के लिए श्रीराम के रूप में अवतार लिया। पं. अरुण शर्मा ने कहा कि भगवान राम का जीवन हमें आदर्श, मर्यादा और कर्तव्य पालन की प्रेरणा देता है। सच्चे भाव से भक्ति करने पर भगवान स्वयं अपने भक्त की सहायता करते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम की आरती कर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर ओ.पी. साहू, डॉ. संदीप नेमा, सदानंद गोडबोले, खेमचंद पटेल, अजय गुप्ता, देवेंद्र गोटिया, डॉ. आर.एस. चंडोक, अभिषेक शर्मा, आशीष शर्मा, तलविंद्र सिंह ओबेराय, विमल शुक्ला, प्रकाश राय सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहे।

जीआरपी ने आटो में छूटा बैग स्वामी को सौंपा

जबलपुर।

13 मार्च 2026 को ऑटो चालक संजय गुप्ता द्वारा जीआरपी थाना जबलपुर में एक बैग जमा कराया गया। बैग में पगड़ी, सिख धर्म की पुस्तक और 57,330/- रुपये नगद रखे थे। बैग के स्वामी की तलाश के लिए म.आर.114 गुरजीत कौर ने ऑटो चालक द्वारा बताए गए पते पर जाकर हाथीताल और मदन महल गुरुद्वारा के प्रधानों से चर्चा की। साथ ही कृपाल चौक के सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से भी पतासाजी की गई। जानकारी मिलने पर पता चला कि बैग का स्वामी नांदेड़ में था। 27 मार्च 2026 को वह थाना में उपस्थित हुआ। स्वामी अमरजीत सिंह, पिता स्व. स्वर्ण सिंह, होशियारपुर (पंजाब) ने बताया कि बैग में उनकी पेंशन की राशि 57,330/- रुपये और अन्य सामान था। सभी सामग्री उन्हें सुरक्षित रूप से सुपुर्द कर दी गई।

मनीष ब्लॉक कांग्रेस उपाध्यक्ष मनोनीत

सिहोरा। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर,जिला अध्यक्ष संजय यादव की अनुशंसा पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिहोरा अध्यक्ष बिहारी पटेल ने कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष के पद पर मनीष शुक्ला को मनोनीत किया है। शुक्ला की नियुक्ति पर सभी कांग्रेस जनो ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी।

बज्मे गुलशने मदीना कमेटी ने ईद के शांतिपूर्ण आयोजन पर जताया आभार- बज्मे गुलशने मदीना कमेटी ने ईद-उल-फित्र के शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया है। कमेटी ने शहर में कौमी एकता और भाईचारे के उदाहरण की सराहना की।

नाम सुधार सूचना
मैं आशीष कुमार जैन उम्र 40 वर्ष यह घोषणा करता हूं की मेरे नाबालिक पुत्र (AARY VARDHAN JAIN) के पासपोर्ट नं. U3071167 में नाम की स्पेलिंग (ARYA VARDHAN JAIN) लिखी हुई है जो की गलत है मेरे पुत्र के सही नाम की स्पेलिंग (AARY VARDHAN JAIN) है जो कि उसके जन्म प्रमाण पत्र और आधार कार्ड में दर्ज है अतः मेरे पुत्र को सही नाम (AARY VARDHAN JAIN) से जाना पहचाना जाए।
नया नाम :-AARY VARDHAN JAIN
पुराना नाम :-arya vardhan jain
पता - : 921 जैन अखाड़े की गली लॉर्डगंज,जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/272
दिनांक :- 28/03/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1)श्री प्रवीण अग्रवाल (2)श्री पवन अग्रवाल (3)पंकज अग्रवाल तीनों के पिता स्व. श्री रामनारायण अग्रवाल ने मकान नं. 630 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती भूतल 2500 व.फु., प्रथम तल 2500 व.फु. शपथ पत्र/सहमति पत्र/मृत्यू प्रमाणपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/273
दिनांक :- 28/03/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री दीपक तिलवानी पिता श्री बलराम तिलवानी ने मकान नं. 2897/जी वार्ड पं. भवानी प्रसाद तिवारी क्षेत्रफल 302 व.फु.,भूतल 302 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/274
दिनांक :- 28/03/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री दीपक तिलवानी पिता श्री बलराम तिलवानी ने मकान नं. 2897/जी वार्ड पं. भवानी प्रसाद तिवारी मैजनाइन-448 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/275
दिनांक :- 28/03/2026
भवन नामांतरण सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1)श्री जितेन्द्र कुमार सोनी पिता श्री किशन लाल सोनी (2)श्रीमती पारूल सोनी पति श्री जितेन्द्र कुमार सोनी ने मकान नं. 490/11 वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान प्रथम तल 900 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

आम सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि सबा अंजुम उम्र 30 वर्ष पिता श्री मोहम्मद समीम खान निवासी म.न. 1145, नया आनंद नगर, रद्दी चौकी गोहलपुर, जबलपुर म.प्र. 482002, यह कि, सबा अंजुम अपने पिता मोहम्मद समीम खान एवं बडे भाई फहीम खान से पूर्णतः सभी प्रकार के व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं व्यावसायिक संबंध समाप्त कर दिया है। सबा अंजुम और सवा अंजुम के भाई मोहम्मद फहीम खान के बीच में किसी भी प्रकार का कोई संपर्क, साझेदारी लेना देना नहीं है । और न ही भविष्य में कभी होगा। मेरे स्वयं के व्यापार में मेरा स्वतंत्र पूर्ण अधिकार है। मेरे स्वयं के व्यापार में मेरे पिता या भाई का कोई अधिकार नही है ।
भवदीय
श्री आर. के शर्मा (एडवोकेट)
हाई कोर्ट जबलपुर (म.प्र.)
आफिस- पंचशील स्कूल रोड, पेट्रोल पंप रद्दी चौकी के पीछे जबलपुर
निवास- बी-43, साकार उदय नगर चेरीताल, जबलपुर (म.प्र.)
मो.- 9826526550
(आफिस) 0761-4005507

रामकृष्ण विश्वकर्मा नेता कॉलोनी निवासी अधिवक्ता वैभव विश्वकर्मा के पिता रामकृष्ण विश्वकर्मा का 76 वर्ष की आयु में शनिवार को स्वर्गवास हो गया है। अंतिम यात्रा आज निज निवास से ग्वारीघाट श्मशान घाट प्रस्थान करेगी।

श्रीमती विद्यावंती तनेजा- सद्गुरू अपार्टमेंट गोरखपुर सनातन धर्म मंदिर के पास निवासी श्री प्रीतम लाल तनेजा की धर्मपत्नी श्रीमती विद्यावंती तनेजा (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती आकृति मिश्रा- शाहीनाका गढ़ा निवासी श्री गिरधर गोपाल मिश्रा की धर्मपत्नी श्रीमती आकृति मिश्रा (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अमरजीत सिंह छाबड़ा- नयागांव रामपुर निवासी श्री अमरजीत सिंह छाबड़ा का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती मनीषा वैद्य- दीक्षितपुरा निवासी श्री संतोष वैद्य की धर्मपत्नी श्रीमती मनीष वैद्य (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती उषा गर्ग- त्रिमूर्ति नगर निवासी श्री हनुमान प्रसाद गर्ग की धर्मपत्नी श्रीमती उषा गर्ग (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

श्री बिंदा दीन श्रीवास- गोराबाजार केंट निवासी श्री बिंदा दीन श्रीवास (99) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री श्याम कुशवाहा- प्रेमसागर पुलिस चौकी के पास निवासी श्री श्याम कुशवाहा का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मुन्नी लाल डेले- शिवपुरी कजरवारा निवासी श्री मुन्नी लाल डेले (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री भागचंद खोब्रागड़े- राधाकृष्णन वार्ड शारदा मंदिर के पास निवासी श्री भागचंद खोब्रागड़े (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सिया बाई केवट- छापर रामपुर निवासी श्री नर्बद प्रसाद केवट की धर्मपत्नी श्रीमती सिया बाई केवट (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कुंती जैन- गुरू तिराहा दीक्षितपुरा निवासी श्रीमती कुंती जैन (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

कु. कीर्ति समद- बिलहरी निवासी श्री सुरेश समद की पुत्री कु. कीर्ति समद (26) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुरेश महात्मा- घाना खमरिया निवासी श्री सुरेश महात्मा (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री समीर श्रीवास्तव- चुंगी चौकी कांचघर निवासी श्री समीर श्रीवास्तव (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री ऋषभ राजपूत- सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री संजय राजपूत के पुत्र श्री ऋषभ राजपूत (15) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री रामानंद मिश्रा- कांचघर संजय गांधी वार्ड निवासी श्री रामानंद मिश्रा (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती प्रेमा बाई गुप्ता- गली नं. 19, शांति नगर दमोहनाका निवासी श्रीमती प्रेमा बाई गुप्ता (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती निशा वाल्मीक- शिवपुरी कजरवारा निवासी श्री राकेश वाल्मीक की धर्मपत्नी श्रीमती निशा वाल्मीक (39) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मीना कुशवाहा- गलगला चौक निवासी श्री राम नारायण कुशवाहा की धर्मपत्नी श्रीमती मीना कुशवाहा (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

सिप+हिप+ टिप पैसा बनाने के साथ देते हैं लाइफ और सुरक्षा

सुझाव | **बिजनेस डेस्क**

आज के समय में केवल कमाई करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस कमाई को सही दिशा में लगाना, सुरक्षित रखना और भविष्य के लिए बढ़ाना भी उतना ही जरूरी हो गया है। महंगाई, बढ़ते मेडिकल खर्च और जीवन की अनिश्चितताओं के बीच एक संतुलित वित्तीय योजना ही आपको मजबूत बना सकती है। यही कारण है कि 2026 में सिप, हिप और टिप का कॉम्बिनेशन स्मार्ट निवेशकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। यह तीनों मिलकर आपकी वेल्थ, हेल्थ और सिक्योरिटी तीनों को संतुलित करते हैं। इसलिए निवेशक इन्हें अपनाकर अपाना भविष्य सरक्षित कर सकते हैं।

क्यों जरूरी है तीनों का कॉम्बो?

- आज की आर्थिक परिस्थितियों में एक ही विकल्प पर निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है।
- महंगाई लगातार बढ़ रही है
- हेल्थकेयर खर्च तेजी से बढ़ रहे हैं
- जीवन में अनिश्चितता हमेशा बनी रहती है
- ऐसे में एक ऐसा प्लान जरूरी है, जो हर स्थिति में आपका साथ दे। सिप, हिप और टिप का कॉम्बो आपकी आय को बढ़ाने, बचाने और सुरक्षित रखने का संतुलन बनाता है। यही एक समझदार निवेशक की पहचान भी है।

सिपः छोटे निवेश से बड़ा फंड का फॉर्मूला

सिटेमैटिक प्लान यानी सिप हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम निवेश करने की रणनीति, जो समय के साथ बड़ा फंड तैयार करती है। इसमें आप 500 रुपये, 1000 रुपये या 5000 रुपये जैसी छोटी रकम से भी शुरुआत कर सकते हैं। सबसे बड़ी ताकत है "कंपाउंडिंग" यानी आपके पैसे पर भी पैसा बनना।

- लंबी अवधि में 10–12% तक रिटर्न की संभावना
- मार्केट के उतार-चढ़ाव का औसत असर
- अनुशासित निवेश की आदत
- जितना लंबा समय, उतना बड़ा फंड यही सिप की खासियत है। इसलिए इसे लॉन्ग टर्म वेल्थ क्रिएशन का सबसे भरोसेमंद तरीका माना जाता है।

हिप : आपकी सेविंग्स का बॉडीगार्ड

हेल्थ इंश्योरेंस प्लान यानी हिप को अक्सर लोग खर्च समझ लेते हैं, जबकि असल में यह आपकी बचत की सुरक्षा करता है। आज के दौर में एक गंभीर बीमारी या मेडिकल इमरजेंसी कुछ ही दिनों में लाखों रुपये खर्च करा सकती है। ऐसे में अगर आपके पास हेल्थ इंश्योरेंस नहीं है, तो आपकी सालों की जमा पूंजी खत्म हो सकती है। ऐसे में हेल्थ इंश्योरेंस आपकी संभाल करता है। इसलिए इसे लेना न भूलें। से अपातकालीन हालात में आपकी रक्षा करता है।

- अस्पताल का खर्च बीमा कंपनी उठाती है
- आपकी सेविंग्स और निवेश सुरक्षित रहते हैं
- मानसिक तनाव कम होता है
- विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर व्यक्ति को अपनी सालाना आय के कम से कम 50% के बराबर हेल्थ कवर जरूर लेना चाहिए। यानी अगर आपकी सालाना आय 10 लाख रुपये है, तो कम से कम 5 लाख का हेल्थ इंश्योरेंस होना चाहिए।

टिप : परिवार की आर्थिक सुरक्षा की ढाल

- टर्म इंश्योरेंश प्लान यानी आपके परिवार के लिए सबसे मजबूत वित्तीय सुरक्षा कवच माना जाता है। जीवन अनिश्चित है, और अगर कमाने वाले व्यक्ति के साथ कुछ अनहोनी हो जाए, तो परिवार पर आर्थिक संकट आ सकता है। ऐसे में टर्म इंश्योरेंस परिवार को आर्थिक सहारा देता है।
- कम प्रीमियम में बड़ा कवरेज
- परिवार के खर्च, बच्चों की पढ़ाई व लोन की सुरक्षा
- लंबी अवधि के लिए मानसिक शांति
- उदाहरण के तौर पर, 30 साल की उम्र में करीब 1 करोड़ रुपये का टर्म प्लान सालाना 10,000–12,000 रुपये में मिल सकता है। यह छोटी सी लागत आपके परिवार के भविष्य को सुरक्षित करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाती है।

तीनों का संतुलन ही असली प्लानिंग

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेशकों के बीच असमंजस और चिंता का माहौल, कई लोग बाजार की गिरावट देखकर जल्दबाजी में अपने निवेश को निकालने का कर रहे विचार

विशेषज्ञों की सलाह : हड़बड़ाहट में पैसा न निकालें, निवेश बनाएं रखें, एसआईपी में बढ़ा सकते हैं निवेश

बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच शांति व धैर्य जरूरी

ऐसे समय में धैर्य खोना निवेशकों के लिए नुकसान का कारण बन सकता है। इसलिए संयम से काम लें और निवेश बनाएं रखें। लंबी अवधि में निवेश आपको फायदा देकर ही जाएगा।

वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव खासतौर पर अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी टकराव का असर अब दुनियाभर के शेयर बाजारों पर साफ नजर आने लगा है। लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव के कारण निवेशकों के बीच असमंजस और चिंता का माहौल है। कई लोग बाजार की गिरावट देखकर जल्दबाजी में अपने निवेश को निकालने का विचार कर रहे हैं। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे समय में घबराने की बजाय संयम और समझदारी से काम लेना ही सबसे बेहतर रणनीति होती है। उन्होंने कहा कि भारतीय बाजार के फंडामेंटल्स मजबूत हैं और लंबी अवधि के निवेशकों को आगे चलकर इसका फायदा मिल सकता है। निवेशक चाहें तो एसआईपी में निवेश बढ़ा सकते हैं, चूंकि लंबी अवधि में इसका लाभ मिलेगा। यह गिरावट कुछ समय के लिए हो सकती है। इसलिए लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर शांति और धैर्य के साथ निवेश करते जाएं। बाजार के जानकारों ने निवेशकों को स्पष्ट संदेश दिया है कि बाजार में गिरावट के दौरान जल्दबाजी में शेयर बेचना नुकसानदेह हो सकता है। उनका कहना है कि वर्तमान में जो उतार-चढ़ाव दिखाई दे रहा है, वह केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक ट्रेंड है। दुनिया के कई बड़े बाजारों में 7% से 10% तक की गिरावट देखी जा रही है, जो असामान्य नहीं बल्कि बाजार की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है। शेयर बाजार हमेशा सीधी रेखा में नहीं चलता। इसमें उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, और यही इसकी प्रकृति है।

लंबी अवधि का नजरिया सफलता की कुंजी

विशेषज्ञों का मानना है कि शेयर बाजार में सफलता का सबसे बड़ा मंत्र है। लंबी अवधि का नजरिया। जब कोई निवेशक किसी कंपनी के शेयर खरीदता है, तो वह उस कंपनी के भविष्य में निवेश कर रहा होता है। ऐसे में रोजाना के उतार-चढ़ाव पर ध्यान देना जरूरी नहीं होता। अगर निवेशक 5 से 10 साल के दृष्टिकोण से निवेश करते हैं, तो बाजार के अस्थायी उतार-चढ़ाव का असर कम हो जाता है और बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ जाती है। इतिहास भी यही बताता है कि लंबे समय तक बाजार में बने रहने वाले निवेशकों को अक्सर अच्छा लाभ

भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत

- भले ही बाजार में अल्पकालिक गिरावट देखने को मिल रही हो, लेकिन भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है।
- देश की जीडीपी ग्रोथ दर स्थिर और सकारात्मक बनी हुई है
- महंगाई नियंत्रण में है, औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि हो रही है
- बिजली खपत और इंफ्रास्ट्रक्चर गतिविधियों में तेजी है
- ये सभी संकेत बताते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार मजबूत है। यही कारण है कि लंबे समय में बाजार की दिशा सकारात्मक रहने की उम्मीद की जाती है।
- भारत का शेयर बाजार भी लगातार विस्तार कर रहा है। निवेशकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और नए आईपीओ की भरमार इस बात का संकेत है कि बाजार पर लोगों का भरोसा कायम है।

एसआईपी से अस्थिरता में अवसर

- बाजार की गिरावट को अक्सर लोग नकारात्मक रूप में देखते हैं, लेकिन समझदार निवेशक इसे अवसर के रूप में भी देखते हैं।
- सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश करने वालों के लिए यह समय और भी फायदेमंद हो सकता है।
- गिरावट के समय कम कीमत पर यूनिट्स मिलती हैं
- औसत लागत कम होती है
- लंबे समय में बेहतर रिटर्न की संभावना बढ़ती है
- विशेषज्ञों का मानना है कि जो निवेशक अपनी एसआईपी को जारी रखते हैं या उसमें बढ़ोतरी करते हैं, वे बाजार की अस्थिरता का लाभ उठा सकते हैं।

धैर्य और अनुशासन ही निवेश की असली ताकत

- शेयर बाजार में सफल होने के लिए केवल सही स्टॉक चुनना ही काफी नहीं होता, बल्कि सही व्यवहार और मानसिकता भी जरूरी होती है।
- हर गिरावट पर घबराना नुकसानदायक हो सकता है
- बार-बार खरीद-बिक्री से लागत बढ़ती है
- भावनात्मक फैसले अक्सर गलत साबित होते हैं
- इसलिए निवेशकों को चाहिए कि वे अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार योजना बनाएं और उसी पर टिके रहें।
- धैर्य और अनुशासन ही वे दो गुण हैं, जो लंबे समय में निवेशकों को सफलता दिलाते हैं।

वैश्विक संकट का असर

- वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता का माहौल है। युद्ध, आर्थिक नीतियों में बदलाव और अन्य अंतरराष्ट्रीय घटनाएं बाजार को प्रभावित करती हैं, लेकिन यह भी सच है कि बाजार इन परिस्थितियों से उबरने की क्षमता रखता है। इतिहास गवाह है कि हर बड़े संकट के बाद बाजार ने वापसी की है और नए उच्च स्तर भी हासिल किए हैं। ऐसे में निवेशकों को यह समझना जरूरी है कि मौजूदा गिरावट स्थायी नहीं है।

संयम रखें, रणनीति पर टिके रहें

- बाजार में उतार-चढ़ाव निवेश का स्वाभाविक हिस्सा है
- घबराकर निवेश निकालना अक्सर नुकसानदायक होता है
- लंबी अवधि का नजरिया और अनुशासन जरूरी है
- एसआईपी जैसे विकल्प अस्थिरता में भी अवसर देते हैं
- निवेश एक लंबी यात्रा है, जिसमें धैर्य और समझदारी सबसे बड़े साथी होते हैं। मौजूदा परिस्थितियों में घबराने के बजाय शांत रहकर अपनी रणनीति पर टिके रहना ही सही निर्णय साबित हो सकता है।

टैक्स बचाने और बचत सुरक्षित रखने की यह है मास्टर प्लानिंग

जानकारी | **बिजनेस डेस्क**

एजुकेशन लोन अब बोझ नहीं बन सकेगा स्मार्ट इन्वेस्टमेंट

अगली बार जब एजुकेशन लोन लेने का विचार आए, तो इसे बोझ नहीं, बल्कि अपने उज्जवल भविष्य में किया गया एक समझदारी भरा निवेश

आज के समय में उच्च शिक्षा का खर्च लगातार बढ़ रहा है। इंजीनियरिंग, मेडिकल, मैनेजमेंट या विदेश में पढ़ाई हर क्षेत्र में फीस लाखों से लेकर करोड़ों तक पहुंच चुकी है। ऐसे में अधिकांश छात्र और अभिभावक एजुकेशन लोन को एक मजबूरी या बोझ के रूप में देखते हैं। लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों की मानें, तो सही योजना और समझदारी के साथ लिया गया एजुकेशन लोन एक लायबिलिटी नहीं, बल्कि एक मजबूत निवेश साबित हो सकता है, जो आपके भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने में मदद करता है। एजुकेशन लोन का सबसे बड़ा फायदा टैक्स बचत के रूप में मिलता है। इनकम टैक्स एक्ट की धारा सेक्शन 80ई के तहत, लोन पर चुकाए गए ब्याज पर पूरी तरह टैक्स छूट मिलती है। इसका मतलब यह है कि आप जितना ब्याज चुकाते हैं, उतनी ही आपकी टैक्सेबल इनकम कम हो जाती है। खास बात यह है कि इस छूट की कोई ऊपरी सीमा नहीं होती। यह सुविधा लोन चुकाना शुरू करने के बाद अधिकतम 8 वर्षों तक मिलती है।यानी आप पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी शुरू करते ही टैक्स बचत का लाभ उठा सकते हैं, जिससे आपकी कुल वित्तीय योजना और मजबूत हो जाती है।

आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास

एजुकेशन लोन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि यह छात्रों को आत्मनिर्भर बनाता है। जब छात्र अपनी पढ़ाई का खर्च खुद उठाते हैं, तो उनमें जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। वे अपने करियर को लेकर अधिक गंभीर होते हैं और नौकरी मिलने के बाद अपने वित्तीय लक्ष्यों को लेकर सजग रहते हैं। यह अनुभव उन्हें जीवनभर काम आता है और आर्थिक रूप से मजबूत बनाता है।

समझदारी से लिया गया कर्ज, भविष्य की ताकत

एजुकेशन लोन को केवल कर्ज के रूप में देखना एक अधूरी सोच है। सही रणनीति के साथ यह एक ऐसा वित्तीय टूल बन सकता है, जो न केवल आपकी शिक्षा का रास्ता आसान करता है, बल्कि टैक्स बचत, क्रेडिट स्कोर सुधार और निवेश सुरक्षा के जरिए आपके भविष्य को भी मजबूत बनाता है।

क्रेडिट स्कोरः मजबूत आर्थिक पहचान की शुरुआत

युवाओं के लिए एजुकेशन लोन सिर्फ पढ़ाई का जरिया नहीं, बल्कि उनके वित्तीय जीवन की पहली सीढ़ी भी होता है। जब कोई छात्र समय पर अपनी ईएमआई भरता है, तो उसका क्रेडिट स्कोर मजबूत होता है। यह स्कोर भविष्य में होम लोन, कार लोन या बिजनेस लोन लेने में बेहद अहम भूमिका निभाता है। अच्छा क्रेडिट स्कोर होने से न केवल आसानी से लोन मिलता है, बल्कि कम ब्याज दर पर भी लोन मिल सकता है। इसके अलावा, खुद की पढ़ाई का खर्च उठाने से छात्रों में जिम्मेदारी और वित्तीय अनुशासन विकसित होता है, जो लंबे समय में उनके करियर और जीवन दोनों के लिए फायदेमंद साबित होता है।

निवेश की सुरक्षाः बचत को बढ़ने का मौका

अक्सर देखा जाता है कि माता-पिता बच्चों की पढ़ाई के लिए अपनी जीवनभर की बचत—जैसे फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), पीएफ या रिटायरमेंट फंड तोड़ देते हैं। यह निर्णय भावनात्मक रूप से सही लग सकता है, लेकिन वित्तीय दृष्टि से हमेशा लाभकारी नहीं होता। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन बचतों को बाजार में निवेशित रहने दिया जाए, तो वे 12% से 15% तक का रिटर्न दे सकती हैं। वहीं, एजुकेशन लोन की ब्याज दरें अपेक्षाकृत कम होती हैं और कई मामलों में सरकारी सब्सिडी भी मिलती है। इस तरह लोन लेकर आप अपनी पूंजी को सुरक्षित रखते हुए उसे कंपाउंडिंग के जरिए बढ़ने का मौका देते हैं। यह रणनीति लंबे समय में अधिक लाभदायक साबित हो सकती है।

सही योजना जरूरी

- लोन लेने से पहले कोर्स और उसके करियर स्कोप का आकलन करें
- ब्याज दर और शर्तों की तुलना करें
- समय पर ईएमआई चुकाने की योजना बनाएं
- अनावश्यक रूप से अधिक कर्ज लेने से बचें

रिटायरमेंट के करीब हैं तो कर लें ये जरूरी काम

हर व्यक्ति की ख्वाहिश होती है कि वह रिटायरमेंट के बाद की जिंदगी बिना तनाव और आर्थिक चिंता के सुकून से बिताए। लेकिन यह तभी संभव है, जब समय रहते सही वित्तीय योजना बनाई जाए। अक्सर लोग नौकरी के दौरान तो बचत और निवेश करते हैं, लेकिन रिटायरमेंट के बिल्कुल करीब आकर कई जरूरी पहलुओं को नजरअंदाज कर देते हैं। अगर आपकी रिटायरमेंट अब ज्यादा दूर नहीं है, तो यह समय बेहद अहम है। इस दौरान लिए गए सही फैसले आपके आने वाले जीवन को सुरक्षित और संतुलित बना सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसे 5 जरूरी वित्तीय काम, जिन्हें रिटायरमेंट से पहले जरूर पूरा कर लेना चाहिए।

1. कुल बचत और आय का सही आकलन करें

रिटायरमेंट के करीब पहुंचते ही सबसे पहले अपनी वित्तीय स्थिति का स्पष्ट आकलन करना जरूरी है। इसमें आपकी सेविंग्स, पेंशन, पीएफ, ग्रेच्युटी और अन्य निवेश शामिल होने चाहिए। इसके साथ ही पिछले कुछ वर्षों के खर्च का विश्लेषण करें और यह समझें कि रिटायरमेंट के बाद आपकी मासिक जरूरतें कितनी होंगी। महंगाई को ध्यान में रखते हुए भविष्य के खर्च का अनुमान लगाना भी बेहद जरूरी है।

2. गैर-जरूरी खर्चों पर लगाएं लगाम

रिटायरमेंट के बाद नियमित आय सीमित हो जाती है, इसलिए खर्चों पर नियंत्रण बेहद जरूरी हो जाता है। ऐसे में अपनी वर्तमान जीवनशैली का मूल्यांकन करें और फिजूल खर्चों को कम करने की आदत डालें।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
विभिन्न वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा निम्नलिखित वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है:

1. **निविदा सूचना क्रमांक:** NIT/20/MAR/95265194/01 दिनांक: 20.03.2026
आइटम का संक्षिप्त विवरण: 10 mm मोटी कम्पोज़िट ग्रूव्ड रबर सील प्लेट आदि।
मात्रा: 53120 नग।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 1,27,87,046/-
ईएमडी: ₹ 2,55,740/-
देय तिथि: दिनांक **20.04.2026**
देय समय: सुबह **10:30** बजे।

2. **निविदा सूचना क्रमांक:** NIT/20/MAR/95265165/02 दिनांक: 20.03.2026
आइटम का संक्षिप्त विवरण: फैनलेस इंडस्ट्रियल ग्रेड एम्बेडेड PC आदि।
मात्रा: 42 नग।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 1,57,49,454/-
ईएमडी: ₹ 3,14,990/-
देय तिथि: दिनांक **20.04.2026**
देय समय: सुबह **10:30** बजे।

3. **निविदा सूचना क्रमांक:** NIT/20/MAR/95265229/03 दिनांक: 20.03.2026
आइटम संक्षिप्त विवरण: CSM-949 मशीन आदि में SMART ALC। **मात्रा:** 01 नग।
अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 1,35,70,000/-
ईएमडी: ₹ 2,71,400/-
देय तिथि: दिनांक **14.04.2026**
देय समय: सुबह **10:30** बजे।

नोट: उपर्युक्त ई-निविदा अंतर्गत सभी निविदा -कर्ताओं अपनी बोलियाँ IREPS वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** के माध्यम से ऑनलाइन जमा करें। अधिक जानकारी के लिए, कृपया IREPS वेबसाइट पर जाएँ।

वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक,
द.पू.म. रेलवे, नागपुर
MS/86-370

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

उठापटक वाले बाजार में मल्टी एसेट फंड है बेहतर विकल्प

एक ही एसआईपी से स्टॉक्स, गोल्ड व बॉन्ड में निवेश

वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों में अमेरिका-इजराइल-ईरान संघर्ष, वैश्विक महंगाई का दबाव और राजनीतिक अनिश्चितता शामिल हैं। इनको देखते हुए निवेशकों को मल्टी-एसेट रणनीति अपनानी चाहिए। । ऐसे माहौल में मल्टी-एसेट फंड निवेशकों के लिए एक आदर्श विकल्प बन जाते हैं, क्योंकि ये इक्विटी, डेट, कमोडिटी और कीमती धातुओं में निवेश का अवसर देते हैं।

मल्टी-एसेट फंड ऑटोमैटिक रीबैलेंसिंग, प्रोफेशनल मैनेजमेंट और डायनेमिक एसेट एलोकेशन प्रदान करते हैं, जो खासतौर पर अधिक अस्थिरता के समय में उपयोगी होता है। साथ ही यह समय अत्यधिक आक्रामक होने का नहीं है, बल्कि एक संतुलित और विविधीकृत पोर्टफोलियो बनाए रखने का है, जो झटकों को सह सके और संभावित बढ़त में भी भाग ले सके।

पश्चिम एशिया में जारी जंग को एक माह हो गया है। इस दौरान बाजार में उठा-पटक जोरदार है। तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। बाजार दवाब में हैं। सोना और चांदी पहले चमके, फिर गिरे। बॉन्ड्स ने कुछ राहत दी है और जो निवेशक सिर्फ एक जगह पैसा लगाए बैठे थे, वो सबसे ज्यादा नुकसान में हैं। यही वो वक्त है जब एक पुरानी बात फिर साबित होती है कि किसी एक एसेट पर निर्भर नहीं रहना चाहिए फिर चाहे वो इक्विटी हो, डेट हो या सोना, लेकिन एक व्यक्ति कहां-कहां निवेश करे? आम निवेशक के पास क्या विकल्प हैं? इसलिए एक ऐसा निवेश का ऑप्शन आपकी सभी जरूरतों को पूरा कर सकता है। आप बस हर महीने पैसा डालते रहो और आपका पैसा हर जगह निवेश होता रहेगा। फिर शेयर हो या सोना। एसेट अलोकेशन का मतलब होता है कि आप अपना पैसा कहां-कहां डाल रहे हैं और इसका सबसे आसान रास्ता है मल्टी एसेट्स एलोकेशन फंड। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों, राजनीतिक अनिश्चितता और वैश्विक महंगाई के दबाव को देखते हुए निवेशकों को मल्टी-एसेट रणनीति को प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि विविधीकरण (डाइवर्सिफिकेशन) अशांत समय में जोखिम को कम करने में मदद करता है।

केवल फंड स्तर पर विविधीकरण सही नहीं

विशेषज्ञों के अनुसार पिछले दिनों वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और केंद्रीय बैंकों की खरीदारी के कारण सोने की कीमतों में तेजी आई है। चांदी को औद्योगिक मांग और कीमती धातु के रूप में उसकी पारंपरिक भूमिका दोनों का लाभ मिला है, जबकि इक्विटी बाजार उच्च विदेशी निवेश (एफआईआई इनफ्लो), मजबूत आय संभावनाओं और मैक्रो स्थिरता के कारण अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इन सकारात्मक रुझानों के कारण इस श्रेणी ने निवेशकों को आकर्षित किया। लेकिन, अब हालात बदल चुके हैं। सोना और चांदी अपने उच्चतम स्तर से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में एक ही श्रेणी के निवेशक काफी दिक्कत में आ चुके हैं। इसके लिए अगर आपने अलग-अलग एसेट में निवेश किया होता तो बेहतर रहता। हालांकि, यह ध्यान रखना चाहिए कि केवल फंड स्तर पर विविधीकरण करना सही नहीं है, क्योंकि जरूरत पड़ने पर विभिन्न एसेट क्लास के बीच पुनः आवंटन करना मुश्किल हो जाता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि 29 मल्टी-एसेट फंड्स में से अधिकांश फंड्स में 65% से अधिक निवेश इक्विटी में, 25% डेट में और 10% अन्य (जैसे सोना/कमोडिटी) में होता है। डीएसपी मल्टी एसेट एलोकेशन फंड एक अपवाद है, जिसमें लगभग 88% निवेश 'अन्य' श्रेणी में है। अधिकांश योजनाओं में एक जैसी संरचना होने से विविधीकरण और लचीलापन दोनों सीमित हो जाते हैं। चूंकि इक्विटी हिस्सा अक्सर लार्ज-कैप शेयरों में केंद्रित होता है, इसलिए कई बार ऐसे फंड्स में निवेश करने पर भी पर्याप्त विविधीकरण नहीं मिल पाता। वे सलाह देते हैं कि सिर्फ मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स पर निर्भर रहने के बजाय निवेशकों को अपने पूरे पोर्टफोलियो स्तर पर एसेट एलोकेशन तय करना चाहिए।

फ्लेक्सी-कैप और बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स भी विकल्प

इसके बावजूद मल्टी-एसेट फंड्स में निवेशकों की रुचि लगातार बढ़ रही है। मध्यम जोखिम प्रोफाइल वाले नए निवेशकों के लिए मल्टी-एसेट फंड्स के साथ फ्लेक्सी-कैप और बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स भी एक अच्छा विकल्प है। पिछले एक वर्ष में 24 मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स में से 8 ने दो अंकों (डबल डिजिट) का रिटर्न दिया, 14 ने एक अंक (सिंगल डिजिट) का रिटर्न दिया, जबकि 2 फंड्स ने नकारात्मक रिटर्न दिया। कई बार मल्टी-एसेट फंड्स पूर्व-निर्धारित एलोकेशन संरचना के कारण हर एसेट की पूरी क्षमता का लाभ नहीं उठा पाते। ये फंड्स अभी भी इक्विटी पर अधिक निर्भर रहते हैं और इक्विटी फंड्स से बहुत अलग नहीं हैं। यदि निवेशक पहले से ही अपने पोर्टफोलियो स्तर पर एसेट मिक्स तय कर रहे हैं, तो मल्टी-एसेट फंड जोड़ने से अनावश्यक दोहराव या एक ही एसेट में अधिक निवेश (कंसंट्रेशन) हो सकता है, खासकर जब फंड इक्विटी की ओर झुका हुआ हो। ऐसे निवेशकों को मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स से बचने पर विचार करना चाहिए और अपनी वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम प्रोफाइल के अनुसार इक्विटी और डेट में अलग-अलग निवेश करना चाहिए। इससे बेहतर रिटर्न, दीर्घकालिक वृद्धि और संपत्ति निर्माण की आदर्श रणनीति बन सकती है। जबकि नए व आम निवेशकों के लिए मल्टी एसेट फंड एक बेहतर विकल्प रहता है। भले ही कुछ परिस्थितयों में इसमें रिटर्न कम हो सकता है, लेकिन जोखिम घटाने के लिए यह बेहतर विकल्प है। हाल के आंकड़े गवाह हैं कि इस फंड ने अनेक मामलों में बेहतर रिटर्न भी दिया है। इसके बावजूद निवेश हमेशा अपनी जोखिम क्षमता, निवेश अवधि और वित्तीय लक्ष्यों के आधार पर ही करना चाहिए।

अमेरिका-इज़राइल वर्सेस ईरान युद्ध विगत एक महीने से अपनी संपूर्ण विनाशकारी सैन्य शक्ति के साथ निरंतर जारी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 10 दिनों के लिए ईरान के ऊर्जा उपक्रमों पर विध्वंसकारी आक्रमण अंजाम नहीं देने का ऐलान किया है। भारत के सामने भी इस युद्ध ने अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ये चुनौतियां आर्थिक भी हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी और मानवीय भी हैं। फिलहाल देश में पेट्रोल -डीजल का तो कोई तत्काल संकट नहीं है, किंतु कतर का लिक्विड नेचुरल गैस उत्पादन एकदम बंद हो जाने के कारण भारत में लिक्विड नेचुरल गैस और एलपीजी का संकट अवश्य उत्पन्न हो गया है। साफ है कि अब इस संकट का असर वैश्विक सप्लाई चेन, ऊर्जा आपूर्ति और बाजारों पर देखने को मिल रहा है। एकमात्र राहत यह है कि कुछ देशों के पास भंडार और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत हैं, लेकिन अगर यह संघर्ष लंबा चला तो एशिया की अर्थव्यवस्था के लिए यह एक बड़ा झटका साबित हो सकता है। उधर, भारत के पांच राज्यों में होने वाले चुनाव के तहत इन मुद्दों को चुनावी रंग देकर लेकर विपक्ष लगातार मौजूदा सरकार को घेरने में लगा हुआ है, लेकिन फिलहाल केन्द्र सरकार ने अभी तक तो स्थिति को नियंत्रित किया हुआ है। क्या भारत इस संकट की स्थिति से उबर पाएगा, इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

ऊर्जा संकट की असली चुनौती अभी बाकी

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय
विदेशी मामलों के जानकार

अमेरिका द्वारा फिलहाल ईरानी तेल के निर्यात पर पाबंदी समाप्त कर देने का सबसे अधिक फायदा जिन देशों को भविष्य में उपलब्ध हो सकता है, उनमें भारत भी एक प्रमुख देश है। खाड़ी जंग प्रारंभ होने के बाद विश्व पटल पर एनर्जी मार्केट पर जबरदस्त संकट बढ़ गया है और अमेरिका द्वारा समुद्र में कार्गो जहाज में विद्यमान ईरानी तेल के निर्यात से यह विकट संकट कुछ कम हो सकता है। उल्लेखनीय है कि भारत को अपनी आवश्यकता के 90 प्रतिशत पेट्रोल और डीजल के लिए अंतरराष्ट्रीय आयात पर निर्भर रहना पड़ता है।

ईरान के विरुद्ध इजराइल-अमेरिका द्वारा 28 फरवरी को प्रारंभ किया गया संयुक्त आक्रमणकारी युद्ध विगत एक महीने से अपनी संपूर्ण विनाशकारी सैन्य शक्ति के साथ निरंतर जारी है। यदि यह विनाशकारी युद्ध भविष्य में भी इसी गति से चलता रहा तो फिर पहले से आच्छादित हो चुका वैश्विक ऊर्जा संकट अत्यंत विकट और विकराल स्थिति में पहुंच जाएगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले 5 दिनों के लिए और फिर 10 दिनों के लिए ईरान के ऊर्जा उपक्रमों पर विध्वंसकारी आक्रमण अंजाम नहीं देने का ऐलान किया है। साथ ही यह चेतावनी भी जारी की है कि यदि ईरान द्वारा भविष्य में खाड़ी देशों के ऊर्जा प्रोजेक्ट्स पर ईरान द्वारा आक्रमण किया जाता है तो फिर अमेरिका ईरान के गैस और तेल निर्माण के ठिकानों पर भयंकर आक्रमण अंजाम देगा और उसके तमाम ऊर्जा उपक्रमों को नष्ट कर देगा। साथ ही डोनाल्ड ट्रंप ने दावा पेश किया है कि ईरान के साथ युद्ध को खत्म करने के लिए शांति वार्ता निरंतर जारी है।

भारत पर भी पड़ रहा प्रभाव

युद्ध के कारणवश उत्पन्न हुई वैश्विक ऊर्जा संकट के चलते हुए भारत पर भी इसका जबरदस्त प्रभाव स्थापित हो गया है। फिलहाल भारत में पेट्रोल और डीजल का तो कोई तत्काल संकट उपस्थित नहीं हुआ है। भारत सरकार के अनुसार अभी दो महीनों का पेट्रोल और डीजल स्ट्रैटेजिक रिजर्व के तौर पर भारत के पास विद्यमान है। किंतु कतर का लिक्विड नेचुरल गैस उत्पादन एकदम बंद हो जाने के कारण भारत में लिक्विड नेचुरल गैस और एलपीजी का संकट अवश्य उत्पन्न हो गया है।

वैश्विक ऊर्जा संकट के मध्य एक शुभ समाचार आया कि अमेरिका ने ईरान के क्रूड ऑयल निर्यात पर आयद की गई अंतरराष्ट्रीय पाबंदी को अस्थाई तौर पर स्थूल कर देने का ऐलान किया है। अमेरिका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने फॉक्स न्यूज को दिए गए साक्षात्कार में फरमाया है कि डोनाल्ड ट्रंप सरकार द्वारा फिलहाल समुद्र में खड़े हुए ईरान के तेल जहाज पर आयद पाबंदी में अस्थायी तौर पर ढील प्रदान करने का फैसला लिया है। से अंतरराष्ट्रीय बाजार में करोड़ों बैरल तेल की सप्लाई प्रारंभ हो सकती है।

तेल के निर्यात पर पाबंदी हटी

इस युद्ध के कारण शिपिंग और क्रूड ऑयल निर्यात में उत्पन्न हुई गंभीर रुकावट की क्षतिपूर्ति भी हो सकती है। अमेरिका द्वारा फिलहाल ईरानी तेल के निर्यात पर पाबंदी समाप्त कर देने का सबसे अधिक फायदा जिन देशों को भविष्य में उपलब्ध हो सकता है, उनमें भारत भी एक प्रमुख देश है। खाड़ी जंग प्रारंभ होने के बाद विश्व पटल पर एनर्जी मार्केट पर जबरदस्त संकट बढ़ गया है और अमेरिका द्वारा समुद्र में कार्गो जहाज में विद्यमान ईरानी तेल के निर्यात से यह विकट संकट कुछ कम हो सकता है। उल्लेखनीय है कि भारत को अपनी आवश्यकता के 90 प्रतिशत पेट्रोल और डीजल के लिए अंतरराष्ट्रीय आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। स्कॉट बेसेंट के अनुसार समुद्र में फिलहाल अभी 17 करोड़ बैरल तेल के कार्गो विद्यमान हैं। भले ही ईरानी क्रूड ऑयल की अंतरराष्ट्रीय बिक्री के लिए 10 से 15 दिनों तक छूट क्यों ना प्रदान की जा सकती है। अमेरिकन खरीदारों तक इसके पहुंच की मंजूरी प्रदान करने से क्रूड ऑयल सप्लाई की दिक्कतें कम होने और कीमतों को नियंत्रित करने में निश्चित तौर पर निर्णायक मदद मिल सकती।

चीन सबसे बड़ा खरीदार

इस कदम से ईरान का जो तेल चीन में जा रहा है, वो क्रूड ऑयल दूसरे एशियाई देशों की तरफ भी अपना रुख मोड़ सकता है। इससे चीन को बाजार दर पर तेल खरीदना पड़ सकता है। साथ ही भारत, जापान, मलेशिया, फिलिपींस आदि दक्षिण एशिया के देशों के लिए क्रूड ऑयल उपलब्ध हो सकेगा। चीन अभी तक ईरानी क्रूड ऑयल का सबसे बड़ा खरीदार रहा है। फिलहाल तो भारत की रिफाइनरियों ने समुद्र में विद्यमान कार्गो जहाजों पर लदे हुए लाखों बैरल रूसी क्रूड ऑयल को ही खरीदा है। खाड़ी देशों से आयातित होने वाले क्रूड ऑयल का अधिकांश हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। फिलहाल युद्ध के जारी रहते हुए होर्मुज स्ट्रेट से कार्गो जहाजों की आवाजाही अत्यंत बाधित हो चुकी है। 2018 में ईरान पर सख्त अंतरराष्ट्रीय पाबंदियां आयद किए जाने से पहले तक भारत द्वारा कुल आयातित क्रूड ऑयल का तकरीबन 15 प्रतिशत हिस्सा ईरान से आयात किया जाता था। अमेरिकन वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के मुताबिक इस वक्त तकरीबन ईरान का 17 करोड़ बैरल क्रूड ऑयल समुद्र में कार्गो शिप्स पर विद्यमान है। ईरान का यह समस्त तेल पहले से अनुबंधों से कदाचित बंधा हुआ नहीं है। ईरानी क्रूड ऑयल का एक हिस्सा इस समय विक्रय के लिए तैयार है। अगर अमेरिका द्वारा इन पाबंदियों को ढीला कर दिया जाता है अथवा उनका शक्ति से पालन नहीं होता तो फिर इस क्रूड ऑयल की अतिरिक्त सप्लाई अंतरराष्ट्रीय मार्केट में आ सकती है। उल्लेखनीय है कि भारतीय रिफाइनरियां ईरानी तेल को अपने सिस्टम में लाने के लिए सक्षम रही हैं और उसके प्रोसेसिंग के लिए बहुत कम ऑपरेशन बदलाव की आवश्यकता होगी। भारतीय रिफाइनरियों के पास पहले से ही ईरानी क्रूड ऑयल को प्रोसेस करने का बाकायदा अनुभव और तकनीक उपलब्ध रही है।

रिफाइन तेल निर्यात जारी

देखा जाए तो विश्व पटल पर भारत वस्तुतः क्रूड ऑयल को रिफाइन करने वाला सबसे बड़ा चौथा देश है। क्रूड तेल और गैस सप्लाई में विकेट बाधाओं का सामना करते हुए भी भारत ने चीन की तरह रिफाइन तेल के अंतरराष्ट्रीय निर्यात पर रोक आयद नहीं की है। हालांकि भारत के समक्ष भी ऊर्जा संकट की कड़ी चुनौतियां विद्यमान हैं। फिलहाल तो भारत के सामने पेट्रोल-डीजल की समुचित सप्लाई का कोई तत्कालीन संकट उपस्थित नहीं है, किंतु युद्ध जारी रहता है तो फिर भारत में पेट्रोल और डीजल की सप्लाई पर विकट संकट का सामना करना पड़ सकता है। ईरान पर आयद पाबंदियों को ढीला करने के लिए अमेरिका के वित्त मंत्री के ऐलान को अमलीजामा पहनाने में अभी और वक्त लग सकता है, क्योंकि उनके ऐलान पर राष्ट्रपति ट्रंप ने कोई स्पष्ट ऐलान नहीं किया गया है।

तथ्यात्मक मुद्दों पर वोट करें मतदाता

जागरूकता

योगेश कुमार सोनी
स्वतंत्र पत्रकार

आगामी कुछ दिनों में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं, जिसको लेकर पक्ष-विपक्ष पूरी ताकत लगाकर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। इन चुनावों में सत्ता पक्ष के लिए चुनौती थोड़ी ज्यादा इसलिए बढ़ी हुई है, चूंकि इस समय ऊर्जा संकट को लेकर माहौल बना हुआ है। अब सवाल यही है कि क्या विपक्ष धरातल व तथ्यात्मक मुद्दों के साथ ऊर्जा संकट का तड़का लगाकर सत्ता पक्ष को घेरता है और वहीं इसके विपरीत सत्ता पक्ष यह बताने में सार्थक हो पाता है कि सब ठीक है।

संसाधनों की मांग बढ़ी

जैसा कि मिडिल ईस्ट तनाव की वजह से देश में ऊर्जा संकट के दौरान बिजली, कोयला, पेट्रोल, या गैस जैसे ऊर्जा संसाधनों की मांग उनकी कुल आपूर्ति से थोड़ी अधिक हो गई। इसकी वजह से ईंधन की कमी के कारण उद्योग, परिवहन, और घरेलू उपयोग की चीजों पर थोड़ा प्रभाव पड़ गया है और यदि यह प्रकरण लंबा चला तो स्थिति थोड़ी चिंताजनक हो सकती है। इन मुद्दों को चुनावी रंग देकर लेकर विपक्ष लगातार मौजूदा सरकार को घेरने में लगा हुआ है, लेकिन फिलहाल केन्द्र सरकार ने अभी तक तो स्थिति को नियंत्रित किया हुआ है। इस मामले को लेकर जनता को यह समझना होगा कि यह कोई स्थायी समस्या नहीं है और यह आज नहीं तो कल खत्म हो जाएगी, लेकिन वोट देने वाले लोगों को यह समझना होगा कि वह अपने उन मुद्दों पर वोट करें, जिससे वह पांच सालों से संतुष्ट या असुंष्ट रहे हैं। जनता को यह भी समझना होगा कि यह एक वैश्विक स्तर की आपदा है।

उम्मीदवार की ईमानदारी, उसकी विचारधारा और उसके द्वारा किए गए वादों की व्यावहारिकता पर बहुत कुछ निर्भर करता है, चूंकि कहीं ऐसे नेता भी होते हैं जो पार्टी में रहते हुए उस विचारधारा के विपरित होते हैं।

विश्व पटल पर प्रयास

इसके निवारण के लिए विश्व पटल पर प्रयास भी किया जा रहा है और यदि इस वजह से कुछ समय की लिए देश गति धीमी अर्थात महंगाई बढ़ना या संसाधनों में कमी भी आ जाती है तो इस मुद्दे को लेकर वोट करने पर अपनी विचारधारा न बांधें चूंकि आप जिन मुद्दों को बीते पांच वर्षों से गहनता के साथ समझ रहे हैं, चाहे वो सकारात्मक हो या नकारात्मक उस पर अपनी विचारधारा के साथ अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। जनता को वोट डालते समय अपनी तरक्की, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, और स्थानीय विकास जैसे सड़क, बिजली, पानी के मुख्य मुद्दों को मद्देनजर रखते हुए अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। उम्मीदवार की ईमानदारी, उसकी विचारधारा और उसके द्वारा किए गए वादों की व्यावहारिकता पर बहुत कुछ निर्भर करता है, चूंकि कहीं ऐसे नेता भी होते हैं जो पार्टी में रहते हुए उस विचारधारा के विपरित होते हैं, लेकिन अपनी क्षेत्रीय जनता के लिए काम बहुत बेहतर करते हैं। इन चुनावों में कई मौजूदा मुख्यमंत्रियों के लिए भी यह मुकाबला ऐतिहासिक साबित हो सकता है। ममता बनर्जी चौथी बार लगातार सत्ता में लौटने का लक्ष्य लेकर मैदान में हैं।

लगातार जनादेश पाने की कोशिश

वहीं, एम के स्टालिन दूसरी बार लगातार जनादेश पाने की कोशिश कर रहे हैं। हेमंत बिस्वा भी असम में दूसरी बार सरकार बनाने की उम्मीद कर रहे हैं, जबकि पिनाराई विजयन केरल में लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने का रिकॉर्ड बनाने की कोशिश कर रहे हैं। वैसे तो हर राज्य का चुनाव महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल का चुनाव पक्ष-विपक्ष के लिए वर्चस्व की लड़ाई मानी जाती है। जैसा कि पश्चिम बंगाल का चुनाव फिर से हर बार की तरह मुद्दों से कहीं परे होगा। यहां का चुनाव तो भारत-पाकिस्तान के मैच की तरह रोमांच बनाता है। चूंकि यहां की जनता के मस्तिष्क में पार्टियों ने मुद्दों के अलावा केवल वजूद की लड़ाई को भर रखा है।

बहरहाल, हर मतदाता को अपनी सूझबूझता के साथ गुणवत्ता के आधार पर अपने मत का प्रयोग करना चाहिए और यह समझना चाहिए कि केंद्र में बैठी सरकार को अपने देश की चिंता होती है। वह हर स्थिति में संतुलन बनाए रखने का प्रयास करती है। वहीं, जनता को भी समझना होगा कि विषम परिस्थियों में धैर्य और विश्वास ही काम आता है।

तंगी है पर घरेलू भंडारण से उम्मीद

चिंतन

सुशील देव
स्वतंत्र पत्रकार

दुनिया का तेल भंडार, जिसे हम तेल रिजर्व कहते हैं, वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था और अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण आधार है। यह कच्चा तेल यानी क्रूड ऑयल जमीन के अंदर, खासकर समुद्री सतह के नीचे पाया जाता है। इसका निर्माण लाखों-करोड़ों वर्षों में समुद्री जीवों और वनस्पतियों के अवशेषों पर दबाव और तापमान के प्रभाव से होता है। यही कारण है कि तेल एक सीमित प्राकृतिक संसाधन माना जाता है। तेल रिजर्व के काम को तीन मुख्य चरणों में समझा जा सकता है- खोज, उत्पादन और भंडारण। सबसे पहले वैज्ञानिक आधुनिक तकनीकों, जैसे सिस्मिक सर्वे के जरिए यह पता लगाते हैं कि जमीन के नीचे तेल कहां मौजूद हो सकता है। इसके बाद ड्रिलिंग यानी कुओं की खुदाई करके कच्चा तेल बाहर निकाला जाता है।

उन्नत तकनीक और भारी निवेश की जरूरत

यह प्रक्रिया काफी जटिल और महंगी होती है, जिसमें उन्नत तकनीक और भारी निवेश की जरूरत होती है। निकाले गए कच्चे तेल को रिफाइनरियों में भेजा जाता है, जहां उसे पेट्रोल, डीजल, केरोसिन और अन्य उपयोगी उत्पादों में बदला जाता है। लेकिन केवल उत्पादन ही पर्याप्त नहीं होता। हर देश भविष्य की जरूरतों और आपात स्थितियों को ध्यान में रखते हुए तेल का भंडारण भी करता है, जिसे स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व यानी एसपीआर कहा जाता है। अमेरिका, चीन और भारत जैसे बड़े देश अपने-अपने स्तर पर बड़े पैमाने पर तेल का भंडारण करते हैं। इसका उद्देश्य यह है कि यदि युद्ध, प्राकृतिक आपदा या आपूर्ति में बाधा जैसी स्थिति उत्पन्न हो, तो देश को ऊर्जा संकट का सामना न करना पड़े। भारत ने भी इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। दक्षिण भारत के विशाखापत्तनम, बेंगलुरु और पादुर जैसे स्थानों पर रणनीतिक तेल भंडार विकसित किए गए हैं। ये भंडार आपात स्थिति में देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में सहायक साबित होते हैं।

तेल रिजर्व संकट के समय मजबूत 'बफर' का काम करते हैं। यदि वैश्विक स्तर पर आपूर्ति और नीतियां संतुलित रहें, तो इनकी मदद से कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

घरेलू भंडारण क्षमता काफी मजबूत

यह भी स्पष्ट है कि भारत की घरेलू भंडारण क्षमता पहले की तुलना में काफी मजबूत हुई है। इसके साथ ही, भारत का सीमित घरेलू उत्पादन और विभिन्न देशों के साथ अच्छे संबंधों के चलते कच्चे तेल का आयात भी संतुलित बना हुआ है। यही कारण है कि मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद देश की ऊर्जा स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर बनी हुई है। तेल रिजर्व केवल ऊर्जा आपूर्ति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनका सीधा असर वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी कारण से तेल की आपूर्ति प्रभावित होती है, तो कीमतों में तेजी से वृद्धि होती है। ऐसे समय में देश अपने रणनीतिक भंडार से तेल जारी करके बाजार में आपूर्ति बढ़ाते हैं, जिससे कीमतों के अत्यधिक बढ़ने को कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

बाजार को स्थिर रखने की कोशिश

हाल के युद्ध जैसे हालात जैसे ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच तनाव ने एक बार फिर यह दिखाया है कि तेल रिजर्व कितने महत्वपूर्ण हैं। भारत सहित कई देशों ने अपने भंडार का उपयोग कर बाजार को स्थिर रखने की कोशिश की है। केंद्र सरकार का दावा है कि देश में पेट्रोल और डीजल का लगभग 60 दिनों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है, जो किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि तेल रिजर्व एक स्थायी समाधान नहीं हैं। इनकी मात्रा सीमित होती है और लंबे समय तक संकट रहने पर इनका असर कम हो सकता है। इसके अलावा, तेल की कीमतें काफी हद तक तेल उत्पादक देशों के संगठन, ओपेक की नीतियों पर भी निर्भर करती हैं। इस प्रकार कहा जा सकता है कि तेल रिजर्व युद्ध और संकट के समय एक मजबूत 'बफर' का काम करते हैं। यदि वैश्विक स्तर पर आपूर्ति और नीतियां संतुलित रहें, तो इनकी मदद से कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

पश्चिम एशिया युद्ध अर्थव्यवस्था पर बढ़ाएगा दबाव

चुनौती

रवि शंकर
स्वतंत्र स्तंभकार

अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इसका असर अब एशियाई देशों पर साफ दिखने लगा है। एशिया के ज्यादातर देश तेल और गैस के लिए पश्चिम एशिया पर निर्भर हैं, इसलिए सप्लाई में रुकावट आते ही कीमतें बढ़ गई हैं। इसका सीधा असर इन देशों के खर्च, व्यापार और अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

ऊर्जा की कीमतें बढ़ना सिर्फ पेट्रोल-डीजल तक सीमित नहीं रहता। इसका असर ट्रांसपोर्ट, बिजली, खेती और खाने-पीने की चीजों तक पहुंचता है। गैस की कमी से फर्टिलाइजर उत्पादन प्रभावित होता है, जिससे खेती महंगी हो जाती है और फूड प्राइस बढ़ने लगते हैं। ऐसे में तेल की कीमत बढ़ते ही आम आदमी की जेब पर सीधा असर पड़ता है। इस संकट का असर एक नहीं, बल्कि चार बड़े चैनलों से एशिया तक पहुंच रहा है। पहला, तेल और गैस के आयात महंगे हो रहे हैं। दूसरा, ट्रांसपोर्ट और हवाई यात्रा बाधित हो रही है, जिससे टूरिज्म पर असर पड़ रहा है।

तीसरा, पश्चिम एशिया से आने वाली रेमिटेंस में कमी का खतरा है। और चौथा, वित्तीय बाजारों में डर बढ़ रहा है, जिससे निवेश कम हो सकता है। इन चारों का संयुक्त असर अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ सकता है। पश्चिम एशिया में उभरे इस संकट से भारत भी अछूता नहीं। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिमी एशिया में उपजे संकट पर लोकसभा में बात रखी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बढ़ता तनाव वैश्विक अर्थव्यवस्था और आम लोगों के जीवन पर प्रतिकूल असर डाल रहा है, जिसका प्रभाव भारत पर भी पड़ सकता है।

साफ है कि अब इस संकट का असर वैश्विक सप्लाई चेन, ऊर्जा आपूर्ति और बाजारों पर देखने को मिल रहा है। बता दें, भारत अपने कच्चे तेल का 90 प्रतिशत दूसरे देशों से आयात करता है, जबकि एलपीजी 60 प्रतिशत और एलएनजी का आधे से अधिक आयात होता है। यह आपूर्ति मुख्यतः खाड़ी देशों से ही होती है। इस आयात का ज्यादातर हिस्सा केवल एक अस्थिर क्षेत्र यानी पश्चिम एशिया से आता है। यही कारण

भारत अपने कच्चे तेल का 90 प्रतिशत दूसरे देशों से आयात करता है, जबकि एलपीजी 60 प्रतिशत और एलएनजी का आधे से अधिक आयात होता है।

है कि इस क्षेत्र में किसी भी रुकावट को नीति निर्माताओं और तेल कंपनियों के लिए तत्काल चिंता का विषय बना देता है। फिर भी, भारत के ऊर्जा योजनाकारों का तर्क है कि 1970 दशक के खाड़ी संकटों की तुलना में आज देश ऐसी बाधाओं से निपटने के लिए बेहतर स्थिति में है। पिछले कुछ वर्षों में भारत किसी एक क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कम करने के लिए जानबूझकर अपनी कच्चे तेल की स्रोत रणनीति में विविधता लाया है। भारत के लिए खाड़ी क्षेत्र भविष्य के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है।

इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत जैसे देश भारत के दीर्घकालिक कच्चे तेल अनुबंधों का एक बड़ा हिस्सा आपूर्ति करते हैं। इन देशों से आने वाला तेल जामनगर, वडीनार और पारादीप जैसे भारतीय बंदरगाहों तक पहुंचने से पहले होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। ऐसे में इस जलमार्ग के लंबे समय तक बंद रहने से भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार संतुलन पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। भारत के सामने भी इस युद्ध ने अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।

ये चुनौतियां आर्थिक भी हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ी हैं और मानवीय भी हैं। कुल मिलाकर, यह संकट एशिया के लिए एक डबल झटका बनकर सामने आ रहा है। एक तरफ महंगी ऊर्जा और बढ़ती महंगाई, और दूसरी तरफ धीमी होती आर्थिक ग्रोथ। दुनिया के कई ऐसे देश हैं, जहां इस संकट का असर दिखना शुरू हो गया है। एकमात्र राहत यह है कि कुछ देशों के पास भंडार और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत हैं लेकिन अगर यह संघर्ष लंबा चला, तो एशिया की अर्थव्यवस्था के लिए यह एक बड़ा झटका साबित हो सकता है।

रणनीतिक स्वायत्तता की परीक्षा

ऐसे में पश्चिम एशिया का संकट केवल विदेश नीति की चुनौती नहीं है, बल्कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की एक व्यापक परीक्षा है, जो ऊर्जा, खाद्य, समुद्री क्षेत्र, प्रवासी समुदाय और आर्थिक सुरक्षा के बीच गहरे अंतर्संबंधों को उजागर करती है। इससे मिलने वाला स्थायी सबक यह है कि लचीलापन बार-बार आने वाले झटकों से निपटने में नहीं, बल्कि विद्युतीकरण, विविधीकरण, घरेलू क्षमता निर्माण और दीर्घकालिक रणनीतिक दूरदर्शिता के माध्यम से बाहरी निर्भरता को व्यवस्थित रूप से कम करने में निहित है।

वस्तुओं-सेवाओं पर आर्थिक मार से आम आदमी त्रस्त

दृष्टिकोण

विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र पत्रकार

यह कठोर सत्य है कि विज्ञान, प्रगति, तकनीक तथा आधुनिकता की अति ने लोगों व देशों के मतभेदों को भयंकर वैश्विक युद्धों में परिवर्तित कर दिया है। इजराइल और ईरान के मध्य लगभग एक महीने से युद्ध हो रहा है। अमेरिका भी इजराइल की ओर से युद्धरत है। युद्धक प्रक्षेपास्त्रों द्वारा हो रहे हमलों के कारण इजराइल, ईरान तथा अमेरिकी सैन्य संरचनाओं व अन्य संसाधनों को अपने यहां स्थापित करने वाले खाड़ी के देशों सऊदी अरब, यूएई, कतर, बहरीन, इत्यादि में हजारों लोग मर चुके हैं। हजारों की संख्या में बुरी तरह घायल हैं।

इन सभी देशों के महत्वपूर्ण शासकीय भवन, आवासीय परिसर तथा तेल व गैस की संरचनाएं ध्वस्त हो चुकी हैं। लाखों मानवों के सामने भूख-प्यास से पीड़ित होते हुए दीर्घ विस्थापन का संकट पसर चुका है। इन देशों में अब तक चली आ रही जीवन की सामान्य गतिविधियां ठप हैं। अमेरिकी मिसाइलों द्वारा ईरान के परमाणु संवर्द्धन स्थलों, तेल-गैस की संरचनाओं तथा अन्य महत्वपूर्ण व्यावसायिक ठिकानों पर किए गये अनेक हमलों के कारण ईरान के माध्यम से यूरोप व एशिया को होने वाली तेल-गैस की आपूर्ति तात्कालिक स्तर पर ही नहीं, बल्कि आगामी दिनों-महीनों के लिए भी बाधित हो गई है।

हालांकि वैश्विक तेल आपूर्ति में ईरान की हिस्सेदारी लगभग दो या तीन प्रतिशत है, किंतु दुनिया के विभिन्न हिस्सों में पहुंचने वाला बीस प्रतिशत कच्चा तेल व द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) ईरान, ओमान व संयुक्त अरब अमीरात की समुद्री सीमाओं के रास्ते होकर पहुंचता है। ईरान पर दशकों से लगे अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत भी अपनी आवश्यकता का तेल व गैस रूस और इराक से खरीद रहा था, लेकिन भारत तक जो भी 40 प्रतिशत कच्चा तेल व 54 प्रतिशत से अधिक एलएनजी आती है, उसका आयात संकरे होर्मुज मार्ग से ही संभव हो पाता है। भूमध्य सागर की इस समुद्री पारिस्थितिकी के एक माह तक युद्ध में फंसे होने के कारण, दुनिया को निर्यात होने वाला तेल-गैस ठप हो गया था। अब, जब अमेरिका से लेकर भारत, चीन से लेकर

युद्ध के आलोक में भारत को देखें तो देश में तेल-गैस के क्षेत्र में कुछ सीमा तक आत्मनिर्भर होने के बाद भी, अभी भी, बड़ी मात्रा में हम आयात पर ही निर्भर हैं।

रूस तथा यूरोप से लेकर पश्चिम व पूरे एशिया क्षेत्र में तेल-गैस की सुचारू आपूर्ति बाधित होने से, अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में ठहराव के गंभीर संकेत मिलने लगे हैं तो अमेरिका के नेतृत्व में युद्ध को रुकवाने की कोशिशें होने लगी हैं। हालांकि युद्ध को रोकने के लिए पूरी दुनिया के प्रमुख देश प्रयास तो कर ही रहे थे, किंतु जिन देशों के अस्त्र-शस्त्र विनिर्माताओं व कारोबारियों के कारोबारी हित युद्ध को चलाये रखने के साथ जुड़े हुए थे, एक महीने तक उनके हथियारों की युद्धक खपत के बाद अर्थात युद्ध की बदौलत चलने वाले उनके कारोबारी फायदे के बाद, अब तेल-गैस की आपूर्ति बाधित होने से होने वाले अखिल वैश्विक नुकसान की समीक्षा होने लगी है।

वैश्विक ग्राम में परिवर्तित दुनिया के शीर्ष दस देशों की अर्थव्यवस्था की चमक केवल युद्ध होते रहने से नहीं बढ़ेगी। उत्तर आधुनिक काल के जीवन की सामान्य दैनिक गतिविधियों के बल पर ही यह चमक बढ़ेगी, इसलिए अब विशेषकर अमेरिका की ओर से युद्ध थामने की कोशिशें होने लगी हैं। यदि युद्ध के आलोक में भारत को देखें तो पूरी दुनिया में सबसे अधिक जनसंख्या वाले इस देश में तेल-गैस के क्षेत्र में कुछ सीमा तक आत्मनिर्भर होने के बाद भी, अभी भी, बड़ी मात्रा में हम आयात पर ही निर्भर हैं, जो होर्मुज के युद्ध प्रभावित होने से एक माह की अवधि तक पिछड़ गई है। ऐसे में भारत के आम आदमी के सामने अनेक समस्याएं उभर रही हैं। तेल-गैस की सामान्य आपूर्ति नहीं हो पा रही। युद्धावधि के दौरान घरेलू व व्यावसायिक गैस की कीमतें भी बढ़ गई थीं। आगामी दिनों में भी कीमतें बढ़ सकती हैं। उद्योग आधारित अर्थव्यवस्था में तेल-गैस प्रमुख भूमिका में हैं। इनकी आपूर्ति में बाधा के कारण उद्योग, व्यापार में ठहराव है। परिवहन क्षेत्र सर्वाधिक प्रभावित है। आधुनिक जीवन व्यवस्था में एक वस्तु की आपूर्ति में संकट उत्पन्न होने से अनेक अन्य वस्तुओं-सेवाओं का व्यापार अवश्य प्रभावित होता है।

तेल व गैस मुख्य पांच आवश्यकताओं में शामिल हैं। भविष्य में ऐसे किसी भी संकट का सामना करने के लिए देश को ऊर्जा, ईंधन के क्षेत्र में पूर्णतः आत्मनिर्भर होने की आवश्यकता है। भारत के शासनतंत्र में विपक्ष की भूमिका, वैश्विक युद्धों तथा प्राकृतिक संकटों की पुनरावृत्ति के बाद भी नागरिकों के प्रति दायित्वबोधी नहीं हो पा रही है। विपक्ष के कारण भारतीय लोकतंत्र के प्रति अधिसंख्य संवेदनशील नागरिकों में मौन गंभीर विद्रोह पसर रहा है।

छिंदवाड़ा रामगढ़ पंचायत के ग्राम पिपरिया फतेहपुर में पेयजल व्यवस्था के नाम पर गंभीर अनियमितताएं उजागर

पानी के नाम पर खेला करोड़ों का खेल!

फर्जी कुएं, दूषित पानी और पंचायत में खुला भ्रष्टाचार का 'तालाब'

हरिभूमि न्यूज ⏭ चौरई (भुजेन्द्र शर्मा)

छिंदवाड़ा जिले की चौरई तहसील के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रामगढ़ के ग्राम पिपरिया फतेहपुर में पेयजल व्यवस्था के नाम पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का सनसनीखेज मामला सामने आया है। ग्रामीणों द्वारा दिए गए लिखित आवेदन ने पंचायत की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि लाखों रुपए की लागत से बनाए गए कुएं न सिर्फ गलत स्थान पर बनाए गए, बल्कि उनमें भरा पानी भी दूषित है, जिससे ग्रामीणों की सेहत पर खतरा मंडरा रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत द्वारा पेयजल संकट दूर करने के नाम पर लगभग 10 से 15 लाख रुपए की लागत से कुओं का निर्माण कराया गया। लेकिन यह निर्माण कार्य नियमों और तकनीकी मानकों को ताक पर रखकर किया गया। आरोप है कि पंचायत के सरपंच पति ने इन कुओं का निर्माण तालाब के अंदर ही करवा दिया, जो कि पूरी तरह से गलत और अवैधानिक है। दरअसल, जिस तालाब में ये कुएं बनाए गए हैं, उसी तालाब से पहले ही सड़क निर्माण के लिए मुरम निकाली जा चुकी थी और उसे गहरा कर दिया गया था। ऐसे में उसी गहराई का फायदा उठाकर कुओं का निर्माण कर दिया गया।

ग्रामीणों का कहना है कि यह पूरी प्रक्रिया केवल कागजों में सही दिखाने और पैसे के बंदरबांट के लिए की गई। मामले को और गंभीर तब बना देता है जब इसमें इंजीनियर की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। आवेदन के अनुसार, पीएचई विभाग के इंजीनियर ने खुद इस निर्माण को गलत बताया और साफ कहा कि इस कुएं का पानी पीने योग्य नहीं है।

इंजीनियर ने दी थी चेतावनी

इस प्रकरण में यह बात उल्लेखनीय है कि इंजीनियर ने चेतावनी दी कि इस पानी के सेवन से गंभीर बीमारियां फैल सकती हैं। इसके बावजूद, पंचायत द्वारा इस कुएं को पेयजल स्रोत के रूप में दिखाकर सरकारी राशि का उपयोग किया गया। सवाल यह उठता है कि जब तकनीकी अधिकारी ही इसे असुरक्षित बता रहे थे, तो फिर निर्माण कार्य को अनुमति कैसे दी गई? क्या यह सब मिलीभगत का परिणाम है? ग्रामीणों का आक्रोश अब खुलकर सामने आ रहा है। उनका कहना है कि एक तरफ वे स्वच्छ पानी के लिए तरस रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उनके नाम पर फर्जी योजनाओं के जरिए भ्रष्टाचार किया जा रहा है। गांव में पाइपलाइन डालने की बात भी सामने आई है, लेकिन उससे भी कोई लाभ नहीं मिल रहा।

सरपंच पति पर है गंभीर आरोप

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी और सरपंच पति ने मिलकर गलत स्थान पर निर्माण कराकर भारी भ्रष्टाचार किया है। यह सिर्फ पैसे की बर्बादी नहीं, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। आवेदन में साफ तौर पर मांग की गई है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, जो राशि इस फर्जी निर्माण में खर्च की गई है, उसकी वसूली कर सही स्थान पर नया कुआं बनाया जाए, ताकि ग्रामीणों को वास्तव में पेयजल की सुविधा मिल सके। ग्रामीणों ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस मामले में कार्रवाई नहीं की गई, तो वे मजबूर होकर आंदोलन और धरना प्रदर्शन का रास्ता अपनाएंगे। इससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं कि आखिर क्यों इतने गंभीर मामलों में समय रहते कार्रवाई नहीं होती।

सिस्टम की खुली पोल, एक गांव का नहीं कई गांवों की है कहानी

यह मामला केवल एक गांव का नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की पोल खोलता है। सरकार जहां एक ओर हर घर जल योजना के तहत गांव-गांव तक स्वच्छ पानी पहुंचाने का दावा कर रही है, वहीं जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। पंचायत स्तर पर हो रहे इस प्रकार के भ्रष्टाचार से यह साफ है कि निगरानी तंत्र पूरी तरह से फेल हो चुका है। अगर समय रहते ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो सरकार की योजनाएं सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह जाएंगी। अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन इस गंभीर मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या वास्तव में दोषियों पर कार्रवाई होती है

कार्रवाई नहीं तो होगा आंदोलन

पिपरिया फतेहपुर के ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि पेयजल घोटाले की निष्पक्ष जांच नहीं की गई और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों का कहना है कि लाखों रुपए खर्च कर बनाए गए कुएं न केवल गलत स्थान पर हैं, बल्कि उनमें भरा पानी दूषित है और स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। वे अब चुप नहीं बैठेंगे और अपने हक के लिए धरना-प्रदर्शन करेंगे। गांववासियों ने प्रशासन से तत्काल कदम उठाने और फर्जी निर्माण में खर्च हुई राशि की वसूली कर सही स्थान पर नया कुआं बनाने की मांग की है।

सत्ताधारी दल और विपक्ष दोनों पक्षों के जनप्रतिनिधियों ने क्यों रखा मौन

ग्रामीणों के मन में यह विचार निरंतर आ रहा है कि सत्ताधारी पक्ष और विपक्ष ने मौन क्यों रखा है। वे इस मामले में कुछ प्रतिक्रिया क्यों नहीं दी। क्या आरोपियों को इनका संरक्षण प्राप्त है। अगर है तो संरक्षण देने वाले नेता चुनाव के समय किस मुंह से इस गांव में वोट मांगेंगे। क्योंकि कंठ सूखने पर जो दो बूंद पानी की देकर प्यास न बुझा सके उन्हें तो वोट मांगने का भी हक नहीं। जिम्मेदारी तो दोनों प्रमुख दलों के जनप्रतिनिधियों की बनती है। जनप्रतिनिधि इतनी बेशर्मी भी न लादे की जनता रोड पर आकर आपके खिलाफ प्रतिक्रिया करने को मजबूर हो जाए।

फिर बना आदिवासी युवक बाघ का शिकार, दो माह में चौथी घटना

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

वन विकास निगम बेहरई रेंज के अन्तर्गत आने वाले जंगल मे बाघ के द्वारा आज फिर एक आदिवासी युवक का शिकार किया गया है जिससे क्षेत्र मे भय का माहोल बना हुआ है। उल्लेखनीय है ग्राम डोरली निवासी युवक विनोद पिता अमरसिंह उईके उम्र 32 वर्ष सबेरे महूआ चुनने के लिये गया था साथ विनोद के साथ महूआ चुनने के लिये माता पिता के साथ साथ छोटा भाई भी गया हुआ था जो पूरा परिवार अलग अलग दिशा मे महूआ चुनने मे लग गये जंगल घना होने के कारण एक दूसरे को देख पाना मुश्किल था इसी बीच बाघ ने विनोद को अपना शिकार बना लिया तथा विनोद के शरीर को घसीटते हुऐ नाली मे लेजाकर रख दिया

छोटे भाई ने देखा शेर-समीप ही महूआ चुन रहे छोटे भाई पंकज ने सबसे पहले जंगल मे बाघ को देखा तथा शोर मचाना प्रारम्भ किया इसी बीच बाघ की दहाड से अन्य लोग जो महूआ चुनने जंगल गये हुऐ थे इक_ा होने लगे किन्तु तब तक बाघ के द्वारा विनोद का शिकार किया जा चुका था परिवार मे विनोद के माता पिता तथा भाई तथा भाई की पत्नि जंगल मे ही मौजूद थी किन्तु मृतक विनोद

की पत्नि गर्भवती होने के कारण घर पर ही थी। घटना की सूचना मिलते ही वन परिक्षेत्र अधिकारी रवि प्रसाद गेडाम वन विकास निगम बेहरई अपने स्टाफ के साथ घटना स्थल पर पहूच गये तथा घटना की सूचना अपने उच्चाधिकारी यो को दी सूचना मिलते ही एसडीओ अनिल छत्री भी घटना स्थल पर पहूचे तथा शासन से आठ लाख रूपये की राशि जो नियमावली मे है देने की घोषणा की तथा मौके पर ही परिवार को बीस हजार रूपये की सहायता राशि प्रदान की साथ बाघ के शिकार विनोद के शव को वन परिक्षेत्र अधिकारी के द्वारा अपनी उपस्थिति मे पी एम के लिये सिवनी ले जाया गया तथा पूरा दिन मृतक के परिवार के साथ खडे हो अन्तिम संस्कार तक अपने स्टाफ के साथ अपनी उपस्थिति बनाये रखी।

हनुमान लोक में आज से गूँजेगी जगद्गुरु रामभद्राचार्य की ओजस्वी वाणी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर

विश्व प्रसिद्ध चमत्कारिक श्री हनुमान मंदिर संस्थान, जामसांवली (हनुमान लोक) में रविवार 29 मार्च से भक्ति और अध्यात्म का भव्य आयोजन प्रारंभ हो रहा है। पद्म विभूषण से सम्मानित प्रख्यात रामकथा मर्मज्ञ जगद्गुरु रामभद्राचार्य के आगमन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है।संस्थान अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने बताया कि महाराज श्री चित्रकूट से विशेष विमान द्वारा नागपुर पहुंचेंगे, जहां से हेलीकॉप्टर द्वारा सुबह 11 बजे जामसांवली आएंगे। उनके स्वागत के लिए दिंडी, कलश यात्रा और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भव्य तैयारी की गई है। भक्त निवास में पाद पूजन एवं सम्मान समारोह आयोजित होगा।दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक महाराज श्री भगवान श्रीराम के आदर्शों पर अपने प्रवचन देंगे। आयोजन स्थल को आधुनिक सुरक्षा व्यवस्थाओं से सुसज्जित किया गया है, साथ ही श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग, पेयजल और बैठने की व्यापक व्यवस्था की गई है।12 अप्रैल तक चलने वाले इस धार्मिक आयोजन को लेकर ट्रस्ट कमेटी ने अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालुओं से उपस्थित होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

संघर्ष से सिद्धि तक का ऐतिहासिक सफर

14 जनवरी 1950 को जन्मे जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी ने बाल्यकाल में ही अपनी दृष्टि खो दी थी, किंतु अपनी अद्भुत स्मरण शक्ति और साधना के बल पर उन्होंने 22 भाषाओं का ज्ञान और 200 से अधिक ग्रंथों की रचना की। अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि विवाद में महाराज श्री की शास्त्रसम्मत और प्रामाणिक गवाही ने उच्चतम न्यायालय के निर्णय में मील का पत्थर साबित होने का कार्य किया। उनके इसी अद्वितीय योगदान हेतु भारत सरकार ने उन्हें 2015 में 'पद्म विभूषण' से अलंकृत किया। चित्रकूट स्थित 'तुलसी पीठ' और दिव्यांगों के लिए समर्पित विश्वविद्यालय के माध्यम से वे मानवता की सेवा कर रहे हैं।उनके अद्वितीय योगदान के लिए भारत सरकार ने वर्ष 2015 में उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया। जामसांवली में आयोजित यह आयोजन न केवल एक धार्मिक अनुष्ठान है, बल्कि यह क्षेत्र के आध्यात्मिक जागरण का एक विराट महोत्सव सिद्ध होगा। 2 अप्रैल तक चलने वाले इस विशाल और भव्य दिव्य आयोजन को लेकर चमत्कारी हनुमान मंदिर ट्रस्ट कमेटी की ओर से यहां आने वाले हजारों श्रद्धालुओं भक्तों एवं दर्शकों के लिए बैठक पार्किंग पेयजल आदि की ऐतिहासिक तैयारी और व्यवस्था की गई है।

शादी का झांसा देकर आबरू लूटने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार

बुढार। शादी का झांसा देकर एक युवती की अस्मत लूटने और फिर जातिगत अपमान करने वाले मुख्य आरोपी कान्हा उर्फ आकाश चेलानी को पुलिस ने धर दबोचा है। बीती 11 फरवरी को एक पीड़िता ने अपनी आपबीती सुनाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी कि मिश्रा कॉलोनी निवासी कान्हा चेलानी ने शादी का वादा कर उसके साथ लगातार शारीरिक संबंध बनाए। जब पीड़िता ने विवाह का दबाव बनाया, तो आरोपी ने उसकी जाति को लेकर अभद्र टिप्पणी की और साफ मुकर गया। पुलिस ने तत्काल एक्शन लेते हुए कान्हा सहित आशीष और नवीन चेलानी के खिलाफ बीएनएस और एससी/ एसटी एक्ट के तहत गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया था। थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने जाल बिछाया। एक आरोपी पहले ही पुलिस के हत्थे चढ़ चुका था, वहीं शनिवार 28 मार्च को मुख्य शिकारी कान्हा चेलानी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

चार पंचायतों की बिजली कटी, छाया अंधेरा

नगरपालिका पर 23 लाख एवं पंचायतों पर 4 करोड़ बकाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ पांढुर्णा

शुक्रवार को बिजली विभाग ने बकाया वसूली को लेकर सख्त कार्रवाई करते हुए हिवरा, कलमगांव, बडचिचोली और बोथिया पंचायत क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर बिजली कनेक्शन काट दिए। अचानक हुई इस कार्रवाई से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा और उन्हें पूरी रात अंधेरे में बितानी पड़ी।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिजली विभाग ने यह कदम लंबे समय से बकाया बिलों की वसूली के लिए उठाया है।

विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नगरपालिका परिषद, ग्राम पंचायतों और अन्य उपभोक्ताओं पर कुल मिलाकर 7 करोड़ 24 लाख रुपए से अधिक की राशि बकाया है। कई बार नोटिस और सूचना देने के बावजूद भुगतान नहीं किए जाने के कारण विभाग को यह सख्त कदम उठाना पड़ा।बताया जा रहा है कि नगरपालिका परिषद पर लगभग 23 लाख रुपए का बकाया है, जबकि ग्राम पंचायतों पर 4 करोड़ 72 लाख 66 हजार रुपए से अधिक की राशि लंबित है।

इसके अलावा अन्य उपभोक्ताओं पर भी बड़ी रकम बकाया है, जिससे विभाग पर वित्तीय दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है।बिजली विभाग के अनुसार, बकाया वसूली अभियान अभी जारी रहेगा और आने वाले दिनों में और भी कनेक्शन काटे जा सकते हैं। विशेष रूप से ग्राम पंचायत क्षेत्रों में रहने वाले करीब 525 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटने की योजना बनाई गई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जब तक बकाया राशि जमा नहीं की जाएगी, तब तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की जाएगी।इस कार्रवाई से प्रभावित गांवों के ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है। उनका कहना है कि अचानक बिजली काटे जाने से उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा, खासकर रात के समय बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को परेशानी हुई। कई घरों में पानी की व्यवस्था भी प्रभावित हुई, क्योंकि मोटर और पंप बिजली पर निर्भर हैं।वहीं, विभाग का कहना है कि यह कार्रवाई मजबूरी में की जा रही है और उपभोक्ताओं को पहले ही कई बार चेतावनी दी जा चुकी थी। अब विभाग ने साफ कर दिया है कि बकाया राशि जमा कराने पर ही बिजली कनेक्शन दोबारा जोड़े जाएंगे।स्थिति को देखते हुए संभावना जताई जा रही है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला, तो ग्रामीणों और प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति बन सकती है।

नाबालिग भतीजी को चाचा भगा कर ले गया

खजुराहो। रिश्ते को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है, जहां एक चाचा ने अपनी नाबालिग भतीजी को बहला-फुसलाकर भगा लिया। यह घटना 27 मार्च की रात खजुराहो जिले के थाना राजनगर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खजवा में हुई। गांव की रहने वाली नाबालिग लड़की, जो रिश्ते में भतीजी लगती है, अपने चाचा रोहित रैकवार के साथ फरार हो गई। पीड़िता की मां का आरोप कि रोहित रैकवार उनकी बेटी को मोबाइल पर लगातार संपर्क में रखता था और उसे रंगीन सपने दिखाकर बहकाता था। साथ ही वह लड़की के माता-पिता और भाई को जान से मारने की धमकी भी देता था। लड़की के पिता ने राजनगर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में उन्होंने बताया कि खजुराहो थाना क्षेत्र के अचनार गांव निवासी रोहित रैकवार ने उनकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा लिया है। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी रोहित रैकवार की तलाश शुरू कर दी है। मामले की जांच जारी है।

सटई रोड इलाके में जोरदार धमाका, घरों में कंपन और धुआं, ग्रामीणों में दहशत

छतरपुर। शहर के सटई रोड क्षेत्र में शुक्रवार को जोरदार धमाके की घटना ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। धमाके की तेज आवाज सुनकर आसपास के कई घरों में कंपन महसूस किया गया और हवा में धुआं भर गया, जिससे स्थानीय निवासियों में भारी दहशत फैल गई। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। ग्राम मौराहा के ग्रामीणों ने बताया कि वे खेत में फसल कटाई का काम कर रहे थे, तभी आसमान में एक प्लेन तेज रफ्तार से निकला। प्लेन करीब 30-40 फीट की ऊंचाई पर था और उससे काफी धुआं निकलता दिखाई दिया। ग्रामीण घबरा गए और दहशत में आ गए। सटई रोड के निवासियों ने बताया कि धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि घरों के दरवाजे हिलने लगे और बाथरूम में रखे पानी के बर्तनों तक में पानी उछल पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटना पहले भी दो बार हो चुकी है, लेकिन इस बार धमाके की आवाज और प्रभाव ज्यादा तीव्र था, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। कुछ लोगों ने आसमान में फाइटर जेट उड़ान भरने की भी चर्चा की, लेकिन अभी तक प्रशासन या पुलिस की ओर से इस घटना के कारणों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इसी तरह की घटना छतरपुर जिले के चंदला क्षेत्र में भी देखने को मिली, जहां ग्रामीणों में काफी दहशत फैली। वहां का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि धमाका किसी विमान की इंजन फेलियर, सैन्य गतिविधि या किसी अन्य कारण से हुआ।

9वीं में फेल छात्रा ने लगाई फांसी, मौत

छतरपुर। जिले में एक दुखद घटना सामने आई है, जहां 9वीं कक्षा की एक छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को छात्रा को जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि हाल ही में आए परीक्षा परिणाम में छात्रा तीन विषयों में फेल हो गई थी, जिससे वह काफी परेशान और तनाव में थी। इसी अवसाद के चलते उसने यह कदम उठा लिया। मृतिका के भाई रामदास अहिरवार, निवासी जनकपुर थाना ईशानगर, ने बताया कि गुरुवार को ही परिणाम आया था और उसी के बाद से छात्रा गुमसुम थी। शुक्रवार को उसने घर में फांसी लगा ली। घटना के बाद परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया।

देवगढ़ में अपनेपन के मुरीद हुए फ्रांस से आए मेहमान

समां की खीर खाकर बोले- वेरी टेस्टी, गिफ्ट दी गुल्लक

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के सहयोग से देवगढ़ में बने होम स्टे में फ्रांस ने आए मेहमानों का भावभीना स्वागत किया गया। तीन दिन तक रूके फ्रांसीसी मेहमानों ने होमस्टे में रूककर जाना ग्रामीण संस्कृति और कल्चर को जाना। सूदूर अंचल में बसे गांव कलकोट घूमा और भोजन के बाद समां की खीर खाकर कहा- वेरी टेस्टी। देवगढ़ में मिले अपनेपन के मुरीद होकर गए फ्रांस के मेहमानों ने कहा कि वे अपने देश के लोगों को यहां मिली बेमिसाल खातिरदारी के बारे में जरूर बताएंगे। म.प्र. टूरिज्म बोर्ड ने बैक टू विलेज संस्था

के साथ मिलकर देवगढ़ गाँव के होम-स्टे को अद्भुत रूप से विकसित किया है। होम-स्टे करने वाले पर्यटक यहाँ दी जा रही बेहतरीन सुविधाओं की तारीफ करते नहीं थकते।

कलकोट में देखे आदिवासियों के घर

देवगढ़ भ्रमण के दौरान फ्रांसीसी मेहमानों ने सूदूर अंचल में बसे गांव कलकोट घूमा। यहां पर मवासी आदिवासियों के घरों में बनने वाले भोजन, उनके रहन-सहन व संस्कृति को समझा। विदेशी मेहमान कलकोट के घरों में देशी परिवेश में भोजन, तीज-त्योहार और कल्चर जैसे विभिन्न गतिविधियों से रूबरू हुए। इसके आलावा देशी पोषक एवं पहनावा, आदिवासियों की श्रृंगार सामाग्री भी देखी। मक्के की रोटी और चटनी खाईविदेशी मेहमानों ने यहां पर परंपरागत भोजन ही किया।

मक्के की रोटी, टमाटर की चटनी, समां की खीर

उन्हें बेहद पंसर आई। इन मेहमानों ने गांव में बनी गुल्लक खरीदी और होम स्टे संचालक कविता देवीसिंह धुर्वे को भेंट की। खास बात यह रही कि विदेशी मेहमानों ने होम स्टे के साथ ही ग्रामीणों के घर जाकर भी भोजन किया।

पातालकोट भी देखा

मोहखेड़ ब्लाक के ऐतिहासिक व पर्यटन ग्राम देवगढ़ में रूके फ्रांसीसी विदेशी मेहमानों ने होमस्टे में रूककर पर्यटन स्थल का आनंद उठाया। तीन दिनों के यात्रा के दौरान उन्होंने एक दिन पातलाकोट में बिताया। रातेड़ व चिमटीपुर के व्यू पांइट से उन्होंने पातालकोट देखा और रास्ते में आदिवासी ग्रामीणों से बातचीत की।

केन नदी में नहाते समय डूबने से 2 चचेरी बहनों की दर्दनाक मौत

लवकुशनगर। पुलिस अनुविभाग के गोयरा थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर पुल के नीचे केन नदी में नहाते समय दो चचेरी बहनों की डूबकर मौत हो गई। यह दर्दनाक हादसा तब हुआ जब दोनों बहनें अपने चाचा और अन्य परिजनों के साथ उत्तर प्रदेश के बांदा जिले स्थित विंध्यवासिनी देवी के दर्शन करने जा रही थीं। मृतक युवतियों की पहचान महाराजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत फुलारी गांव निवासी कु. माया कुशवाहा (18 वर्ष), पुत्री दया राम कुशवाहा तथा कु. रोशनी कुशवाहा (17 वर्ष), पुत्री लीला कुशवाहा के रूप में हुई है। दोनों बहनें टैक्सी से 7-8 लोगों के साथ यात्रा कर रही थीं। रास्ते में रामपुर पुल के नीचे नदी में नहाने के दौरान वे गहरे पानी में चली गईं और डूब गईं। मौके पर पहुंची गोयरा पुलिस ने दोनों युवतियों के शवों को रेस्क्यू किया। शवों का पंचनामा तैयार कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा बच्चों का भविष्यः 10 साल बाद भी अधूरा प्राथमिक स्कूल भवन

हरिभूमि न्यूज शहपुरा। शहपुरा जनपद अंतर्गत डिंडोरी जिले के ग्राम पंचायत कछारी माल में शिक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर लापरवाही और कथित अनियमितता का मामला उजागर हुआ है। लगभग एक दशक पहले शुरू हुआ प्राथमिक स्कूल भवन आज तक पूरा नहीं हो सका है जिससे गांव के बच्चों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार स्कूल भवन का निर्माण कार्य तत्कालीन पंचायत सचिव बलराम सिंह सैयाम के कार्यकाल में प्रारंभ हुआ था। उस समय ग्रामीणों और विद्यार्थियों में नए भवन को लेकर काफी उम्मीदें थीं लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है और भवन की छत तक नहीं डाली जा सकी है। जानकारी के अनुसार निर्माण कार्य के नाम पर लाखों रुपये खर्च होना अभिलेखों में दर्शाया गया है जबकि जमीनी स्थिति इसके विपरीत है। भवन आज भी अधूरा और जर्जर अवस्था में पड़ा हुआ है। इसके चलते बच्चों को मजबूरी में पुराने या अस्थायी व्यवस्था में बैठकर पढ़ाई करनी पड़ रही है।

इसरो का ये स्वदेशी नेविगेशन सिस्टम, अमेरिका भी रह गया दंग

जीपीएस को भूल जाइए, अब चलेगा भारत का नाविक!

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने अंतरिक्ष की दुनिया में अपनी एक अलग स्वदेशी पहचान बना ली है। हम अब केवल अमेरिकी जीपीएस पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि हमारे पास अपना खुद का नाविक है। किसी भी संकट के समय यह तकनीक भारत के लिए कितनी ढाल साबित हो सकती है, वैज्ञानिकों ने इसे विस्तार से समझाया है। आज के समय में हम जहां भी जाते हैं, मोबाइल में मैप खोलते हैं और रास्ता मिल जाता है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि यह सुविधा ज्यादातर विदेशी सिस्टम पर टिकी होती है। ऐसे में अगर कभी ये सिस्टम काम करना बंद कर दें, तो बड़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। इसी खतरे को देखते हुए भारत ने अपना खुद का नेविगेशन सिस्टम नाविक तैयार किया है। यह तकनीक धीरे-धीरे देश के लिए बेहद अहम बनती जा रही है। इसरो द्वारा बनाया गया नाविक अब स्मार्टफोन्स और कमर्शियल वाहनों में तेजी से अपनी जगह बना रहा है। कारगिल युद्ध के दौरान जब अमेरिका ने भारत को जीपीएस डेटा देने से मना कर दिया था, तभी भारत ने ठान लिया था कि उसका अपना 'आसमान का पहरेदार' होगा। आज इसरो का नाविक न केवल तैयार है, बल्कि यह अमेरिकी जीपीएस से भी ज्यादा सटीक और भरोसेमंद साबित हो रहा है।

क्या है नाविक?

नाविक का पूरा नाम नेविगेशन विद इंडियन कॉन्स्टेलेशन है। यह भारत का अपना रिजनल सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम है। इसमें 7 से 8 सैटेलाइट का एक समूह है, जो पृथ्वी से लगभग 36,000 किलोमीटर ऊपर तैनात हैं। यह न केवल पूरे भारत को कवर करता है, बल्कि देश की सीमाओं से 1500 किलोमीटर बाहर तक की सटीक जानकारी देता है।

कैसे काम करता है नाविक?

अमेरिका के जीपीएस और भारत के नाविक के काम करने के तरीके में एक बड़ा अंतर है। नाविक के सैटेलाइट भारत के ऊपर एक निश्चित स्थिति में रहते हैं।

जीपीएस से कैसे अलग है नाविक?

अमेरिका का जीपीएस पूरी दुनिया को कवर करता है, लेकिन भारत का नाविक विशेष रूप से भारत और उसके आसपास के 1,500 किलोमीटर के दायरे पर फोकस करता है। जीपीएस जहां आपको 20-30 मीटर तक की एक्यूरेसी देता है, वहीं नाविक भारत के अंदर 5 मीटर से भी कम की एकदम सटीक लोकेशन बता सकता है।

क्यों पड़ी इसकी जरूरत

नाविक बनाने के पीछे सबसे बड़ी वजह सुरक्षा और आत्मनिर्भरता है। अगर कभी युद्ध या किसी बड़े संकट की स्थिति बनती है, तो विदेशी सिस्टम पर निर्भर रहना खतरे से खाली नहीं रहता है। ऐसे समय में अपना खुद का सिस्टम होना बहुत जरूरी हो जाता है, जिससे जरूरी सेवाएं बिना रुके चलती रहें. यही सोचकर इसरो ने इस तकनीक को विकसित किया था।

दुनिया की सबसे जहरीली चीटियाँ जिनके काटते ही इंसान की हो सकती है मौत

दुनिया में हैरान कर देने वाले जीवों की भरमार है। कुछ देखने में बहुत शानदार लगते हैं, तो कुछ इतने डरावने होते हैं कि उन्हें देखकर ही किसी की भी रूह कांप जाए। हालाँकि, प्रकृति में, जो जीव अक्सर देखने में बहुत प्यारे लगते हैं, वे ही सबसे खतरनाक शिकारी साबित होते हैं। उदाहरण के लिए, छोटी-छोटी चींटियों को ही ले लीजिए।

बुलडॉग चींटी : मौत का दूसरा नाम बुलडॉग चींटी

वैज्ञानिकों के अनुसार, यह दुनिया की सबसे खतरनाक चींटी है। ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में पाई जाने वाली इस चींटी की लंबाई लगभग 1.5 इंच तक हो सकती है। अपने काले शरीर और लाल-नारंगी पेट वाली ये चींटियाँ इतनी जानलेवा होती हैं कि इनके काटने के महज़ 15 मिनट के अंदर ही किसी इंसान की मौत हो सकती है। आँकड़ों के मुताबिक, 1988 से अब तक इस चींटी ने सैकड़ों लोगों की जान ले ली है।

जो जीव अक्सर देखने में बहुत प्यारे लगते हैं, वे ही सबसे खतरनाक शिकारी साबित होते हैं

हरी पेड़ वाली चींटी : स्वाद और डर का अनोखा मेल

इन्हें 'एशियाई वीवर चींटियों' के नाम से भी जाना जाता है। ये पेड़ों की ऊँची डालियों पर अपनी बस्तियाँ बनाती हैं, और एक ही बस्ती में 500,000 तक चींटियाँ रह सकती हैं। ये बहुत ही दर्दनाक डंक मारती हैं; लेकिन, दिलचस्प बात यह है कि कई इलाकों में लोग इन्हें बड़े चाव से खाते हैं, क्योंकि इन्हें प्रोटीन का एक बेहतरीन स्रोत माना जाता है।

बुलहॉर्न अकेशिया चींटी : छोटा पैकेट, बड़ा धमाका

मध्य अमेरिका में पाई जाने वाली यह चींटी भले ही आकार में छोटी हो, लेकिन इसका डंक किसी ततैया के डंक जितना ही जोरदार होता है। यह इतनी आक्रामक होती है कि इसके काटने से इंसानों में एनाफाइलैक्टिक शॉक हो सकता है एक ऐसी स्थिति जो जानलेवा भी साबित हो सकती है।

फ्लोरिडा हार्वेस्टर चींटी: स्वाभिमानी लड़ाकू

ये चींटियाँ मुख्य रूप से बीज इकट्ठा करती हैं और बिना उकसाए किसी पर हमला नहीं करतीं। हालाँकि, अगर इन्हें बेवजह उकसाया जाए या इनके घोंसले को छेड़ा जाए, तो ये आपको डंक मारने में जरा भी नहीं हिचकिचाएँगी। इनके काटने से शरीर में तेज जलन वाला दर्द और भयंकर सूजन हो जाती है।

बुलेट चींटी : गोली लगने जैसा दर्द

इस चींटी को बुलेट चींटी नाम इसलिए मिला, क्योंकि इसके डंक से होने वाला दर्द ठीक वैसा ही महसूस होता है, जैसा गोली लगने पर होता है। अगर 1.2 इंच लंबी यह लाल-काली चींटी किसी को काट ले, तो पीड़ित को 24 घंटे तक असहनीय दर्द झेलना पड़ता है। इसका जहर कई गंभीर समस्याएँ पैदा कर सकता है, जैसे कि सूजन, दिल की धड़कन का तेज़ होना, और यहाँ तक कि मल में खून आना।

रोचक खबरें

शादी में दूल्हा या पावर हाउस? दूल्हे को ऐसे लिबास में देखकर यूजर्स रह गए दंग

शादियों में, दूल्हे का स्टाइल हमेशा सबका ध्यान खींच लेता है। कुछ लोग घोड़ी पर सवार होकर शाही अंदाज़ में एंट्री करते हैं, तो कुछ लग्ज़री कार में अपनी बारात लेकर निकलते हैं। लेकिन, सोशल मीडिया पर आजकल एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक दूल्हे का अनोखा स्टाइल देखकर लोग हंसते-हंसते लोटपोट हो रहे हैं। इस वीडियो में दूल्हे ने जो कपड़े पहने हैं, उन्हें देखकर ऐसा लगता है मानो लोगों के सामने अचानक कोई चलता-फिरता लाइटिंग सिस्टम आ गया हो।

दूल्हे के कपड़ों ने लूटी सारी लाइमलाइट : इस वायरल वीडियो में, दूल्हा अपनी बारात के दौरान ऐसे कपड़े पहने नज़र आ रहा है जो पूरी तरह से एलईडी लाइट्स से सजे हुए हैं। उसके कपड़ों, कंधों और सिर पर लगातार चमकने वाली रंग-बिरंगी लाइट्स लगी हुई हैं। जैसे-जैसे दूल्हा बारात के बीच चलता है, उसके शरीर पर लगी लाइट्स दूर से ही साफ दिखाई देती हैं। सचमुच, ऐसा लगता है जैसे कोई चलता-फिरता सजावटी सामान सड़क पर उतर आया हो।

लोगों को याद आया बिजली विभाग : दूल्हे के इस जगमगाते पहनावे को देखकर सोशल मीडिया यूज़र्स अपनी हंसी रोक नहीं पा रहे हैं। कई लोग मज़ाक में कह रहे हैं कि ऐसा लग रहा है जैसे दूल्हा बिजली विभाग का कर्मचारी बनकर बारात में आया हो। कुछ यूज़र्स ने तो यह भी मज़ाक किया कि अगर शादी के दौरान बिजली चली जाए, तो दूल्हे को बस स्टेज पर खड़ा कर देना चाहिए वह अकेले ही पूरी रोशनी का इंतज़ाम कर देगा! लोग अक्सर शादियों में अपनी एंट्री को सबसे अलग और यादगार बनाने की कोशिश करते हैं। कुछ लोग खास डांस परफॉर्मेंस से सबका ध्यान खींचते हैं, तो कुछ अनोखे कपड़े पहनकर ऐसा करते हैं। लेकिन, इस दूल्हे का तरीका तो सबसे हटके है। उसने अपने कपड़ों को इतना ज़्यादा चमकदार बना लिया है कि पूरी बारात में सबसे ज़्यादा वही नज़र आ रहा है।

राजस्थान का रहस्यमयी मंदिरः 800 साल से यहां राक्षस को अर्पित होता है भोग

भारत रहस्यों और आस्था की भूमि है, जहाँ हर मोड़ पर ऐसे चमत्कार देखने को मिलते हैं जो आधुनिक विज्ञान को भी रुककर सोचने पर मजबूर कर देते हैं। ऐसा ही एक चमत्कार राजस्थान के पाली ज़िले में स्थित देवी शीतला माता के प्राचीन मंदिर में देखा जा सकता है। इस मंदिर की कहानी जितनी विस्मयकारी है, उतनी ही भक्ति-भाव से भी भरी हुई है। यहाँ पिछले 800 वर्षों से एक अनोखी परंपरा चली आ रही है। एक ऐसी परंपरा जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह जाता है।

800 साल पुराना मंदिर : पाली ज़िले में स्थित, शीतला माता मंदिर के बारे में माना जाता है कि यह लगभग 800 साल पुराना है। यह मंदिर न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि इससे जुड़ी कई चमत्कारी कहानियों के कारण भी भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करता है। **रहस्यमयी ओखली का चमत्कार :** मंदिर परिसर के भीतर एक ओखली (मूसल कूटने का पात्र) है जो यहाँ आने वाले लोगों को आज भी हैरान कर देती है। कहा जाता है कि यह ओखली लगभग एक मीटर गहरी है, लेकिन इसमें चाहे कितने भी लीटर पानी क्यों न डाला जाए, यह कभी पूरी तरह से भरती नहीं है। भक्त इस घटना को देवी की दिव्य शक्ति का एक चमत्कारी रूप मानते हैं। इस मंदिर की सबसे अनोखी परंपरा यह है कि भक्त सबसे पहले एक राक्षस को *भोग* (पवित्र भोजन) चढ़ाते हैं, और उसके बाद ही देवी शीतला की पूजा करते हैं। यह परंपरा सुनने में जितनी अजीब लग सकती है, इसके पीछे की कहानी उतनी ही दिलचस्प और आस्था में गहरी जड़ें जमाए हुए है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, लगभग 800 साल पहले, इस क्षेत्र में 'बबरा' नाम का एक राक्षस रहता था। वह इतना क्रूर था कि ब्राह्मणों के घरों में होने वाले विवाह समारोहों के दौरान वह दूल्हों की हत्या कर देता था। परिणामस्वरूप, पूरा क्षेत्र भय और शोक के माहौल में डूब गया था। लोगों की प्रार्थना सुनकर, देवी शीतला ने एक छोटी बच्ची का रूप धारण किया और अपनी दिव्य शक्ति से उस राक्षस का वध कर दिया।

जनजाति

भारत का हिस्सा फिर भी अलग कानून

खतरनाक द्वीप जहां कदम रखना मौत को दावत देना है

भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में एक ऐसा द्वीप है जो कागजों पर भारत का हिस्सा है, लेकिन वहां की दुनिया बिल्कुल अलग है। नॉर्थ सेंटिनल आइलैंड दुनिया के सबसे रहस्यमयी और खतरनाक द्वीपों में गिना जाता है। यहां रहने वाली सेंटिनली जनजाति ने हजारों सालों से बाहरी दुनिया से कोई संपर्क नहीं रखा है। भारत सरकार ने यहां आम नागरिकों के जाने पर सख्त पाबंदी लगा रखी है। **पाषाण युग में जीने वाली आखिरी जनजाति :** नॉर्थ सेंटिनल आइलैंड पर रहनेवाले सेंटिनली लोग दुनिया की आखिरी ऐसी जनजाति हैं जो आज भी पाषाण युग की तरह जीवन जी रहे हैं। ये लोग कपड़े नहीं पहनते और शिकार व मछली पकड़कर अपना गुजारा करते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये जनजाति करीब 60 हजार सालों से इस द्वीप पर रह रही है। हैरानी की बात यह है कि इन्होंने खेती करना तक नहीं सीखा और आग जलाने की जानकारी भी सीमित है।

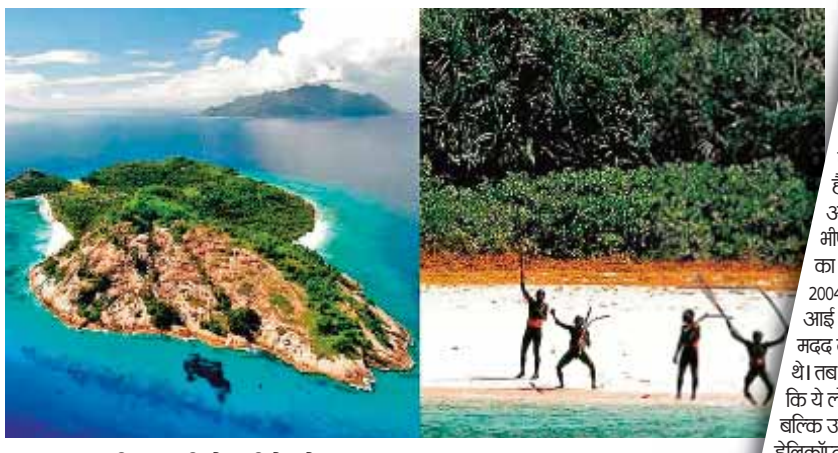

कानूनी पाबंदी के पीछे दो अहम कारण

भारत सरकार नेअंडमान और निकोबार द्वीप समूह आदिम जनजातियों का संरक्षण विनियमन 1956 के तहत इस द्वीप के पांच समुद्री मील के दायरे में जाने पर रोक लगा रखी है। इसके पीछे दो मुख्य कारण हैं। पहला, वहां के लोगों का हिंसक होना जिससे जान का खतरा है। दूसरा और सबसे अहम कारण यह है कि सेंटिनली लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बाहरी दुनिया के मुकाबले बहुत कम है। हमारे लिए मामूली जुकाम या फ्लू भी उस पूरी जनजाति का सफाया कर सकता है।

बाहरी दुनिया से हिंसक व्यवहार का इतिहास

सेंटिनलीलोग किसी भी बाहरी व्यक्ति को अपने करीब नहीं आने देते। जब भी कोई नाव या हेलिकॉप्टर द्वीप के पास पहुंचता है, ये लोग तीर और पत्थरों से हमला कर देते हैं। साल 2006 में दो भारतीय मछुआरे गलती से इस द्वीप के पास चले गए थे, जिन्हें आदिवासियों ने मार डाला था। उनके शवों को वापस लाने गई पुलिस और सेना को भी भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। यह हिंसक व्यवहार ही सरकार की पाबंदी की सबसे बड़ी वजह है।

सुनामी जैसी आपदाओं में भी रहस्यमयी बचाव

नॉर्थ सेंटिनल आइलैंड कासबसे बड़ा रहस्य यह है कि ये लोग बिना आधुनिक तकनीक के भीषण प्राकृतिक आपदाओं का सामना कैसे करते हैं। 2004 में जब भीषण सुनामी आई थी, भारत सरकार ने मदद के लिए हेलिकॉप्टर भेजे थे। तब यह देखकर हैरानी हुई कि ये लोग न सिर्फ सुरक्षित थे, बल्कि उन्होंने मदद लेने के बजाय हेलिकॉप्टर पर तीर चलाकर अपनी नाराजगी जताई थी।

नौसेना की निगरानी और सरकार की नीति

इस द्वीप की संवेदनशीलता को देखते हुए भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल लगातार इस इलाके की गश्त करते हैं। किसी भी पर्यटक या शोधकर्ता को वहां जाने की अनुमति नहीं दी जाती। सरकार की नीति हस्तक्षेप न करने की है। यह भारत की इकलौती ऐसी जगह है जहां संप्रभुता भारत की है, लेकिन शासन वहां के आदिवासियों का चलता है। यह द्वीप आज भी विज्ञान और

अंतरिक्ष में मिला बड़ा बादल... पृथ्वी के सभी समंदर से 140 लाख करोड़ गुना ज्यादा पानी

वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में एक बहुत बड़ा पानी बादल खोजा है। ये जिस जगह पर है, वहां अभी तक न कोई इंसान या स्पेसक्राफ्ट नहीं जा पाया है। यह पृथ्वी से 12 अरब प्रकाश वर्ष दूर है। इस बादल में धरती पर मौजूद सभी महासागरों से 140 लाख करोड़ गुना ज्यादा पानी है। इससे पता चलता है कि हमारा ब्रह्मांड कितना बड़ा है। पानी इतनी बड़ी मात्रा में होने से उम्मीद जगती है कि हम ब्रह्मांड में अकेले नहीं हैं। ये हमें प्रेरित करता है कि हम और ज्यादा खोज करें और ब्रह्मांड के रहस्यों को समझने की कोशिश जारी रखें।

ये पानी का बादल ब्रह्मांड के शुरुआती समय का है, जब आकाशगंगाएं बन रही थीं। ब्लैक होल अपने चारों तरफ के गैस को आकार दे रहे थे। ये बादल एक क्वासर के आसपास है, जिसके सेंटर में एक बड़ा ब्लैक होल है। ब्लैक होल इतना भारी है कि वह सूरज से 20 अरब गुना ज्यादा वजन है। ब्लैक होल के चारों तरफ गर्म गैस है, जिसमें पानी की भाप बहुत ज्यादा है।

अंतरिक्ष में इतना पानी यानी जीवन का सोर्स

वैज्ञानिक इस खोज से हैरान हैं क्योंकि पानी जीवन के लिए बहुत जरूरी है। अगर ब्रह्मांड के इतने शुरुआती समय में इतना पानी था, तो शायद जीवन की शुरुआत हमारी सोच से बहुत पहले हो चुकी होगी। ये बताता है कि पानी और जीवन के लिए जरूरी चीजें पूरे ब्रह्मांड में फैली हुई हैं, सिर्फ हमारे सौर मंडल तक सीमित नहीं हैं।

इंडोनेशिया में रहता है दुनिया का सबसे लंबा सांप, लंबाई जानकर रह जाएंगे हैरान

मारोस। रेटिकुलेटेड अजगर दुनिया के सबसे लंबे सांप होते हैं, जिनकी औसत लंबाई आमतौर पर 10 से 20 फीट के बीच होती है। हालांकि, इंडोनेशिया के जंगलों में दुनिया का सबसे बड़ा रेटिकुलेटेड अजगर मिला है, जिसकी लंबाई 23 फीट 8 इंच है। यह एक मादा अजगर है, जिसका शरीर एक बड़ी डिलिवरी ट्रक इतना लंबा है। इसकी लंबाई के चलते इस अजगर का नाम गिनीज बुक में शामिल कर दिया गया है।

कहां पाया गया था यह अजगर?

2025 में सुलावेसी के मारोस क्षेत्र में इस विशालकाय सांप को देखा गया था। इसके नाम दुनिया के सबसे लंबे ज्ञात सांप का विश्व रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। बेहोशी की हालत में, जब उसका शरीर पूरी तरह से शिथिल होता है तो वह 10 प्रतिशत और लंबा हो सकता है। देखा जाए तो वास्तव में उसकी लंबाई 26 फीट के करीब होने की संभावना है। हालांकि, गिनीज बुक ने सुरक्षा के लिहाज से उसे बेहोश करके नहीं मापा है।

एक विशाल पांडा जितना है सांप का वजन

इस अनोखे सांप का नाम इबू बैरन रखा गया है, जिसका मतलब 'उच्च सामाजिक स्थिति वाली महिला' होता है। इसकी लंबाई के साथ-साथ इसका वजन भी देखा गया था, जो कि 96.5 किलो है। इसके लिए उन तराजू का इस्तेमाल किया गया था, जिनका उपयोग आमतौर पर चावल की बोरियों का वजन करने के लिए किया जाता है। इबू की देखरेख अब स्थानीय संरक्षणवादी बुडी पुरवांतो कर रहे हैं, जिन्होंने एक सांप अभयारण्य भी बनाया हुआ है।

शिकार निगलते समय और बड़ा हो जाता है इबू का शरीर

नुग्राहा और फ्रेंटियू ने इबू के बारे में सुनते ही सुलावेसी की टिकट बुक कर ली थीं। दोनों यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि उसका उचित दस्तावेजीकरण हो। उन्हें उम्मीद है कि इससे भविष्य में इबू और उसके जैसी अन्य प्रजातियों की रक्षा करने में मदद मिलेगी। फ्रेंटियू ने इस सांप के बारे में कहा, उसकी हर मांसपेशी एक शक्ति का स्रोत है। ऐसे सांप की ताकत और विशाल शिकार को निगलते समय उसके फैलने की क्षमता प्रभावित करती है।

युद्ध की परिस्थितियों में भी सुरक्षित हैं ईरान में मौजूद मंदिर

ईरान और अमेरिका-इज़राइल गठबंधन के बीच चल रहे संघर्ष ने पूरी दुनिया को उथल-पुथल में डाल दिया है। दोनों तरफ से हमले लगातार जारी हैं। आसमान से बरसती मिसाइलों ने दोनों पक्षों को भारी नुकसान पहुँचाया है। अब तक, कई इज़राइली और अमेरिकी लोगों की जान जा चुकी है। इस संघर्ष के बीच ईरान में एक हिंदू मंदिर भी सुर्खियों में आ गया है।

विष्णु मंदिर की विशेषताएं : भगवान विष्णु को समर्पित इस मंदिर को एक शानदार इमारत के रूप में वर्णित किया गया है। मंदिर के अंदर एक चौकोर कमरा है, जिसके ऊपर एक बड़ा गुंबद बना हुआ है। इस मंदिर का निर्माण मूंगा पत्थर, गारा, मिट्टी और *लुई* (चूने) के प्लास्टर का उपयोग करके किया गया था। मंदिर में भगवान कृष्ण की कई मूर्तियाँ भी स्थापित हैं। हिंदू शास्त्रों के अनुसार, भगवान कृष्ण को भगवान विष्णु का आठवां और पूर्ण अवतार माना जाता है।

चाबहार का मंदिर

ईरान के शहर चाबहार में भी एक हिंदू मंदिर स्थित है। इसे एक मंदिर या मूर्तियों वाला एक पवित्र स्थान माना जाता है। कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण हिंदू व्यापारियों के एक समूह ने करवाया था, जो गुजरात से यहाँ आकर बस गए थे। यह मंदिर 19वीं सदी के अंत या 20वीं सदी की शुरुआत का है। इसका निर्माण भी मूंगा पत्थर और *लुई* प्लास्टर का उपयोग करके किया गया था।

तेहरान का प्रसिद्ध गुरुद्वारा

ईरान की राजधानी तेहरान में, एक प्रसिद्ध गुरुद्वारा भी है, जिसे 'भाई गंगा सिंह सभा' के नाम से जाना जाता है। इसका निर्माण वर्ष 1941 में किया गया था। ईरान में इसे 'मस्जिद-ए-हिंदान' के नाम से भी जाना जाता है। कहा जाता है कि यहाँ हर शुक्रवार को 'लंगर' (सामुदायिक भोजन) का आयोजन किया जाता है।

130 साल पुराना हिंदू मंदिर

ईरान में हिंदू आबादी बहुत कम है। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार, 2010 में ईरान में लगभग 20,000 हिंदू रहते थे। बंदर अब्बास ईरान में होर्मुज जलडमरूमध्य के पास स्थित एक शहर में एक लोकप्रिय हिंदू मंदिर है। भगवान विष्णु को समर्पित, यह मंदिर लगभग 130 साल पुराना बताया जाता है। इस मंदिर का पुनर्निर्माण 1982 में किया गया था। इसे मूल रूप से मोहम्मद हसन खान साद-अल-मुल्क ने बनवाया था। ऐसा व्यापक रूप से माना जाता है कि इस मंदिर का निर्माण ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी में काम करने वाले भारतीय मजदूरों ने किया था।

धरती पर बहने वाली दुनिया की सबसे लंबी और विशाल नदियां

नदियां इस धरती पर तब से बह रही हैं जब इंसानों का वजूद भी नहीं था, आज ये हमारी जिंदगी का सबसे अहम हिस्सा हैं। वैसे तो दुनिया में लाखों नदियां हैं, लेकिन क्या आप जानते है कि कि दुनिया की सबसे लंबी नदियां कौन सी हैं?

गंगा भारत की सबसे लंबी नदी : गंगा भारत की सबसे लंबी नदी है, जिसकी कुल लंबाई करीब 2, 525 किमी है। गंगा नदी उत्तराखंड के गंगोत्री ग्लेशियर से निकलकर, भारत के पांच राज्यों से बहते हुए बंगाल की खाड़ी में गिरती है लेकिन क्या आपको पता है कि दुनिया की सबसे लंबी नदियां कौन सी है?

नील नदी : नील दुनिया की सबसे लंबी नदी है, जिसकी लंबाई लगभग 6,650 किमी है। यह नदी उत्तर-पूर्वी अफ्रीका से शुरू होकर अफ्रीका के युगांडा, सूडान और मिस्र जैसे 11 देशों से होकर भूमध्य सागर में जाकर मिल जाती है।

मिसिसिपी और मिसौरी नदियां मिलकर उत्तरी अमेरिका का सबसे बड़ा नदी सिस्टम बनाती हैं। मिसौरी नदी रॉकी पहाड़ों से निकलकर मिसिसिपी नदी में जाकर मिल जाती है, जो फिर अमेरिका के बीचों-बीच से बहते हुए दक्षिण की तरफ मैक्सिको की खाड़ी में जाकर गिरती है। बताया जाता है कि नदी की कुल लंबाई 6,275 किमी है।

धरती की सबसे विशाल नदी अमेजन

अमेजन को धरती की सबसे विशाल नदी का टैग मिला हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नदी की लंबाई करीब 6,400 किमी है। अमेजन नदी पेरू, कोलंबिया और ब्राजील से होकर बहती है। इसके किनारे दुनिया की करीब 40 प्रतिशत जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों की प्रजातियां रहती हैं।

एशिया की सबसे लंबी नदी चीन की यांग्त्जी : चीन की यांग्त्जी नदी एशिया की सबसे लंबी नदी है, जिसकी लंबाई करीब 6,397 किमी के आसपास है। यह नदी तिब्बत पठार के ग्लेशियर से निकलकर पूर्वी चीन सागर में गिरती है। इसकी सबसे मजेदार बात यह है कि यह सिर्फ चीन में ही बहती है।

कोरोना का नए वेरिएंट : खतरनाक कीड़े पर नाम रखा गया सिकाडा

वॉशिंगटन। कोरोना के नए वेरिएंट (सिकाडा) का नाम केवल इत्तेफाक नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक गहरा साइंस है। वैज्ञानिकों ने इसे यह नाम इसलिए दिया, क्योंकि इसका व्यवहार सिकाडा कीड़ों (एक प्रकार का झींगुर) से मिलता जुलता है। सिकाडा एक ऐसा कीड़ा है, जो सालों तक जमीन के नीचे सुप्त अवस्था में रहता है और फिर अचानक लाखों की संख्या में बाहर आता है। दुनिया अभी पुराने कोविड वेरिएंट्स से उबर ही रही थी कि अमेरिका में कोरोना का एक नया वेरिएंट तेजी से पैर पसार रहा है। वैज्ञानिकों ने इसका नाम सिकाडा (बी. ए.3.2) दिया है। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, यह वेरिएंट अमेरिका के 25 राज्यों में पाया गया है। इसकी खास बात यह है

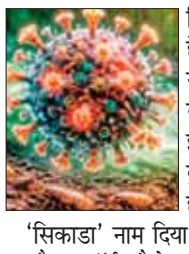

कि इसमें 70 से 75 म्यूटेशन हैं, जो इसे अब तक के सबसे ज्यादा म्यूटेशन वाले वेरिएंट्स में से एक बनाते हैं। इसके फैलने का पैटर्न और कुछ म्यूटेशन को देखते हुए ही वैज्ञानिकों ने इसे 'सिकाडा' नाम दिया है। फ्लोरिडा, कैलिफोर्निया और न्यूयॉर्क जैसे राज्यों में इसके सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। हम यहां आपको इसके नाम की कहानी और यह कितना खतरनाक है, इसके बारे में बताने जा रहे हैं।

क्या होता है सिकाडा : सिकाडा एक उड़ने वाला कीट है। इसके आप बड़े पारदर्शी पंखों के साथ चौड़े सिर और उभरी हुई लाल या काली आंखों से पहचान सकते हैं। यह दुनिया भर में पाया जाता है, लेकिन अमेरिका और एशिया के कुछ हिस्सों में इसकी मौजूदगी बहुत चर्चा में रहती है। यह किट हर साल गर्मियों में दिखाई देते हैं। ये कीड़े 13 या 17 साल तक जमीन के नीचे सोते रहते हैं। ये जमीन के नीचे पेड़ों की जड़ों का रस पीकर जीवित रहते हैं और ठीक 13 या 17 साल बाद करोड़ों की संख्या में एक साथ बाहर निकलते हैं। इनकी आवाज 100 डेसिबल से भी ऊपर जा सकती है। यह एक आम आदमी के लिए कान फोड़ देने वाला शोर हो सकता है। अब इसके इन्ही सब गुणों के देखते हुए कोविड-19 के नए वेरिएंट (बी.ए..3.2) को वैज्ञानिकों ने 'सिकाडा' निकनेम दिया है।

3 से 5 अप्रैल तक वाराणसी में होगा महानाट्य

अब वाराणसी में गूंजेगी सम्राट विक्रमादित्य की शौर्य गाथा

सम्राट विक्रमादित्य का भव्य मंचन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र में मोहन सरकार भारतीय ज्ञान परंपरा और गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पटल पर स्थापित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। गौरवमयी अभियान विक्रमोत्सव-2026 के तहत, मोक्षदायिनी नगरी वाराणसी में आगामी 3 से 5 अप्रैल 2026 तक भव्य महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का मंचन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की विशेष रुचि और दूरदर्शी सोच का परिणाम है कि बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से शुरू हुई यह सांस्कृतिक यात्रा अब बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी पहुंच रही है।

भारतीय न्यायप्रियता, वीरता और सुशासन के जीवंत प्रतीक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य केवल एक शासक नहीं, बल्कि भारतीय न्यायप्रियता, वीरता और सुशासन के जीवंत प्रतीक हैं। वाराणसी में होने वाला यह महानाट्य जन-जन को उस वैभवशाली कालखंड से परिचित कराएगा। जब सम्राट विक्रमादित्य ने आज से लगभग 2100 वर्ष पूर्व आक्रांता शकों का समूल नाश कर 'विक्रम संवत' का प्रवर्तन किया था, यह संवत विश्व की प्राचीनतम काल-गणनाओं में से एक है, जो भारतीय विज्ञान और खगोल शास्त्र की श्रेष्ठता को दर्शाता है।

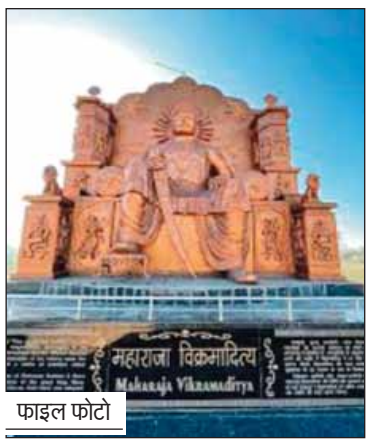

फाइल फोटो

अद्वितीय शौर्य और न्याय का चित्रण

वाराणसी में होने वाली तीन दिवसीय विक्रमादित्य महानाट्य के माध्यम से सम्राट विक्रमादित्य के 'शकारि' और 'साहसांक' बनने की गाथा को जीवंत किया जाएगा। नाटक में दिखाया जाएगा कि कैसे एक लोक-कल्याणकारी राजा ने अपने राजकोष से धन देकर प्रजा को ऋणमुक्त किया और एक ऐसा साम्राज्य स्थापित किया, जहां न कोई दरिद्र था और न ही कोई दुखी। साथ ही, सम्राट की 'नवरत्न' परंपरा-जिसमें कालिदास, वराहमिहिर और धन्वंतरि जैसे महान विद्वान शामिल थे-के माध्यम से 'श्रेष्ठ भारत' के निर्माण के संकल्प को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। दिल्ली के लाल किले पर सफल मंचन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सराहना के बाद, वाराणसी का यह मंचन एक नया मील का पत्थर साबित होगा।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर विक्रमोत्सव की ऐतिहासिक सफलता

*उज्जैन में आयोजित 'विक्रमोत्सव 2026' ने डिजिटल आउटरीच में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ की रिपोर्ट के अनुसार, 7 फरवरी से 24 मार्च 2026 के बीच इस आयोजन की डिजिटल रीच 17.72 करोड़ से अधिक रही है। सोशल मीडिया पर #**vikramut-sav**2026 जैसे हैशटैग्स ने वैश्विक स्तर पर ट्रेंड किया, जिससे सिद्ध होता है कि युवा पीढ़ी अपनी जड़ों की ओर लौटने को आतुर है। महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ और मप्र संस्कृति विभाग की ओर से आयोजित यह महानाट्य वाराणसी में न केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान को मजबूत करेगा, बल्कि राष्ट्रीय एकता के सूत्र को और अधिक सुदृढ़ करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के संकल्पों के अनुरूप यह आयोजन 'विकसित भारत' की राह में 'सांस्कृतिक पुनर्जागरण' का एक महत्वपूर्ण अध्याय है।*

केंद्र सरकार देगी अनुदान, नगरीय निकाय उपलब्ध कराएंगे स्थान

पीएम-ई ड्राइव योजना: मध्य प्रदेश के आठ शहरों में बनेंगे ईवी चार्जिंग स्टेशन

ई-बसों के लिए 63.22 करोड़ की स्वीकृति

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पेट्रोल-डीजल वाहनों पर निर्भरता कम करने और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। पीएम-ई ड्राइव योजना के तहत मध्य प्रदेश के भोपाल, इंदौर सहित आठ प्रमुख शहरों में पब्लिक इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे।

इसके लिए नगरीय निकायों से उपयुक्त स्थान चिन्हित करने को कहा गया है, जबकि अनुदान केंद्र सरकार उपलब्ध कराएगी। केंद्र के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने इन शहरों में ई-बस संचालन के लिए 63.22 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है, जिसमें से 57.13 करोड़ रुपए पहले ही जारी किए जा चुके हैं। वहीं, भारी उद्योग मंत्रालय के माध्यम से चार्जिंग स्टेशन के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी।

फाइल फोटो

भोपाल समेत इन शहरों से मंगाए प्रस्ताव

राज्य के जिन शहरों को योजना में शामिल किया गया है, उनमें भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, सागर, देवास और सतना शामिल हैं। इन सभी नगर निगमों से प्रस्ताव मांगे गए हैं, ताकि चरणबद्ध तरीके से चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा सकें।

भीड़भाड़ एवं पार्किंग वाले वाले स्थानों पर फोकस

नगरीय निकायों को निर्देश दिए गए हैं कि वे ऐसे स्थान चिन्हित करें, जहां लोगों की आवाजाही अधिक हो और पार्किंग की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध हो। इसके तहत बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, बड़े बाजार, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और प्रमुख सड़कों के आसपास चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा सकते हैं।

प्रदूषण में कमी व पेट्रोल डीजल पर निर्भरता कम

पीएम-ई ड्राइव योजना का मुख्य उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देना और प्रदूषण को कम करना है। लोक निर्माण विभाग के चीफ इंजीनियर बीपी पटेल के मुताबिक, शहरों में चार्जिंग स्टेशनों होने से पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता घटेगी, जिससे पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी।

मप्र में कोयले से बनेगी रसोई गैस, अडानी की कंपनियों को निर्माण की मंजूरी

मध्यप्रदेश की दो कोयला कंपनियों को कोयला खनन के साथ-साथ गैस निर्माण की भी स्वीकृति केंद्र सरकार ने प्रदान की है। सिंगरौली क्षेत्र की महान तथा गोंडबहेरा उज्जैनी पूर्व कोयला खदानें अडानी ग्रुप के स्वामित्व में हैं। इन खदानों में आगामी दो वर्षों के भीतर उत्खनन कार्य प्रारंभ होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। रसोई गैस निर्माण के लिए कंपनियों को पृथक संयंत्र स्थापित करने होंगे। इन संयंत्रों में निर्धारित तापमान पर कोयले का प्रसंस्करण कर गैस तैयार की जाएगी। यह पहला अवसर है, जब कोयला कंपनियां स्वयं कोयले से गैस निर्माण का कार्य करेंगी। इससे गैस की आपूर्ति व्यवस्था अधिक सुगम होने की संभावना है। प्रदेश में उत्पादित कोयले की आपूर्ति राज्य सरकार के बिरसिंहपुर, अमरकंटक, सारणी तथा खंडवा स्थित विद्युत उत्पादन केंद्रों को की जाती है। इसके अतिरिक्त केंद्र सरकार के सिंगरौली, गाडरवारा और खरगोन स्थित विद्युत केंद्र भी इससे जुड़े हैं। सासन, बीना तथा एनबी विद्युत सिंगरौली जैसे बड़े संयंत्रों को भी कोयला उपलब्ध कराया जाता है। वहीं शहडोल क्षेत्र में रिलायंस द्वारा कोयला परत मीथेन परियोजना संचालित की जा रही है। लगभग 997 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली इस परियोजना के अंतर्गत करीब 300 कुओं से प्राकृतिक गैस निकाली जा रही है। यह देश की प्रमुख अपारंपरिक ऊर्जा परियोजनाओं में से एक मानी जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, कोयले से गैस निर्माण की यह पहल ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने और गैस आपूर्ति को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है। इससे ऊर्जा आपूर्ति में परेशानी नहीं होगी।

ग्वालियर यूनिट में तैयार हथियारों से आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र को मिली मजबूती, तय समय से पहले पूरी हुई आपूर्ति

अदाणी डिफेंस ने भारतीय सेना को सौंपी स्वदेशी 'प्रहार' LMG की 2000 यूनिट

जबलपुर। भारत की प्रमुख रक्षा कंपनी Adani Defence & Aerospace (Adani Enterprises Limited का हिस्सा) ने Indian Army को स्वदेश में विकसित 'प्रहार' 7.62 मिमी लाइट मशीन गन (LMG) की 2,000 यूनिट सौंपी हैं। यह उपलब्धि देश की रक्षा आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में अहम मानी जा रही है।

मध्य प्रदेश के Gwalior स्थित अत्याधुनिक स्मॉल आर्म्स मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में तैयार की गई पहली खेप मात्र 7 महीनों में पूरी कर ली गई, जो तय समय से 11 महीने पहले है। इस कार्यक्रम में Ministry of Defence के डीजी एक्विजिशन ए. अनबरासु सहित वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मौजूद रहे। करीब 100 एकड़ में फैली यह यूनिट देश की पहली पूरी तरह इंटीग्रेटेड निजी स्मॉल आर्म्स निर्माण सुविधा है, जहाँ उन्नत तकनीक के साथ हर हथियार की कई स्तरों पर जाँच की जाती है। यह संयंत्र सालाना लगभग 1 लाख हथियार बनाने में सक्षम है और इससे स्थानीय रोजगार व MSME क्षेत्र को भी बढ़ावा मिल रहा है। साथ ही Kanpur स्थित एम्युनिशन कॉम्प्लेक्स (2024) इस उत्पादन को सहयोग देता है, जिसकी क्षमता हर साल 30 करोड़ छोटे कैलिबर गोला-बारूद बनाने की है। कंपनी भविष्य में क्लोज क्वार्टर बैटल (CQB) हथियारों के निर्माण की भी योजना बना रही है।

पीएम मोदी की नीतियों से देश में नहीं बढ़ेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने खाड़ी युद्ध के बीच उपभोक्ताओं के हितों का ध्यान रखते हुए एक बड़ा निर्णय लिया है। पेट्रोल-डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती स्वागत योग्य कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों से देश में पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे। भारतीय बाजार में तेल की उपलब्धता पर्याप्त रहेगी, उपभोक्ताओं पर भी तेल कीमतों का अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा और देश की तेल रिफायनरियां अपना काम सरलता से करती रहेंगी।

राशिफल

मेष आत्मविश्वास चरम पर रहेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी। नौकरी-व्यवसाय में नए अवसर आ सकते हैं। धन लाभ के योग बन रहे हैं।

वृष आर्थिक स्थिति आज मजबूत बनेगी। पुराने लंबित कार्य पूरे होने के संकेत हैं। परिवार में सुख-शांति रहेगी और पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

मिथुन कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी और मित्रों का सहयोग मिलेगा। सोच-समझकर महत्वपूर्ण निर्णय लें, जल्दबाजी से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क आज भावनाओं पर नियंत्रण रखें। कार्य में सावधानी बरतें, छोटी-छोटी गलतियों से बचें। परिवार का पूर्ण सहयोग मिलेगा, जो आपको बल देगा।

सिंह मान-सम्मान में वृद्धि होगी। सिंह राशि में चंद्रमा होने से आत्मविश्वास और ऊर्जा चरम पर रहेगी। नौकरी में लाभ के योग हैं । धन लाभ संभव है।

कन्या मेहनत का अच्छा फल मिलेगा। कार्य में व्यस्तता बढ़ेगी, लेकिन परिणाम संतोषजनक रहेंगे। नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं।

तुला रिश्तों में मधुरता आएगी। धन लाभ के अच्छे संकेत हैं। साझेदारी या पार्टनरशिप में सफलता मिलेगी। यात्रा संभव है, जो मनोरंजक साबित होगी।

वृश्चिक शत्रुओं या विरोधियों से सावधान रहें। धैर्य और संयम बनाए रखें। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। कार्य में सफलता मिलेगी, लेकिन मेहनत ज्यादा करनी

धनु यात्रा के योग बन रहे हैं, जो फायदेमंद साबित हो सकती है। नए कार्य में सफलता मिलेगी। धार्मिक या आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

मकर जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, लेकिन कार्य में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। बड़े फैसले सोच-समझकर लें।

कुंभ नई योजनाएं आज सफल होंगी। आर्थिक लाभ संभव है। कार्य में प्रगति होगी। मन प्रसन्न रहेगा। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी।

मीन मन शांत और प्रसन्न रहेगा।धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में सुख-शांति रहेगी। धन लाभ के योग हैं। यात्रा संभव है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कैदी के परिजनों को अटेंडेंट के रूप में उसके साथ रहने की शिकायत

कैदी को नियम-कायदों के विपरीत विशेष सुविधाओं का मामला, दो प्रहरी निलंबित

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर

सरगुजा जिला के सेंट्रल जेल अंबिकापुर में एक कैदी को नियमों के विपरीत विशेष सुविधाएं दिए जाने का मामला सामने आया है। शिकायत के बाद जेल प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो प्रहरियों को निलंबित कर दिया है। घटना ने जेल व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक, मनेंद्रगढ़ जेल से स्थानांतरित होकर अंबिकापुर पहुंचे एक सजायाफ्ता कैदी को चिकित्सकीय आधार पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल के जेल वार्ड में भर्ती कराया गया था। इसके लिए डॉक्टर द्वारा गंभीर बीमारी का प्रमाण पत्र जारी किया गया था। आरोप है कि इसके बाद कैदी के परिजनों को अटेंडेंट के रूप में लगातार उसके साथ रहने और आने-जाने की छूट दे दी गई, जिसका दुरुपयोग किया गया।

परिजन न केवल वार्ड में बेरोकटोक प्रवेश कर रहे थे, बल्कि मोबाइल फोन का उपयोग, घर का भोजन और मिनरल वाटर जैसी सुविधाएं भी कैदी को उपलब्ध करा रहे थे।

जेल अधीक्षक ने अस्पताल के जेल वार्ड का किया निरीक्षण

मामले की शिकायत मिलने पर जेल अधीक्षक अक्षय सिंह राजपूत ने अस्पताल स्थित जेल वार्ड का निरीक्षण किया। जांच में वार्ड का ताला खुला मिला और नियमों के उल्लंघन की पुष्टि हुई। इसके बाद ड्यूटी पर तैनात प्रहरी जयप्रकाश कुजूर और लोकनाथ निषाद को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। साथ ही कैदी के परिजनों को दी गई अटेंडेंट की अनुमति भी रद्द कर दी गई है। जेल प्रशासन के अनुसार मामले की विस्तृत जांच जारी है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने जारी किए सख्त दिशा-निर्देश

बिना अनुमति किसी भी उद्योग को नहीं मिल सकेगा डीजल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

जिले में पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता बनाए रखने और इसके गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए कलेक्टर संजय अग्रवाल ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। यह आदेश राज्य सरकार के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के दिशा-निर्देशों के तहत लागू किया गया है। जारी निर्देशों के अनुसार, अब पेट्रोल पंप संचालक बिना अनुमति किसी भी उद्योग को डीजल नहीं दे सकेंगे। अगर किसी विशेष परिस्थिति में जरूरत होती है, तो संबंधित क्षेत्र के एसडीएम या तहसीलदार की अनुमति लेना अनिवार्य होगा। सामान्य लोगों के लिए भी नियम तय किए गए हैं। अब पेट्रोल-डीजल केवल सीधे वाहनों में ही भरा जाएगा, किसी डिब्बे या अन्य पात्र में ईंधन देने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

रखना होगा डीजल का हिसाब

वहीं, कृषि कार्य, जनरेटर और छोटे उद्योगों के लिए डीजल पहले की खपत के आधार पर ही दिया जाएगा और उसका अलग से रिकॉर्ड रखना होगा। कलेक्टर ने पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहन पर भी कड़ी निगरानी के निर्देश दिए हैं। सभी पेट्रोल पंपों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की नियमित जांच होगी। अगर कहीं अवैध परिवहन या कालाबाजारी पाई जाती है, तो आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए- 33वर्ष, 5' 2'', B.E.Civil. Mtech, Structural Desing Engineer, पुणे में कार्यरत, 5 लाख वार्षिक पैकेज सुंदर सुशील कन्या हेतु नौकरी पेशा, समकक्ष साहू वर चाहिए, मैरिज ब्यूरो क्षमा करें। संपर्क करें:- मो.-99261-98299 (240)

वर/वधु चाहिए

वर/वधु चाहिए- 28 वर्षीय वधु के लिए वर तथा दो 32 वर्षीय वर के लिए वधु तथा 65 वर्षीय वर के लिए वधु चाहिए जाति बंधन नहीं सम्पर्क करें- 7400556967, 74005 56967 (10411)

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे घूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 इंच लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। बरसों की कमजोरी बादमीं, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नहीं तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

शब्द पहेली - 6179

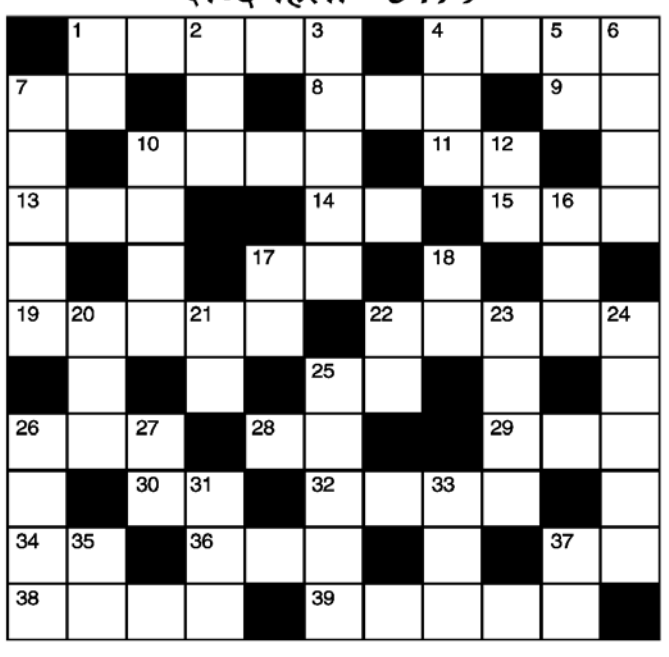

बाएँ से दाए
1. राजा का पुत्र-5
4. मन को हरने वाला-4
7. काल, समय, पीरियड-2
8. खोदना-3
9. मोटा आटा-2
10. पशु, मवेशी-4
11. जलापूर्ति का साधन-2
13. पुत्र, बेटा-3
14. क्षार, खारा-2
15. दर, मूल्य-3
17. नौका-2
19. नारायण-नारायण रटनेवाले देवर्षि-5
22. लालन-पालन-5
25. अच्छा, भला-2
26. पूर्ण करना-3
28. गोष्ठी, सम्मेलन-2
29. हुनरमंद-3
30. पिता का भाई -2
32. कुरुपता-4
34. इसाई साध्वी -2
36. टेंशन, परेशानी-3
37. खुजली -2
38. अशक्त, निर्बल-4
39. नगर में रहनेवाला-5

ऊपर से नीचे
1. झगड़ा, बैर, द्वेष-2
2. सद्पुरुष, अच्छे कुल का-3
3. सार-संभाल-2,3
4. विचार करना-3
5. प्रत्येक-2
6. परंपरा, धर्मविधी-4
7. आवास, गरीबखाना-5
10. संपत्ति-4
12. भाग्यशाली (अंग्रेजी-2)
16. भालू-बंदर नचाने वाला-3
17. मां की मां-2
18. भय, खौफ-2
20. वेग, गति-3
21. मुंह, चेहरा-2
22. पैर, ओहदा-2
23. वर्धनशील, बढ़नेवाला-4
24. शकरगंजी, कंद-5
25. सभागार, सभाकक्ष-5
26. भयंकर, खतरनाक-4
27. मोड़-2
31. कायर, डरपोक-3
33. तीन घंटे का समय, प्रहर-3
35. भीगा हुआ-2
37. नौकरानी-2

शब्द पहेली- 6178 का हल

	रा	ज	क	पू	र		अ	च	र	ज
ज	य		रा		क्षि	ति	ज		त	ला
ना		अ	मा	न	त		र	वा		व
न	सी	ह			व	ह		म	का	न
खा		म		र	न	र			ल	
ना	म	क	र	ण		स	ला	ह	का	र
	हा			वी	रा	ना		र		ज
का	न	न		र	ज			जा	ग्र	त
म		र	ज		घ	ब	रा	ना		प
का	र		ग	ज	रा		ज		प	ट
ज	न	म	त		ना	ट	क	का	र	

सूडोकु नवताल - 6189

सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

MANGAL SENACHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6188 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और हरियाणा से एक साथ प्रकाशित
जबलपुर, रविवार 29 मार्च 2026

जीवन की दिशा बदल देगा जापानी दर्शन
मिलेगी अच्छी सेहत-खुशी और सुकून

शांति पसंद करने वाले खुशहाल-समृद्ध देश जापान के लोगों का जीवन दर्शन ही ऐसा है, जो उन्हें बेहतर स्वास्थ्य और भरपूर सुकून देता है। जापानी जीवन दर्शन के कुछ सरल सिद्धांत अपनाकर आप भी अपने जीवन में खुशहाली के साथ सफलता भी हासिल कर सकते हैं। जापानी दर्शन के ऐसे ही कुछ सिद्धांतों के बारे में जानिए।

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई सफलता के साथ-साथ सुकून और शांति की चाहत भी रखता है। लेकिन समृद्धि और सामाजिक प्रतिष्ठा के पीछे भागते हुए हम अकसर उस सबसे कीमती चीज को खो देते हैं, जिसे 'सुकून' कहते हैं। गलत खान-पान, बढ़ती मानसिक-शारीरिक बीमारियां, तनाव, अकेलापन और हर वक्त मन में कुछ अधूरा-सा महसूस होना, आधुनिक समय में लगभग हर व्यक्ति की समस्या बन चुकी है। ऐसे में सदियों पुराने जापानी जीवन दर्शन से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं।

हारा हाची बु सेहत-दीर्घायु का आहार मंत्र

जापानी स्वास्थ्य दर्शन का एक गोल्डन रूल है 'हारा हाची बु'। इसका सरल अर्थ है, 'केवल तब तक खाएं, जब तक आपका पेट 80 प्रतिशत न भर जाए।' यह सिद्धांत हमें 'ओवर ईटिंग' से बचाता है। वैज्ञानिक रूप से, मस्तिष्क को पेट भरने का संकेत मिलने में लगभग 20 मिनट लगते हैं। जब हम 80 प्रतिशत पर रुक जाते हैं, तो हम वास्तव में अपनी भूख के अनुसार सटीक मात्रा में खाते हैं। यह आदत हमें मोटापे, हृदय रोग और मधुमेह को दूर रखती है। जापान के प्रांत ओकिनावा के लोगों की लंबी उम्र का एक बड़ा कारण इस जीवन दर्शन को माना जाता है।

शोकूनिन अपने काम में रुचि लेना

जो लोग अपने पेशे या व्यवसाय को बोझ समझते हैं और अपनी किस्मत को कोसते हुए इसे किसी तरह निपटाने की मानसिकता रखते हैं, वे न तो प्रोफेशनल फ्रंट पर सफल हो पाते हैं न सुखी रहते हैं। ऐसे में आपको जापानी दर्शन 'शोकूनिन' समझना चाहिए। इसका अर्थ केवल 'कारीगर' से संबंधित नहीं है, बल्कि यह एक दृष्टिकोण है। एक शोकूनिन अपने काम को पूर्णता के साथ करने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर देता है, चाहे वह सुशी जैसी डिश बनाना हो या जूते की सिलाई करना हो। इसमें हमारे काम के प्रति गहरी जिम्मेदारी का भाव निहित होता है। यह दर्शन हमें सिखाता है कि काम केवल पैसा कमाने का जरिया नहीं, बल्कि अपने व्यक्तित्व को निखारने का एक साधन भी है। जब हम शोकूनिन भाव से काम करते हैं, तो काम बोझ नहीं, बल्कि आनंद का जरिया बन जाता है।

काइजन छोटे सुधारों का जादू महसूस करें

जापानी दर्शन काइजन का अर्थ है-बेहतरी के लिए बदलाव। अकसर हम सोचते हैं कि जीवन बदलने के लिए रातों-रात कोई बड़ा परिवर्तन करना होगा। लेकिन काइजन कहता है कि आप हर दिन स्वयं में केवल एक प्रतिशत सुधार करें। जैसे आदतों में, अनुशासन में, नई चीजें सीखने में, रिश्तों में। ये छोटे-छोटे सुधार साल के अंत में आपको एक नया इंसान बना देंगे। टोयोटा जैसी कंपनियों की सफलता में बड़ी भूमिका निभा चुकी यह जीवन पद्धति, व्यक्ति के रूप में हमें भी नई ऊंचाइयों पर ले जाती है।

वाबी-साबी अपूर्णता में सुंदरता की तलाश

हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां 'परफेक्ट' दिखने का जुनून हम में से अधिकतर लोगों पर हावी है। जापानी दर्शन 'वाबी-साबी' इसके विपरीत बात कहता है। यह हमें सिखाता है कि कुछ भी स्थायी नहीं है और कुछ भी पूर्ण नहीं है। पुराने पत्थरों पर जमी काई या दरार पड़े मिट्टी के बर्तनों में भी एक इतिहास और सुंदरता होती है। यह दर्शन हमें अपनी कमियों को स्वीकार करना सिखाता है। जब हम अपनी 'अपूर्णता' को स्वीकार कर लेते हैं, तो अनावश्यक सामाजिक प्रदर्शन का अनावश्यक बोझ उतर जाता है।

किंतसुगी जख्मों का स्वर्ण श्रृंगार

जापान में जब कोई मिट्टी का बर्तन टूटता है, तो उसे फेंकने के बजाय सोने की परत से जोड़ा जाता है। इसे 'किंतसुगी' कहते हैं। यह हमें सिखाता है कि हमारे जीवन के घाव, असफलताएं और बुरे अनुभव हमें कमजोर नहीं, बल्कि और भी कीमती बनाते हैं। टूटने के बाद जब हम खुद को फिर से जोड़ते हैं, तो हम पहले से कहीं ज्यादा मजबूत, सुंदर और अद्वितीय होकर उभरते हैं।

शिनरिन-योकू प्रकृति की मौन चिकित्सा

जापानी लोग 'फॉरेस्ट बाथिंग' में विश्वास रखते हैं। इसका अर्थ है प्रकृति के माहौल को अपनी पांचों इंद्रियों से महसूस करना। मोबाइल, टीवी, लैपटॉप को छोड़कर नेचर के करीब समय बिताना एक कारगर चिकित्सा है। नेशनल ज्योग्राफिक के शोध के अनुसार, पेड़ों के बीच समय बिताने से तनाव का हार्मोन 'कोर्टिसोल' कम होता है और इम्यूनिटी बढ़ती है।

गमन धैर्य और गरिमा का संगम

जापानी दर्शन 'गमन' का अर्थ है प्रतिकूल परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखना। चाहे सुनामी आए या व्यक्तिगत संकट, जापानी समाज विलाप करने के बजाय शांत रहकर पुनर्निर्माण में जुट जाता है। यह दर्शन हमें सिखाता है कि सहनशीलता का अर्थ हार मानना नहीं, बल्कि कठिन समय में गरिमा के साथ अडिग रहना है।

इकिगाई सुबह जागने का ठोस कारण

जापान के ओकिनावा द्वीप को 'ब्लू जोन' कहा जाता है, जहां लोग 100 साल से अधिक जीते हैं। उनकी लंबी आयु का रहस्य है-इकिगाई के अनुसार जीना। इकिगाई का अर्थ है, जीवन जीने का उद्देश्य। यह चार स्तंभों पर टिका होता है। आप क्या पसंद करते हैं, आप किसमें कुशल हैं, दुनिया को इससे क्या मिलेगा और आपको किस काम के लिए पैसे मिल सकते हैं? फोर्ब्स के अनुसार, जिस दिन व्यक्ति को अपनी इकिगाई मिल जाती है, उसके जीवन से बोरियत, ऊब, तनाव और 'रिटायरमेंट' जैसे शब्द गायब हो जाते हैं, क्योंकि वह ऐसा काम कर रहा होता है जिससे उसे प्यार होता है।

जापानी दर्शन के ये सरल सिद्धांत अगर आप अपनाकर जीवन जीना सीख लें तो आपको जीवन में भरपूर खुशी और सुकून मिलेगा। *

सोलो एजिंग बढ़ती उम्र में जिंदगी का भरपूर मजा

अभी तक यही माना जाता रहा है कि सेवानिवृत्त और दायित्वों से मुक्त होने के बाद बुजुर्ग लोग अकेलेपन-उदासी भरी जिंदगी जीते हैं। लेकिन कई अध्ययनों से साबित हुआ है कि बुजुर्ग अब सोलो एजिंग को खूब एंज्वॉय करना सीख गए हैं। अब वे उदास नहीं हर पल को खुल कर जीते हैं।

{ लाइफस्टाइल / डॉ. मोनिका शर्मा }

एक ताजा अध्ययन में बुजुर्गों से जुड़ा यह निष्कर्ष सामने आया है कि उम्रदराज लोग अब शिकायतों के बजाय खुद को संभालने की राह चुन रहे हैं। स्टडी में शामिल अधिकतर वरिष्ठजनों ने बताया कि वे पांच साल से ज्यादा समय से अकेले रह रहे हैं। उम्र के इस पड़ाव पर जिंदगी को मैनेज करने में आने वाली परेशानियों को भूलकर उन्होंने अकेले रहना चुना है। सोलो एजिंग के इस सफर में अपने जीवन से खुश रहने

वाले बुजुर्गों का आंकड़ा ज्यादा है। एजवेल फाउंडेशन की इस रिपोर्ट के मुताबिक हमारे देश में सोलो एजिंग का चलन तेजी से बढ़ रहा है। अकेले रहने वाले बुजुर्गों में 46.9 फीसदी सोलो एजर्स अपनी जिंदगी से खुश हैं, जबकि 41.5 प्रतिशत असंतुष्ट हैं। 10,000 बुजुर्गों को लेकर की गई यह स्टडी उम्रदराज लोगों के मन और जीवन का बदलता खाका हमारे सामने रखती है।

शिकायत नहीं एडजस्टमेंट की सोचः बच्चों के करियर के लिए विदेश या दूसरे शहरों में जाने के बाद अकेले रह रहे बुजुर्ग, दोषारोपण के बजाय अपनी देखभाल खुद ही करने की राह चुन रहे हैं। यह सच है कि संयुक्त परिवारों के टूटने से घर के बड़े सदस्यों में अकेलापन बढ़ा है पर वे अपने आप को बिजी रखना भी सीख रहे हैं। दूर रहने वाले बच्चों से जुड़े रहने के लिए गैजेट्स को यूज करना सीख रहे हैं। बुजुर्ग यह समझते हैं कि उनके बच्चे चाहकर भी हर समय उनके साथ नहीं रह सकते। यही वजह है कि इन हालातों में तनाव में घिरने के बजाय वे खुशी-खुशी जीवन से जूझने के रास्ते पर चलने लगे हैं। सोलो एजिंग का यह ट्रेंड बड़े-बुजुर्गों की बदलती लाइफस्टाइल से जुड़े इसी पहलू की तस्दीक करता है।

सक्रियता को प्राथमिकताः सुखद यह है कि सोलो एजिंग का ट्रेंड कोई थोपे जाने वाला चलन नहीं है। अकेले रहने वाले बुजुर्ग बहुत-सी परेशानियों का सामना करने के बावजूद खुद को सक्रिय रखने के फ्रंट पर जी-जान से जुटे रहते हैं। थकते कदमों के बावजूद अपनी जिम्मेदारियों का बोझ नहीं, बल्कि सक्रिय रहने का बहाना मानते हैं। अकेले सब कुछ मैनेज करने के दबाव को एक्टिव और सधी हुई जीवनशैली के रूप में देखने लगे हैं। इस उम्र में सेहत और सामाजिक जीवन से जुड़ी बहुत-सी उलझनों के बीच भी अपने मन को संभालने का जतन वे खुशी से कर रहे हैं। किसी भी तरह के व्यायाम, वॉकिंग, योग आदि के लिए समय निकालते हैं। एक्टिव एजिंग वाली जीवनशैली, उनको स्वस्थ रखने में भी अहम भूमिका निभाती है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक एक्टिव एजिंग, बुढ़ापे को एक प्रोडक्टिव और खुशनुमा अनुभव बनाने की स्ट्रेटजी है, न कि इसे अंत मानने की। मौजूदा दौर में बुजुर्ग इस खुशनुमा ट्रांसफॉरमेशन के लिए तकनीक की मदद भी ले रहे हैं। ऑनलाइन सुविधाओं से लेकर अपने बच्चों और रिश्तेदारों से जुड़े रहने तक, बुजुर्गों ने तकनीक के नए रंगों को सहजता से अपनाया है।

कर रहे आजादी का एहसासः असल में सोलो एजिंग के चलन से आत्मनिर्भर बनने का भाव भी जुड़ा है। अपनी जिंदगी को अपने अंदाज में जीने से आजादी का गहरा एहसास भी जुड़ा है। यही वजह है कि अकेलेपन और हेल्थ से जुड़ी बहुत-सी चुनौतियों के बावजूद बुजुर्गों का एक बड़ा वर्ग यानी 46.9 प्रतिशत बुजुर्ग इन हालातों को स्वतंत्र रूप से

अपना जीवन जीने के तौर पर भी देख रहा है। इसी एक पॉजिटिव सोच के चलते उम्रदराज लोग अकेले रहकर भी अपने जीवन से खुश हैं। इस स्टडी के मुताबिक 31 फीसदी से ज्यादा बुजुर्गों ने फाइनेंशियल और सोशल स्वतंत्रता के लिए अकेले रहने का विकल्प चुना है। वहीं 26.7 फीसदी का कहना है कि परिवार के युवा मेंबर्स के बाहर जाने से वे अकेले रह रहे हैं। नई पीढ़ी के दूर जाने को लेकर कोई शिकायत करने के बजाय बुजुर्ग इसे इंडिपेंडेंट रहने के अवसर की तरह देखने लगे हैं। शारीरिक रूप से नहीं भावनात्मक फ्रंट पर भी बुजुर्ग अब दूसरों पर निर्भर नहीं रहना चाहते। उम्रदराज लोगों के लिए यह स्वतंत्रता उनके सुकून से भी जुड़ी है। *

बने रहो पगला...

'बने रहो पगला, काम करे अगला' की रीति-नीति से प्रीति का रवैया आज सुपरहिट हो चुका है। आप ऐड़ा बनकर पेड़ा खाते रहेंगे और जो बुद्धिमान हैं, काम में खपते और मन ही मन कुढ़ते रहेंगे।

{ व्यंग्य / राजा चौरसिया }

यह सेंट पर्सेंट पेटेंट सत्य है कि एकरसता से नीरसता ही उपजती है। पतझड़ के बाद ही वसंत वाली बहार की भरमार आती है। इसी प्रकार बीमार के लिए अनार परोसने के क्रिया-कलाप का प्रदर्शन अनिवार्य कार्य है। यदि उत्सव न होते तो ढेर सारी सुख- सुविधाओं के रहते हुए भी खुशी के अभाव में नदी किनारे घोंघा प्यासा की कहावत ही चरितार्थ होती रहती। जैसे रात के बाद ही प्रभात आता है, अमावस्या के उपरांत ही पूर्णिमा होती है। इसी प्रकार मूर्खता के पश्चात ही विद्वता का अवतरण होता है। कीचड़ के बिना कमल की कल्पना, धुएं के बादलों से बरसात की सरासर झूठी कल्पना सरीखी है। हार्ट को रुचने वाले शॉर्ट और स्मार्ट शब्दों में यह डंके की चोट पर कहा जा सकता है कि मूर्खता या मूढ़ता ही विद्वता की मातेश्वरी होती है। हाथी के दांत के आचरण वाले उदाहरण हवा-पानी की तरह यत्र-तत्र, सर्वत्र व्याप्त हैं। इसकी महत्ता को समझते हुए ही कुछ चतुर चालाक लोग बुद्धिमान होते हुए भी मूढ़ बने रहते हैं। इसीलिए संयोग नहीं बल्कि दुर्योग है कि असली और फसली मूर्खों से ज्यादा नकली मूर्खों की तादाद बेमियाद बढ़-चढ़ रही है। अत्याधुनिकता की मानसिकता एवं प्रासंगिकता को प्राथमिकता देने से नकली मूर्खों या धूर्तों की बाढ़ खासी प्रगति पर है। झूठे शुभचिंतकों तथा सच्चे अशुभचिंतकों के इस काबिलेगौर दौर में चातुर्य का प्राचुर्य रहते हुए भी दूसरों के सामने मूर्ख, बुद्धू, घुग्घू और उल्लू बने रहने के कायदे से फायदे ही फायदे हैं। मन से थू-थू करते हुए भी मुंह से आई लव यू कहना अवसरवाद का बढ़िया अपडेट सर्टिफिकेट है। मीठे गवाक्ष से तीखे कटाक्ष करने का बेहतरीन एवं हसीन आइडिया है। बुद्धिजीवी को मित्र बनाना मूर्खता है, लेकिन किसी मूर्ख को बुद्धिमान होने का आभास कराना सबसे कारगर बुद्धिजीविता है। 'बने रहो पगला, काम करे अगला' की रीति-नीति से प्रीति का रवैया आज सुपरहिट हो चुका है। घर, दफ्तर हो या आस-पड़ोस सरल से सरल काम भी न कर पाने का प्रमाण दिखाकर आपको मूर्ख घोषित कर दिया जाएगा तो आगे कभी कोई काम करने की जिम्मेदारी आपको नहीं मिलेगी। आप ऐड़ा बनकर पेड़ा खाते रहेंगे और जो बुद्धिमान हैं, काम में खपते और मन ही मन कुढ़ते रहेंगे। मूर्ख न होकर भी मूर्ख बने रहने से ही दांपत्य जीवन की कुशलता विशेष तो नहीं, मगर शेष बची ही रहती है। जान-बूझकर उल्लू यानी गृहलक्ष्मी के वाहन बने रहने से गृहस्थी की गाड़ी सरपट दौड़ती रहती है। ज्वालामुखी को चंद्रमुखी अर्थात् लालमिर्ची को मिश्री कहने का यह नीक-सलीका भरपूर स्वागतेय है। विद्वता झाड़ते हुए तर्क, वितर्क और कुतर्क से बेकार का भेजा भंजन ही होता है, जबकि जन्म से ही मूर्ख पैदा हुए उच्च पदासीन मंत्री या अफसर को इंटेलीजेंट, ब्रिलिएंट तथा डिलीजेंट होने का आभास कराते रहने से अपना उल्लू सीधा होता रहता है। जनता का सेवक बनकर महानुभाव कितनी मलाई खाते हैं, यह सेवा करवाने वाली जनता खूब जानती और समझती है। दरअसल, जनतंत्र में तो जनता मूर्ख न होकर भी मूर्ख बनती ही रहती है। उसके लिए कोई खास दिन नहीं, हर दिवस सहर्ष मूर्ख दिवस ही होता है। मूर्ख दिवस वास्तव में उन लोगों का ही उत्सव है, जो दीन, हीन और खुद को मूर्ख बताकर दूसरों को मूर्ख बनाते हैं, अपना काम निकलवाते हैं। *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार
नोट :- वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में।
सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आइये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।
किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है ?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।
इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।
सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।
किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।
जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या
कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।
इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है।
इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।
क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।
NBC@
डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

मेरे लिखने की मेज

हाल में वरिष्ठ साहित्यकार सूरज प्रकाश के संपादन में 'मेरे लिखने की मेज' पुस्तक छपकर आई है। इसमें नई और वरिष्ठ पीढ़ी के कुल मिलाकर 125 लेखकों की उनके लेखन से जुड़ी दास्तानें दर्ज हैं। यह किताब पढ़कर लेखन प्रक्रिया को अलग-अलग दृष्टिकोणों से समझा जा सकता है। कोई रचना लिखने की शुरुआत कैसे होती है, उसके लिए अनुकूल स्थिति या वस्तुएं क्या होती हैं, लिखने के पहले और उसके बाद किस तरह का अनुभव होता है, कौन से कारण लिखने के लिए किसी लेखक को विवश करते हैं? ऐसे तमाम सवालों के जवाब किताब में शामिल लेखकों ने दिए हैं। वरिष्ठ लेखक असगर वजाहत अपने लेखन के बारे में कहते हैं, 'सफेद कागज पर काली रौशनाई से लिखना पसंद करता हूं। सफेद को काला करने का जुनून सा उठता रहता है। सफेद कागज मुझे बेचैन कर देता है।' अपने लेखन के बारे में आकांक्षा पारे कहती हैं, 'मुझे रात की जरूरत होती है, जब मुझे पता है, कोई फोन नहीं करेगा, दरवाजे की कोई घंटी नहीं बजेगी।' वरिष्ठ कथाकार प्रकाश मनु लेखन को पूजा-अर्चना की तरह पवित्र कर्म मानते हैं। वह कहते हैं, 'अपने कमरे के जिस कोने में बैठकर मैं लिखता-पढ़ता हूं, वहां गंगा, यमुना, सरस्वती तीनों नदियां बहती हैं। इसलिए उससे पवित्र स्थान तो कोई और हो ही नहीं सकता।' वरिष्ठ कवि लीलाधर मंडलोई अपनी रचना प्रक्रिया के बारे में कहते हैं, 'लिखते वक्त अपने संगतकारों यानी डायरी, कागज, पेन और लिखने की आधार जगह से संगत बनाता हूं... और मैं आगत रचना के सामने विनत भाव से बैठ जाता हूं।'

भले ही यह किताब किस्से, कहानी या कविता की नहीं है लेकिन इसे पढ़ने के दौरान रोचक कहानियों के पढ़ने जैसा ही आनंद आता है। *

पुस्तकः मेरे लिखने की मेज, संपादकः सूरज

मुंबई इंडियंस ने 2013 से लेकर 2020 के बीच जीता था पांच बार खिताब

मुंबई का पलड़ा भारी, केकेआर के खिलाफ जीत की उम्मीद प्रबल

एजेंसी ▶▶| मुंबई

खेल के सभी विभागों में मजबूत दिख रही मुंबई इंडियंस की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पांच साल के खिताब के सूखे को खत्म करने के लिए रविवार को टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का सामना करेगी, जिसकी टीम कुछ खिलाड़ियों के चोटिल होने से कमजोर नजर आ रही है।

मुंबई इंडियंस ने 2013 से लेकर 2020 के बीच पांच बार खिताब जीता था लेकिन वह पिछले कुछ वर्षों से चैंपियन नहीं बन पाया है। इस बार उसकी निगाह अपना छठा खिताब जीतने पर होगी और इसके लिए वह शानदार शुरुआत करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

रोहित के अलावा टीम में कई स्टार खिलाड़ी

पिछले साल हार्दिक पंड्या की अगुवाई वाली टीम क्वालीफायर दो में पंजाब किंग्स से हारने के बाद तीसरे स्थान पर रही थी, लेकिन मुंबई इंडियंस इस बार अच्छी तैयारी के साथ मैदान पर उतर रहा है। रोहित शर्मा फॉर्म में वापसी करने के लिए उत्सुक होंगे। रोहित के अलावा उसकी टीम में कई स्टार खिलाड़ी हैं, जिनमें भारत की टी20 विश्व कप विजेता टीम के खिलाड़ी कप्तान सूर्यकुमार यादव, पंड्या, तिलक वर्मा और जसप्रीत बुमराह भी शामिल हैं। मुंबई इंडियंस के पास कई शानदार विदेशी खिलाड़ी भी हैं, जिनमें रयान रिकेल्टन, शेरफेन रदरफोर्ड, कॉर्बिन बॉश, न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सेंटनर, विल जैक्स, एएम गजनफ़र और ट्रेंट बोल्ट प्रमुख हैं।

एमआई और केकेआर के बीच मुकाबला आज शाम 7.30 बजे से

केकेआर का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर

कोलकाता नाइट राइडर्स में कप्तान अजिंक्य रहाणे और युवा अंगकृष रघुवंशी के रूप में कुछ स्थानीय खिलाड़ी भी नजर आएंगे लेकिन उसका गेंदबाजी आक्रमण कमजोर नजर आता है, जिसका मुंबई इंडियंस पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगा। नीलामी के समय केकेआर का गेंदबाजी आक्रमण अच्छा नजर आ रहा था लेकिन बीसीसीआई के निर्देश पर फ्रेंचाइजी ने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बाहर कर दिया था जबकि उसके दो भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप और हर्षित राणा चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। जिंबॉब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी प्रतिभाशाली हैं लेकिन उन पर दबाव हो सकता है। ऐसे में गेंदबाजी विभाग की बड़ी जिम्मेदारी वरुण चक्रवर्ती को निभानी पड़ेगी।

टीमें इस प्रकार

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), दानिश मालेवार, रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, अथर्व अंकोलेकर, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, मिशेल सेंटनर, शार्दुल ठाकुर, तिलक वर्मा, अश्विनी कुमार, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, एएम गजनफर, मयंक मार्कंडेय, मोहम्मद इजहार, रघु शर्मा।

कोलकाता नाइट राइडर्स: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह (उपकप्तान), फिन एलन, तेजस्वी दहिया (विकेटकीपर), मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, सार्थक रंजन, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), राहुल त्रिपाठी, दक्ष कामरा, कैमरन ग्रीन, सुनील नारायण, रचिन रवींद्र, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, सौरभ दुबे, कार्तिक त्यागी, ब्लेसिंग मुजरबानी, मथीशा पथिराना, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती।

मैच शाम : 7:30 बजे से शुरू होगा

खबर संक्षेप

इंजरी के कारण दो हफ्ते नहीं खेल सकेंगे धोनी

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी पिंडली की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले दो सप्ताह में नहीं खेल पाएंगे। फ्रेंचाइजी ने यह जानकारी दी। सीएसके ने कहा, 'महेंद्र सिंह धोनी फिलहाल पिंडली की चोट से उबरने के लिए रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। इस कारण उनका आईपीएल 2026 के पहले दो सप्ताह में खेलने की संभावना नहीं है।' धोनी ने 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से आईपीएल खेलना जारी रखा है। इस 44 वर्षीय खिलाड़ी के आईपीएल में भविष्य को लेकर प्रत्येक सत्र में कयास लगाए जाते हैं। धोनी अब सिर्फ आईपीएल में खेलते हैं इसलिए उनके लिए मैच फिटनेस बनाए रखना और भी मुश्किल हो जाता है। रुतुराज गायकवाड़ हालांकि टीम के कप्तान हैं, लेकिन टीम की रणनीति धोनी के इर्द-गिर्द ही घूमती है। वह आईपीएल की शुरुआत से ही इस टीम से जुड़े हुए हैं।

ह्यूस्टन ओपन : थीगाला का शानदार प्रदर्शन, 11वें स्थान पर पहुंचे

ह्यूस्टन। भारतीय मूल के अमेरिकी गोल्फर साहित थीगाला ने टेक्सास चिल्ड्रन्स ह्यूस्टन ओपन के दूसरे दौर में लगातार तीन अंडर 67 का कार्ड खेला, जिससे वह कुल छह अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर बने हुए हैं। इस टूर्नामेंट में भारतीय मूल के एक अन्य खिलाड़ी सुदर्शन येल्लामराजू (69-66) संयुक्त रूप से 20वें स्थान पर हैं। वहीं अमेरिकी ओपन के पूर्व चैंपियन गैरी वुडलैंड (64-63) ने बढ़त बना हासिल कर ली। पहले दिन शीर्ष पर चल रहे पॉल वारिंग एक ओवर 71 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर खिसक गए।

एमसीए संग्रहालय में स्मारक पट्टिका का अनावरण

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी पॉली उमरीगर की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में बीसीसीआई और आईसीसी के पूर्व अध्यक्ष शरद पवार ने एमसीए संग्रहालय में एक स्मारक पट्टिका का अनावरण किया। यह पट्टिका उस दिग्गज बल्लेबाज के सम्मान में लगाई गई है, जिन्होंने 1948 से 1962 के बीच 59 टेस्ट मैच खेले और उनमें से आठ में भारत की कप्तानी की। उन्होंने एक क्रिकेटर और एक प्रशासक दोनों के रूप में खेल की सेवा की। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा, ' भारतीय क्रिकेट में पॉली उमरीगर का योगदान वास्तव में अमूल्य है और उनकी जन्म शताब्दी वर्ष में उनकी विरासत का सम्मान करना हमारा सौभाग्य है।' उन्होंने कहा, 'एमसीए के शरद पवार क्रिकेट संग्रहालय में यह स्मारक उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों और खेल पर उनके अमिट प्रभाव के प्रति सम्मान है।'

मियामी ओपन : ज़्वेरेव को हराया, अब मुकाबला लेहेका से

सिनर की फाइनल में एंट्री, 'सनशाइन डबल' के खिताब से बस एक कदम दूर!

एजेंसी ▶▶| मियामी गार्डन्स

दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर ने एक साल पहले मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया था क्योंकि प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद उन्हें तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया गया था। अब इटली का यह 24 वर्षीय खिलाड़ी तीन साल में अपना दूसरा मियामी ओपन खिताब जीतने और 2017 में रोजर फेडरर के बाद 'सनशाइन डबल' जीतने वाला पहला पुरुष खिलाड़ी बनने के करीब है। सिनर ने हार्ड रॉक स्टेडियम में विश्व में चौथे नंबर के खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज़्वेरेव पर 6-3, 7-6 (7-4) से जीत हासिल करके मियामी ओपन के फाइनल में प्रवेश किया।

अच्छा टेनिस खेलना मेरा मुख्य लक्ष्य : सिनर

सिनर ने कहा, 'यहां आकर अच्छा टेनिस खेलना मेरा मुख्य लक्ष्य था। मेरे लिए दोबारा फाइनल में पहुंचना बहुत मायने रखता है। यह शानदार सफर रहा है और मैं बहुत खुश हूं।'

यानिक ने फोरहैंड विनर के साथ हासिल किया ब्रेक

सिनर को शुरुआती सेट के तीसरे गेम में एक 'ब्रेक प्वाइंट' बचाना पड़ा था, लेकिन उसने तुरंत जवाब दिया, अपनी आक्रामकता बढ़ाई और ज्वेरेव की पहली-सर्व की प्रभावशीलता में आई थोड़ी सी कमी का फायदा उठाते हुए, एक जोरदार फोरहैंड विनर के साथ एक ब्रेक हासिल किया और 3-1 की बढ़त बना ली। दूसरे सेट में, ज्वेरेव ने अपनी तीव्रता बढ़ाई और अहम पलों पर मजबूती से डटे रहे, खासकर तब जब उन्होंने 4-4, 15/40 के स्कोर पर दो ब्रेक प्वाइंट्स को बचाया। फिर भी सिनर शांत रहे, लगातार अपनी सर्व बचाते रहे, और मैच को टाई-ब्रेक तक ले गए। वहां, मैच का रुख सिनर के पक्ष में तब मुड़ा जब ज्वेरेव ने एक ओवरहेड शॉट को ठीक से नहीं मारा, जिसके बाद सिनर ने 5/4 की बढ़त बना ली, और अंततः इस इतालवी खिलाड़ी को बढ़त मिल गई।

एटीपी मास्टर्स में लगातार 32 सेट जीतने का रिकॉर्ड

सिनर ने ज़्वेरेव को लगातार सात बार हराया है और एटीपी मास्टर्स 1000 में लगातार 32 सेट जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। हार्डकोर्ट पर शानदार प्रदर्शन करने वाले सिनर ने 15 मार्च को इंडियन वेल्स में दानिल मेदवेदेव को हराकर सनशाइन डबल का पहला चरण जीता था। रविवार को होने वाले फाइनल में उनका मुकाबला 21वीं वरीयता प्राप्त जिरी लेहेका से होगा और वह इस मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेंगे।

सिनर ने मियामी में जीते लगातार 11 मैच

सिनर ने 2024 से मियामी में लगातार 11 मैच जीते हैं। सिनर का लेहेका के खिलाफ करियर रिकॉर्ड 3-0 का है, उन्होंने आखिरी बार 2025 में फ्रेंच ओपन में उन्हें हराया था। लेहेका ने सेमीफाइनल में 28वीं वरीयता प्राप्त आर्थर फिल्स को 6-2, 6-2 से हराकर अपने करियर में पहली बार एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। लेहेका के चेक गणराज्य के साथी जैकब मेनसिक ने पिछले साल मियामी ओपन जीता था।

फुटबॉल

स्पेन ने सर्बिया को हराया ओयार्जाबेल ने दागे 2 गोल

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

स्पेन ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले अपने आखिरी तैयारी मुकाबलों में से एक में सर्बिया को 3-0 से मात दी। मिकेल ओयार्जाबेल जीत के हीरो रहे, जिन्होंने 2 गोल दागे। उनके अलावा, विक्टर मुनोज ने एक गोल का योगदान दिया। ओयार्जाबेल का पहला गोल 16वें मिनट में आया। यह टीम के शानदार तालमेल के बाद गोल के सामने से लगाया गया एक शॉट था। वहीं, उनका दूसरा गोल हाफ-टाइम से ठीक पहले आया।

यह काफी दूर से लगाया गया एक जोरदार शॉट था, जिसने सर्बिया के गोलकीपर वान्या मिलिंकोविक-साविक को बचाव का कोई मौका ही नहीं दिया। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने गोलकीपिंग की जिम्मेदारी उनाई साइमन को ही सौंपी, जबकि एफसी बार्सिलोना के गोलकीपर जोआन गार्सिया, जिन्हें पहली बार राष्ट्रीय टीम में बुलाया गया था, स्टैंड्स में बैठे रहे। रोड्री ने सेंट्रल मिडफील्ड में मार्टिन जुबिमेंडी से आगे शुरुआत की, जबकि सेंट्रल डिफेंस में आयमेरिक लापोर्टे और पाउ कुबारसी थे। राइट-बैक पर मार्कोस लोरेंटे और स्पेन के अटैक के दाईं ओर लामिन यामल खेले।

लामिन यामल ने ओयारजाबाल के शुरुआती गोल के कुछ मिनट बाद ही क्रॉसबार पर शॉट मारा, क्योंकि स्पेन ने मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। इस दौरान विक्टर मुनोज ने दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट के रूप में उतरकर अपना डेब्यू किया।

विक्टर मुनोज को अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल करने में ज्यादा समय नहीं लगा और उन्होंने 72वें मिनट में फेरान टोरेस के बैक-हील असिस्ट पर शानदार फिनिश करते हुए स्कोर 3-0 कर दिया।

तेजस्विन ने की डेकाथलॉन सत्र में जीत से शुरुआत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय एथलीट तेजस्विन शंकर ने अमेरिका के टेक्सास में डेविड नोबल रिले 2026 एथलेटिक्स मीट में हवा की मदद से 7947 अंक का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाकर अपने डेकाथलॉन सत्र की शुरुआत जीत से की। शंकर हालांकि 8000 अंक से 53 अंक पीछे रह गए।

टेक्सास में शंकर का प्रदर्शन उनके ही नाम दर्ज राष्ट्रीय रिकॉर्ड (7826 अंक) से बेहतर था, जो उन्होंने पिछले साल पोलैंड में बनाया था। लेकिन अत्यधिक अनुकूल हवा (टेल विंड) के कारण विश्व एथलेटिक्स के नियमों के अनुसार यह प्रदर्शन नए रिकॉर्ड के रूप में दर्ज नहीं किया गया। विश्व एथलेटिक्स के नियमों के मुताबिक डेकाथलॉन में रिकॉर्ड तभी मान्य होता है जब 100 मीटर, लंबी कूद और 110 मीटर बाधा दौड़ में औसत हवा की मदद +2.0 मीटर प्रति सेकंड से अधिक नहीं हो। टेक्सास मीट में 100 मीटर (+4.7 मीटर प्रति सेकंड) और लंबी कूद (+4.5 मीटर प्रति सेकंड) में हवा की गति निर्धारित सीमा से काफी अधिक थी। टेक्सास में 100 मीटर में +4.7 मीटर प्रति सेकंड, लंबी कूद में +4.5 मीटर प्रति सेकंड और 110 मीटर बाधा दौड़ में +2.5 मीटर प्रति सेकंड की टेलविंड रही, जिससे औसत +3.9 मीटर प्रति सेकंड हो गया। इस वजह से उनका प्रदर्शन रिकॉर्ड के रूप में दर्ज नहीं हो सका।

मोंटेकार्लो मास्टर्स नहीं खेलेंगे जोकोविच, नाम लिया वापस

एजेंसी ▶▶| मोनाको

नोवाक जोकोविच ने दाहिने कंधे की चोट के कारण मियामी ओपन में भाग न लेने के बाद मोंटेकार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से भी नाम वापस ले लिया है। इस क्लेकोर्ट टूर्नामेंट के आयोजकों ने इंस्टाग्राम पर जोकोविच के टूर्नामेंट से हटने की घोषणा करते हुए लिखा, ' हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं और उम्मीद करते हैं कि वह जल्द ही कोर्ट पर वापसी करेंगे।' इस पोस्ट में 38 वर्षीय जोकोविच के टूर्नामेंट से हटने का कारण स्पष्ट नहीं किया गया है, लेकिन 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने दो सप्ताह पहले बीएनपी पारिबास ओपन के चौथे दौर में जैक ड्रेपर से तीन सेटों में हारने के बाद से कोई मैच नहीं खेला है। एक साल पहले मोंटेकार्लो में जोकोविच दूसरे दौर में एलेजांद्रो तबिलो से हार गए थे। दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी जोकोविच ने भी टूर्नामेंट से नाम वापस लेने के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है।

आंध्र प्रदेश महिला टीम बनी बधिरों की टी10 नेशनल चैंपियन

डी. कंथम्मा बनीं प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज

एजेंसी ▶▶| गुरुग्राम

आंध्र प्रदेश की महिला टीम ने दिल्ली की टीम को एक रोमांचक मुकाबले में पांच रन से हराकर बधिरों की सातवीं आईडीसीए महिला टी10 राष्ट्रीय क्रिकेट चैंपियनशिप का खिताब जीता।

आंध्र प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 73 रन बनाए। इसके जवाब में दिल्ली की टीम चार विकेट पर 68 रन ही बना पाई। आंध्र प्रदेश की डी. कंथम्मा ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज दोनों पुरस्कार हासिल किए।

भारतीय बधिर क्रिकेट संघ (आईडीसीए) को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का समर्थन प्राप्त है। यही नहीं वह अंतरराष्ट्रीय बधिर क्रिकेट परिषद और एशियाई बधिर क्रिकेट संघ से मान्यता प्राप्त है। आईडीसीए के अध्यक्ष सुमित जैन ने कहा कि इस टूर्नामेंट से वर्षों से लगातार होनहार प्रतिभाएं सामने आ रही हैं।

रविवार से साइप्रस में शुरू होगा कैंडिडेट्स टूर्नामेंट

ओपन वर्ग में प्रज्ञाननंदा के सामने कड़ी चुनौती

एजेंसी ▶▶| पाफोस

आठ खिलाड़ियों की एलीट प्रतियोगिता के ओपन वर्ग में भाग ले रहे एकमात्र भारतीय खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर प्रज्ञाननंदा को रविवार से शुरू होने वाले कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

इस टूर्नामेंट का विजेता खिलाड़ी इस साल के आखिर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश का सामना करेगा। इस टूर्नामेंट में आठ खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जो डबल राउंड-रॉबिन प्रारुप में प्रतिस्पर्धा करेंगे। प्रत्येक खिलाड़ी अन्य सभी प्रतिभागियों का दो बार सामना करेगा और सबसे अधिक अंक हासिल करने वाला खिलाड़ी विश्व चैंपियन बनने के लिए गुकेश को चुनौती देने का अधिकार हासिल करेगा।

प्रतियोगिता की पुरस्कार राशि 10 लाख डॉलर

इस प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि 10 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 9 करोड़ 49 लाख रुपए) है, जिसमें से सात लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग छह करोड़ 65 लाख रुपए) ओपन वर्ग के लिए और तीन लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग दो करोड़ 85 लाख रुपए) महिला वर्ग के लिए हैं।

अमेरिकी ग्रैंडमास्टर कारुआना प्रबल दावेदार

हाल के प्रदर्शन को देखते हुए अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना प्रबल दावेदार नजर आते हैं लेकिन उनके हमवतन हिकारु नाकामुरा का दावा भी मजबूत है, जिन्होंने अपनी रेटिंग के आधार पर क्वालीफाई किया है। नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी भी अच्छी फॉर्म में हैं और उन पर नजर रखने की जरूरत है। अगर उनकी लय कायम रहती है, तो वह मजबूत दावेदार साबित होंगे। चीन के वेई यी, उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव तथा एंड्री एसेपेंको और मैथियास ब्लूबाउम अन्य चार खिलाड़ी हैं, जो इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं।

दिव्या पर होंगी सबकी निगाहें

भारतीय खिलाड़ियों में सबकी निगाहें दिव्या देशमुख पर होंगी, जिन्होंने 2025 में महिला विश्व कप जीता था। आर वैशाली इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी हैं। वह साहसिक फैसले करने के लिए जानी जाती हैं और उनका एकमात्र लक्ष्य जीत हासिल करना होता है। ऐसे में उनकी दावेदारी को कम करके नहीं आंका जा सकता है। झू जिनर भी एक ऐसी खिलाड़ी हैं, जिन पर नजर रखनी चाहिए, क्योंकि वह सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को भी कड़ी चुनौती देने के लिए जानी जाती हैं। बिबिसारा असाउबायेवा ने भी खुद को एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के रूप में स्थापित किया है।

बांग्लादेश में देख सकेंगे आईपीएल, हटाया बैन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बांग्लादेश सरकार ने अपने देश में इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के प्रसारण के लिए दरवाजे खोल दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नवनियुक्त सूचना और प्रसारण मंत्री जहीर उद्दीन स्वपन ने कहा है कि बांग्लादेश में आगामी आईपीएल सीजन के प्रसारण पर कोई रोक नहीं है।

जहीर उद्दीन स्वपन ने कहा, आईपीएल प्रसारण के लिए किसी ने भी हमसे आवेदन नहीं किया है। हम खेल में राजनीति को नहीं मिलाना चाहते। हम इसे एक व्यावसायिक नजरिए से देखेंगे। अगर कोई चैनल आईपीएल के प्रसारण के लिए आवेदन करता है, तो हम उस पर

सकारात्मक रूप से विचार करेंगे। इससे पहले, युवा और खेल मामलों के राज्य मंत्री अमीनुल हक ने बताया था कि वह पिछली अंतरिम सरकार की ओर से आईपीएल प्रसारण पर बैन लगाए जाने के बाद इसके संबंध में संबंधित अधिकारियों से बात करेंगे। जब स्वपन से पूछा गया कि क्या स्टार स्पोर्ट्स आईपीएल का प्रसारण कर सकता है, तो स्वपन ने ऐसा होने के संकेत देते हुए कहा, हम किसी को भी इसके प्रसारण से नहीं रोकेंगे।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब मांगा

लंबी सेवा के बाद भी प्रोफेसर "गेस्ट" क्यों... ?

हरिभूमि जबलपुर।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और न्यायाधीश विनय सराफ की संयुक्तपीठ ने प्रदेश के 486 गेस्ट फैकल्टी प्रोफेसर की ओर से दाखिल अपीलों पर सुनवाई करते हुए मामले में प्रदेश सरकार को जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई अप्रैल के अंतिम सप्ताह में नियत कर दी।

ये अपीलें क्रमशः पन्ना के डॉ. कमल प्रताप सिंह सहित 286 गेस्ट फैकल्टी व मुरैना के डॉ. विनायक सिंह सहित 198 गेस्ट फैकल्टी की ओर से दायर की गई हैं। सभी याचिकाकर्ता पिछले 20–30 वर्षों से सरकारी कॉलेजों में गेस्ट फैकल्टी के रूप में कार्यरत हैं। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि वे यूजीसी के सभी मापदंड पूरे करते हैं। उनकी जिम्मेदारियां नियमित शिक्षकों के बराबर हैं। हर साल नियुक्ति होती है, फिर भी स्थायी दर्जा नहीं दिया जाता है। फिर भी उन्हें "गेस्ट" कहकर लंबे योगदान को नजरअंदाज किया जा रहा है। अपीलों पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ आधिवक्ता कॉलिन गोन्जाल्विस ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दलील दी कि दशकों से सेवा देने के बावजूद नियमितीकरण न होना, शिक्षकों के साथ अन्याय है। इसी मुद्दे पर दायर याचिकाए हाल ही में 12 मार्च 2026 को उच्च न्यायालय की एकलपीठ द्वारा खारिज कर दी गई थीं। इसके बाद अब संयुक्तपीठ के समक्ष अपील की गई। संयुक्तपीठ ने सुनवाई के बाद राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब तलब कर लिया।

हाईकोर्ट ने निरस्त की जिला बदर की कार्रवाई

जबलपुर। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश विवेक अग्रवाल और न्यायाधीश अवनींद्र कुमार सिंह की संयुक्तपीठ ने एक मामले में सुनवाई के बाद जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी जिला बदर के आदेश को अवैध ठहराते हुए निरस्त कर दिया। न्यायालय ने कहा कि यह आदेश गलत, अधूरे और कथित रूप से गढ़े गए तथ्यों पर आधारित था। गोरखपुर टीआई नितिन कमल द्वारा दी गई रिपोर्ट एसपी को भेजी गई। एसपी ने भी रिपोर्ट को परखे बिना याचिकाकर्ता पर मामले मान लिए और वही रिपोर्ट उन्होंने कलेक्टर को भेजी और वहां पर भी रिपोर्ट जांचे बिना जिला बदर का आदेश जारी कर दिया गया। संयुक्तपीठ ने यहाँ तक कहा कि जब पूरी जानकारियां ऑनलाइन मौजूद हैं और आपराधिक मामलों की जानकारी के लिए सीसीटीएनसी तकनीक मौजूद है, तो कम से कम अधिकारी आदेश देने से पहले एक बार तसल्ली तो कर लेते कि टीआई द्वारा दी गई रिपोर्ट सही है भी या नहीं।

प्रकरण के मुताबिक याचिकाकर्ता प्रशांत सिंह के खिलाफ 31 दिसंबर 2025 को जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जिला बदर का आदेश जारी किया गया था। उक्त आदेश में दावा किया गया था कि वर्ष 2025 में 7 आपराधिक मामले दर्ज हुए। इनमे से 6 मामलों में आरोपी फरार था। याचिकाकर्ता पर हत्या का प्रयास, विस्फोटक पदार्थ रखना, वसूली और सोशल मीडिया पर अपराध के वीडियो फैलाने के संगीन आरोप लगाए गए थे। प्रशासन की इस कार्रवाई को चुनौती देकर यह याचिका दाखिल की गई थी।

मामले में याचिकाकर्ता की ओर से पक्ष रखते हुए अधिवक्ता एल्फन मैथ्यू ने बताया कि 7 में से 3 मामलों में पहले ही जमानत मिल चुकी थी। यानी प्रशांत सिंह को "फरार" बताना तथ्यात्मक रूप से गलत था। इस मामले में घायल कुश गोस्वामी की एमएलसी रिपोर्ट रिकॉर्ड में नहीं मिली। एसएचओ थाना प्रभारी नितिन कमल ने कहा कि चार्जशीट के बाद एमएलसी उपलब्ध नहीं। न्यायालय ने इसे "बेहद कमजोर और अविश्वसनीय बहाना" माना। एक अन्य केस में घायल चिराग गुप्ता ने अपने बयान में साफ कहा कि हमलावर कौन था, उसे नहीं पता। इसके बावजूद आरोपी के रूप में प्रशांत सिंह का नाम जोड़ दिया गया। पुलिस ने आरोप लगाया कि आरोपी ने अपराध के वीडियो वायरल किए, लेकिन एसआई दीपक मंडलोई ने संयुक्तपीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान माना कि कोई वीडियो जब्त ही नहीं हुआ। सभी पक्षों को सुनने के बाद न्यायालय ने पाया कि याचिकाकर्ता की गिरफ्तारी मेमो में दर्ज तारीखों में गड़बड़ी है। कार्बन कॉपी और पेन से की गई एंट्री में अंतर हैं। इस तरह याचिकाकर्ता के खिलाफ बनाये गए दस्तावेज बनावटी हैं। अपने आदेश में संयुक्तपीठ ने यह भी कहा कि पुलिस और प्रशासन ने क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रेक्रिग नेटवर्क एंड सिस्टम जैसे आधुनिक सिस्टम का उपयोग ही नहीं किया, जिससे सच्चाई आसानी से सामने आ सकती थी। संयुक्तपीठ ने स्पष्ट कहा कि जब आदेश की नींव ही गलत और गढ़े गए तथ्यों पर आधारित हो, तो ऐसा आदेश कानून में टिक नहीं सकता। इन टिप्पणियों के साथ संयुक्तपीठ ने याचिकाकर्ता के खिलाफ जारी किये गए जिला बदर के आदेश को खारिज कर दिया।

ईडी ने पीएमएलए के तहत 83.24 लाख रुपये मूल्य की चल और अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त किया

एसईसीएल के असिस्टेंट मैनेजर के विरुद्ध सीबीआई कोर्ट में चार्जशीट पेश

जबलपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), भोपाल जोनल आफिस ने, प्रिवेंशन आफ मनी लार्न्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत, प्रभाकर शुक्ला, असिस्टेंट मैनेजर (सर्वे), साउथ ईस्टर्न कोलफ़ील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल), कोरबा, छत्तीसगढ़ के मामले में लगभग 83.24 लाख रुपये मूल्य की चल और अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। ईडी ने सीबीआई, एसीबी, जबलपुर द्वारा प्रभाकर शुक्ला के खिलाफ प्रिवेंशन आफ करप्शन एक्ट, 1988 के प्रविधानों के तहत दर्ज एफआइआर के आधार पर जांच शुरू की थी। यह एफआइआर, उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में दर्ज की गई थी। इसके बाद, सीबीआई ने भी इस मामले में सीबीआई मामलों के लिए नियुक्त विशेष न्यायाधीश, जबलपुर के समक्ष चार्जशीट दायर की है। ईडी की जांच में पता चला कि एक मार्च, 2008 से 30 नवंबर, 2022 की जांच अवधि के दौरान, प्रभाकर शुक्ला ने लगभग 83.24 लाख रुपये की अनुपातहीन संपत्ति अर्जित की, जो उनकी आय के ज्ञात स्रोतों का लगभग 39.83 प्रतिशत है। सार्वजनिक पद पर रहते हुए अवैध रूप से अर्जित की गई ये अपराध से प्राप्त आय, नकद जमा के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली में डालकर और आरोपी तथा उसके परिवार के सदस्यों, जिसमें उसकी पत्नी और बेटियां शामिल हैं, के नाम पर खोले गए कई खातों के ज़रिए घुमाकर वैध बनाने की कोशिश की गई। इन पैसों को आगे फिक्स्ड डिपॉज़िट, वित्तीय निवेश, बीमा पॉलिसियों और जमीन के टुकड़ों सहित चल और अचल संपत्तियों की खरीद के ज़रिए और भी ज़्यादा घुमाया गया और वैध संपत्तियों में मिला दिया गया। जांच में यह भी पता चला कि परिवार के उन सदस्यों के खातों का इस्तेमाल पैसों के असली स्रोत को छिपाने के लिए किया गया, जिनकी अपनी कोई स्वतंत्र आय नहीं थी और आरोपित अपनी आय के स्रोतों को साबित करने में असफल रहा। आगे की जांच अभी जारी है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

जबलपुर। तिलवारा थाना अतंर्गत झिरी पिपरिया रोड पर अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस मर्ग कायम कर मामलें की जांच कर रही है। तिलवारा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार झिरी पिपरिया निवासी ग्राम ढगोरखपुर निवासी 29 वर्षीय धनराज ठाकुर को कोई अज्ञात वाहन टक्कर मारकर चला गया। गांव के झिरी रोड पर उसका शव पड़ा और क्षतिग्रस्त मोटरसायकिल पड़ी थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया । पुलिस ने मर्ग कायम कर मामलें को विवेचना में लिया है।

लगाई कड़ी फटकार, एक सप्ताह के अंदर जिले के दूसरे टीआई पर हाईकोर्ट सख्त

केस डायरी पेश करने में लापरवाही के लिए हाईकोर्ट ने खितौला टीआई पर लगाया 10 हजार रु जुर्माना

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने जबलपुर जिला पुलिस की कार्यप्रणाली पर एक सप्ताह के अंदर दूसरी बार कड़ी नाराजगी जाहिर की है। जस्टिस एसएन भट्ट की सिंगल बेंच ने कहा कि अदालत में अधूरी केस डायरी पेश करना न्यायिक प्रक्रिया में बाधा है। कोर्ट ने इस मत के साथ खितौला के तत्कालीन टीआई पर 10,000 रु जुर्माना लगाया। साथ ही विवेचना अधिकारी को दोबारा गलती करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। गौरतलब है इसी सप्ताह कोर्ट शहपुरा टीआई प्रवीण धुर्वे पर लापरवाही के चलते 10,000 रु जुर्माना लगा चुकी है।

सिहोरा के पठानी मोहल्ले निवासी हर्ष कुशवाहा की ओर से जमानत की अर्जी दायर की गई। दलील दी गई कि खितौला थाना क्षेत्र में 11 दिसंबर 2025 को धर्मेन्द्र सिंह उर्फ चिंटू ठाकुर की गोली मारकर हत्या की गई थी। पुलिस ने उसे इस मामले में 15 दिसंबर 2025 को गिरफ्तार किया था। मामले की विवेचना पूर्व टीआई रमन सिंह मरकाम द्वारा की गई थी। कोर्ट को बताया गया कि आरोपी 15 दिसंबर 2025 से जेल में है। चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। हर्ष मुख्य आरोपी नहीं, बल्कि उसपर सिर्फ मोबाइल रखने का आरोप है। घटना के समय मौके पर मौजूद नहीं था और उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि पहले राज्य सरकार की ओर से केस डायरी उपलब्ध नहीं होने की बात कही गई। बाद में वही डायरी प्रस्तुत कर दी गई। कोर्ट ने कहा कि बार-बार ऐसी गलती से न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित होती है। जांच अधिकारी पर दस हजार रुपए जुर्माना लगाया। यह राशि 7 दिन में जमा करने के निर्देश दिए। कोर्ट ने आरोपी की जमानत अर्जी स्वीकृत कर ली।

24 घंटे में गांव खाली करने के आदेश पर रोक

हाईकोर्ट ने दमोह कलेक्टर सहित अन्य को जारी किया नोटिस

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने दमोह के कुलुआ मारूताल गांव को 24 घंटे में खाली करने के प्रशासनिक आदेश को चुनौती के मामले को गंभीरता से लिया है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने अंतरिम राहत के रूप में उक्त प्रशासनिक आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी। साथ ही सचिव राजस्व, कलेक्टर, दमोह व तहसीलदार सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया। याचिकाकर्ता दमोह जिले की दमयंती नगर तहसील अंतर्गत ग्राम कुलुआ मारूताल के सरपंच नारायण राय की ओर से दलील दी गई कि पिछले दिनों कलेक्टर व तहसीलदार ने गांव को 24 घंटे में खाली करने का नोटिस जारी कर दिया था। इसके पीछे उक्त जमीन हाउसिंग बोर्ड को सौंपने का कारण रेखांकित किया गया था। जनहित याचिकाकर्ता सहित अन्य का कहना है कि उक्त गांव में वह दशकों से रह रहे हैं। लिहाजा, इस तरह अचानक बेदखल नहीं किया जा सकता। यदि गांव खाली कराया जाता है, तो पहले नियमानुसार पुनर्वास किया जाए। बिना विस्थापन की प्रक्रिया अपनाए की जा रही कार्रवाई पूर्णतः अनुचित है।

5 बाइकों से आए 10 बदमाशों ने सरेराह की वारदात

देर रात मदनमहल चौराहे पर हत्या से सनसनी

जबलपुर। शहर की कानून व्यवस्था पटरी से उतर चुकी है। बदमाशों में पुलिस का खौफ नहीं रहा। शहर में बढ़ रहे अपराधों के क्रम में बीती रात पांच बाईक में सवार होकर आए 10 लोगों ने एक और संगीन वारदात को अंजाम दे दिया। शनिवार देर रात 10.30 बजे पांच मोटर साइकलों पर सवार होकर आए लगभग 10 युवकों ने शहर के गढा थांनातर्गत मदन महल चौराहे के समीप सरेराह एक 17 वर्षीय किशोर को चाकूओं से गोदकर मौत की नींद सुला दिया और मौके से फरार हो गए। मृतक की पहचान सिद्धबाबा बस्ती लालमाटी घमापुर निवासी 17 वर्षीय ऋषभ राजपूत के रूप में हुई है।

घटना के संबंध में गढ़ा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार मिली जानकारी के अनुसार ऋषभ राजपूत अपनी मोटर साइकल से छोटी लाइन से मेडिकल की ओर जा रहा था। जैसे ही वह मदनमहल चौराहे से आगे शुभम अस्पताल के पास पहुंचा, तभी 5 बाइक पर सवार 8 से 10 युवकों ने उसे रोका और चारों ओर से घेरकर ऋषभ पर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस दौरान ऋषभ ने बचने की कोशिश भी की, लेकिन सीने और पेट में गंभीर चोट लगने से वह मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा। घटना को अंजाम देकर आरोपी मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोग घायल को पास के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे जहां से हालत गंभीर होने पर उसे मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। मेडीकल में इलाज से पूर्व ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते गढ़ा पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। फिलहाल अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

एक और युवक घायल

वारदात के कुछ देर बाद एक लगभग 20 वर्षीय एक युवक घायल हालत में थाने पहुंचा, जिसे चाकू लगा हुआ था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, घायल युवक मृतक का दोस्त है या वारदात में शामिल आरोपी, यह अभी स्पष्ट नहीं है। पीड़ित अभी बोलने की स्थिति में नहीं है लिहाजा उसके बयान के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी।

कटंगी में वारदात, 27 हजार नगदी सहित लैपटाप ले भागे लुटेरे

टीवीएस कंपनी के एजेंट को झाड़ियों में ले जाकर लूटा

जबलपुर। कटंगी थाना अतंर्गत ग्राम झगरा में टीवीएस कंपनी के वसूली करने गए कंपनी के वसूली एंजेट को दो लड़कों ने पेट्रोल मांगने के बहाने रोका और झाड़ियों में ले जाकर उसके साथ मारपीट की और उसका बैग छीन लिया। बैग में लैपटॉप और वसूली के 27 हजार रुपए रखे थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर लिया है।

कटंगी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार टीव्हीएस एंजेसी में फील्ड में पदस्थ एंजेंट हेमेन्द्र पटेल कल बेलखाड़ु मझौली में किस्तों की वसूली करने दोपहर 3.30 बजे ग्राम झगरा राजेन्द्र नरवद के घर अपनी मोटर सायकल से गया था। राजेन्द्र नरवद के घर के बाहर एक मोटर सायकल में 2 लड़के बैठे थे। एक लड़का बाहर खड़ा था। राजेन्द्र के घर पर 2 लोग बैठे थे। राजेन्द्र नरवद घर पर नहीं था। उसकी मां से मोटर सायकल की मार्च महीना की किश्त जमा करने के लिये कहा। तभी वहीं बैठे लड़के ने उससे पूछा कि क्या करते हो, कहां से आये हो। राजेन्द्र का किस्त का कितना पैसा बकाया रह गया है। उक्त लड़के उसे ताड़ रहे थे, तभी राजेन्द्र की मां बोली कि शनिवार तक किश्त का पैसा दे देंगे। वह अपना पिट्ठू बैग अपने पीठ में टांग कर अपनी मोटर सायकल से झगरा से चौदह मील तरफ आने लगा। तभी उन्हीं में से तीन लड़के एक मोटर सायकल से उसके आगे पीछे चलने लगे। वह राजेन्द्र के घर से लगभग एक किलोमीटर कटंगी तरफ रोड में आया था। तभी उन लड़कों में से एक ने उससे कहा कि मेरी मम्मी की तबियत खराब है। पेट्रोल दे दो। उसने कहा कि उसकी गाड़ी बीएस 6 है, इसमें से पेट्रोल नहीं निकलेगा। पेट्रोल देने से मना किया। लड़के ने कहा कि 2 मिनिट अपनी मोटर सायकल रोक लो। मां की तबियत खराब है। अर्जेन्ट पेट्रोल चाहिये। उसने अपनी मोटर सायकल रोक ली। तभी लड़कों ने भी मोटर सायकल रोककर उसके पास आकर उसकी मोटर सायकल की टंकी के नीचे देखने लगे कि पेट्रोल कहां से निकलेगा। उसी समय पीछे से दूसरी मोटर सायकल से 2 लड़के आये और उसे पकड़ कर जबरदस्ती रोड़ किनारे लगी झाड़ियों तरफ ले गये। झूमाझपटी कर उसका पिट्ठू बैग और उसके पेंट की जेब में रखे पर्स को छीनकर ग्राम बोरिया तरफ दोनों मोटर सायकल से भाग गये। उसके पिट्ठू बैग में एचपी कम्पनी का लेपटाप, चार्जर, रजिस्टर एवं ब्राउन रंग के पर्स में किस्त वसूली के 27 हजार 800 रूपये नगदी रखे थे। घटना के बारे में एजेन्सी मालिक शशांक मिश्रा को फोन से घटना की जानकारी दी उसके बाद कटंगी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 309(4), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

कार चालकों को हर टोल पर देना होगा ज्यादा शुल्क

जबलपुर–नागपुर सफर महंगा: 1 अप्रैल से बढ़ेगा टोल टैक्स

जबलपुर। जबलपुर से नागपुर जाने वाले वाहन चालकों के लिए 1 अप्रैल से सफर महंगा होने जा रहा है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने टोल टैक्स में 5 से 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। नई दरें 1 अप्रैल से लागू होंगी। जबलपुर–नागपुर मार्ग पर पड़ने वाले टोल प्लाजा पर कार चालकों को 5 से 10 रुपए तक अतिरिक्त शुल्क देना पड़ सकता है। रोजाना इस रूट से आने-जाने वाले लोगों और व्यापारियों पर इसका सीधा असर पड़ेगा। ट्रकों और भारी वाहनों के लिए भी टोल दरों में वृद्धि की संभावना है, जिससे परिवहन लागत बढ़ सकती है। फास्टैग के जरिए बनने वाले सालाना पास में भी बढ़ोतरी की गई है। अभी तक कार का सालाना पास 3 हजार रुपए में बनता था, जिसमें 200 बार टोल पार करने की सुविधा मिलती है। 1 अप्रैल से यही पास 3075 रुपए में बनेगा। टोल दरें होलसेल प्राइस इंडेक्स के आधार पर तय की जाती हैं। हर साल इंडेक्स की समीक्षा के बाद सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय नई दरें लागू करता है। वाहन चालकों का कहना है कि जबलपुर–नागपुर हाईवे पर कई स्थानों पर सड़क की स्थिति बेहतर की जानी चाहिए। उनका मानना है कि यदि टोल बढ़ाया जा रहा है तो सड़क का मेंटेनेंस और सुविधाएं भी उसी स्तर की होनी चाहिए। 1 अप्रैल से लागू होने वाली नई दरों के बाद जबलपुर से नागपुर की यात्रा पर सीधा आर्थिक असर देखने को मिलेगा।

दंपति की बाइक भिड़ी, पति की मौत

बरेला–निवास रोड फिर बना हादसों का हॉटस्पॉट

जबलपुर। बरेला–निवास रोड एक बार फिर जानलेवा हादसे के कारण चर्चा में है। ग्राम गुंदलई के पास दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल है। घटना के बाद क्षेत्र में अफरातफरी मच गई और सड़क सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार ग्राम बिछिया निवासी अनूप सिंह बरकड़े अपनी पत्नी रामप्यारी के साथ ग्राम भलवारा स्थित जमुनेश्वरी धाम में जवारा पूजन करने गए थे। विधि-विधान से पूजा करने के बाद दोनों मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। जब वे बरेला से निवास की ओर बढ़ रहे थे, तभी ग्राम गुंदलई के पास सामने से आ रही एक अन्य मोटरसाइकिल से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों मोटरसाइकिलों के परखच्चे उड़ गए। अनूप सिंह को सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उनकी पत्नी रामप्यारी उछलकर दूर जा गिरीं और उनके हाथ-पैर में गंभीर चोटें आईं। राहगीरों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने अनूप सिंह को मृत घोषित कर दिया। रामप्यारी का इलाज जारी है। दूसरी बाइक पर सवार राजू मरावी, निवासी ग्राम जरहेटी, भी घायल हुए हैं और उनका उपचार किया जा रहा है।

क्या बढ़ रहे हैं हादसे

स्थानीय लोगों का कहना है कि बरेला–निवास रोड पर पिछले कुछ समय से सड़क हादसों की संख्या बढ़ी है। यह मार्ग ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ता है और यहां दोपहिया वाहनों की आवाजाही अधिक रहती है। कई जगह सड़क संकरी है, किनारों पर गड्ढे हैं और मोड़ों पर चेतावनी संकेत भी स्पष्ट नहीं हैं। रात के समय रोशनी की कमी भी हादसों की एक बड़ी वजह बताई जा रही है।

प्रशासन से कार्रवाई की मांग

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क की मरम्मत, स्पीड ब्रेकर लगाने और नियमित पुलिस पेट्रोलिंग की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो इस मार्ग पर हादसे इसी तरह जान लेते रहेंगे।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No.: MPHIN/2008/24240